MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-115

मुंबई फूड पॉइजनिंग : एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के पायधुनी इलाके से सामने आई यह घटना हर किसी को झकझोर देने वाली है। एक ही घर में हंसता-खेलता परिवार कुछ ही घंटों में खत्म हो गया। बताया जा रहा है कि रात में साथ बैठकर खाना खाने के बाद जब परिवार ने तरबूज खाया, तो सबकी तबीयत बिगड़ने लगी। इलाज की कोशिशें हुईं, अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन चारों की जान नहीं बच सकी। अब पुलिस और जांच एजेंसियों की नजर उस आधे कटे तरबूज पर है, जिससे इस रहस्यमय मौत का सच सामने आ सकता है। यह मामला मुंबई के पायधुनी क्षेत्र का है, जहां रविवार को संदिग्ध फूड पॉइजनिंग के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में 40 वर्षीय अब्दुल्ला अब्दुल कादर, उनकी पत्नी नसरीन (35) और दोनों बेटियां आयशा (16) व ज़ैनब (13) शामिल हैं। अचानक हुई इन मौतों से पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल बन गया।

रात में तरबूज खाने के बाद बिगड़ी हालत

पुलिस के मुताबिक, 25 अप्रैल की रात अब्दुल्ला के घर पर डिनर रखा गया था। रात करीब 10:30 बजे परिवार के चारों सदस्य अपने पांच रिश्तेदारों के साथ खाना खाए थे। सभी ने एक सा ही भोजन किया और खाना खत्म होते ही रिश्तेदार अपने-अपने घर लौट गए। उस वक्त तक किसी को किसी तरह की परेशानी नहीं थी। डिनर के कुछ घंटे बाद, रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच परिवार के चारों सदस्यों ने तरबूज खाया। इसके बाद थोड़ी ही देर में सभी को पेट दर्द, उल्टी और बेचैनी की शिकायत होने लगी। पहले उन्हें पास के फैमिली डॉक्टर को दिखाया गया, लेकिन हालत तेजी से बिगड़ती चली गई।

आधे कटे तरबूज से खुलेगा राज़

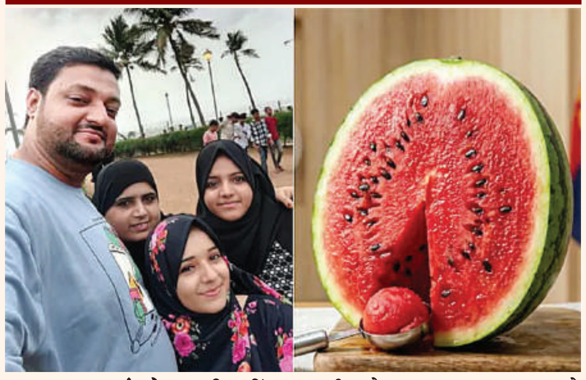

अस्पताल पहुंचने पर भी नहीं बची जान

तबीयत ज्यादा खराब होने पर सभी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान सबसे पहले 13 साल की ज़ैनब की मौत हो गई। इसके बाद आयशा और नसरीन ने भी दम तोड़ दिया। सबसे आखिर में पिता अब्दुल्ला की मौत रात करीब 10:30 बजे हुई। इस तरह कुछ ही घंटों में पूरा परिवार खत्म हो गया।

जेजे मार्ग पुलिस ने घटनास्थल से बरामद आधा कटा हुआ तरबूज जांच के लिए लैब भेज दिया है। पुलिस का मानना है कि इसी तरबूज से मामले की असली सच्चाई सामने आ सकती है। तरबूज की माइक्रोबायोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी जांच कराई जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि उसमें कोई बैक्टीरिया, ज़हरीला रसायन या मिलावट तो नहीं थी।

तीन विभाग मिलकर कर रहे जांच, डॉक्टरों ने जताई दूषित भोजन की आशंका

इस मामले की जांच एक साथ तीन अलग-अलग विभाग कर रहे हैं।

✻ एफडीए यह जांच करेगा कि तरबूज में किसी तरह की मिलावट या बाहरी ज़हरीला पदार्थ तो नहीं था।

✻ जेजे अस्पताल का मेडिकल स्टाफ बैक्टीरिया, संक्रमण और शरीर के ऊतकों की जांच कर रहा है।

✻ एफएसएल यानी फॉरेंसिक साइंस लैब भोजन के नमूनों और विसरा रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों का मिलान करेगी।

कामा अस्पताल के डीन डॉ. तुषार पालवे के अनुसार, सिर्फ बिरयानी और तरबूज साथ खाने से मौत होना सामान्य तौर पर संभव नहीं लगता। आशंका जताई जा रही है कि भोजन या फल दूषित हो सकता है। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि तरबूज को ज्यादा लाल और मीठा दिखाने के लिए उसमें केमिकल का इस्तेमाल किया गया हो, जिसकी पहचान आम तौर पर आसानी से नहीं हो पाती। ▶8 पर

फिर तेल की कतारें

सिविल सप्लाइज ने किया कमी से इनकार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में रविवार शाम और सोमवार को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें और 'नो स्टॉक' के बोर्ड देखे गए, जबकि इससे पहले 12 अप्रैल और 24-26 अप्रैल को भी इसी तरह की कमी देखी गई थी।

कई आउटलेट्स रविवार शाम सूख गए, जिससे सोमवार सुबह से ही भीड़ जमा हो गई। ग्राहकों को घंटों इंतजार करना पड़ा, जबकि एलपीजी चालित ऑटोरिक्शा चालकों ने रिफ्यूलिंग में कठिनाई की शिकायत की, कुछ ने तो छह घंटे तक के इंतजार का दावा किया।

तेलंगाना सिविल सप्लाइज विभाग ने सोमवार शाम कहा कि राज्य में पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है और सोशल मीडिया पर प्रसारित अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की। विभाग ने कहा कि यात्रियों, परिवहन और कृषि क्षेत्र की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

कमिश्नर एम. स्टीफन रवींद्र के निर्देशन में विभाग ने कहा कि आपूर्ति बनाए रखने के लिए तेल विपणन कंपनियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शाम 4 बजे तक की आपूर्ति 7,443 किलोलीटर पेट्रोल और 11,081 किलोलीटर डीजल रही, कुल मिलाकर 18,524 किलोलीटर। बांदलगुडा जागीर के निवासी जेरेमिया जोएल ने कहा, मेरे निवास से नामपल्ली तक सुबह 10 से 11 बजे के बीच सभी पेट्रोल पंप अत्यधिक भीड़ से भरे हुए थे, और मैं रिफ्यूल नहीं करा सका।

पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़, कई जगह यातायात जाम

आउटलेट्स पर भारी रश के कारण आईकेईए, रायदुर्ग, जीरा, तारनाका, गोलनाका, बेगम बाजार, अटापुर और बेगमपेट सहित कई स्थानों पर यातायात जाम की स्थिति बनी रही। लिबर्टी स्थित एक भारत पेट्रोल पंप स्टॉक खत्म होने के बाद बंद कर दिया गया, जबकि कई अन्य आउटलेट्स पर भी इसी तरह के बोर्ड देखे गए। कुकटपल्ली के निवासी टी. नागररक्षी ने कहा, मैं हैदराबाद से अन्नवरम और वहां से विशाखापत्तनम की यात्रा की, पूरे सफर में डीजल की कमी का सामना करना पड़ा। हैदराबाद वापसी पर कई पेट्रोल पंप अत्यधिक भीड़ से भरे हुए थे, कई में ईंधन खत्म हो गया था। तेलंगाना पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मार्री अमरेंदर रेड्डी ने कहा, ईंधन आपूर्ति में कमी है और तीन दिनों से डिलीवरी कम आ रही है। रविवार को वे कंपनियां जो आमतौर पर संचालित होती हैं, काम नहीं कर रही थीं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। उनका दावा है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें बनी रहने के कारण तेल कंपनियों को नुकसान हो रहा है, जबकि थोक खरीदार अब लगभग 109 प्रति लीटर का भुगतान कर रहे हैं, जो 22 की तेज वृद्धि है। इन परिस्थितियों में, जनता को घबराहट में खरीदारी या अतिरिक्त ईंधन का स्टॉक करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे कमी और बढ़ सकती है, अमरेंदर रेड्डी ने कहा।

डीलर्स बता रहे आपूर्ति में कमी

जहां अधिकारियों ने आपूर्ति पर्याप्त होने की बात कही, वहीं कई आउटलेट्स ने हाल के दिनों में ईंधन खत्म होने की रिपोर्ट दी। सूत्रों ने कहा कि तेल विपणन कंपनियों से डीजल की आपूर्ति कम रही है, हालांकि कंपनियों ने दावा किया कि स्टॉक पर्याप्त है।

जीएचएमसी क्षेत्र में लगभग 900 से 1,000 ईंधन स्टेशन हैं, जबकि शहर के परिधि क्षेत्र में लगभग 1,280 आउटलेट्स और पूरे तेलंगाना में करीब 3,600 स्टेशन हैं। राज्यव्यापी दैनिक बिक्री का अनुमान 45 लाख लीटर डीजल और 35 लाख लीटर पेट्रोल का है, जो इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम द्वारा संचालित डिपो के माध्यम से आपूर्ति की जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा डीजल आपूर्ति प्रतिबंधित करने के आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी।

कालेश्वरम मामला सीबीआई हवाले

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई) द्वारा कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के विभिन्न पहलुओं की जांच करने के लिए राज्य सरकार के अनुरोध को स्वीकार किए जाने के प्रयासों को तेज करें।

सीएम ने की समीक्षा, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ की चर्चा

रेवंत रेड्डी का यह निर्णय सोमवार को हुई एक समीक्षा बैठक के बाद आया, जिसके दौरान उन्होंने मंत्रियों एन. उत्तम कुमार रेड्डी और डी. श्रीधर बाबू, वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अपने सलाहकार और राज्यसभा सदस्य वेम नरेंदर रेड्डी के साथ सी.बी.आई द्वारा जांच शुरू किए जाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि कानूनी राय यह थी कि चूंकि कालेश्वरम परियोजना पर किसी भी न्यायालय में कोई मुकदमा लंबित नहीं है, इसलिए सी.बी.आई को राज्य सरकार द्वारा मांगी गई जांच को शुरू करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस मामले में सी.बी.आई को पत्र लिखने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार, रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो, तो मंत्रियों को सी.बी.आई निदेशक से मुलाकात का समय मांगना चाहिए और राज्य सरकार का अनुरोध सौंपना चाहिए।

जस्टिस पी.सी. घोष आयोग की वैधता बरकरार, उच्च न्यायालय ने नहीं उठाए सवाल

चर्चा के दौरान, वीडियो लिंक के माध्यम से समीक्षा में शामिल हुए सिंघवी ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना उच्च न्यायालय ने एक संबंधित मामले में अपने हालिया निर्णय में, परियोजना की अनियमितताओं की जांच के लिए गठित जस्टिस पी.सी. घोष जांच आयोग के गठन पर कोई सवाल नहीं उठाया था, और न ही अपने आदेशों में आयोग की रिपोर्ट में कोई दोष पाया था। विज्ञप्ति में कहा गया कि इस स्थिति को देखते हुए, आयोग और उसकी रिपोर्ट वैध बनी हुई है, यह चर्चा के दौरान निकाली गई कानूनी राय थी।

बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, सीएम के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, सीएम के सचिव के. मणिका राज, सिंचाई सलाहकार आदित्यनाथ दास, और सिंचाई विभाग के प्रधान सचिव ई. श्रीधर शामिल थे।

मजबूर ईरान, खुलेगा हार्मुज

तेहरान, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बातचीत के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह प्रस्ताव इसलिए दिया है, क्योंकि दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की पाकिस्तान यात्रा रद्द करने के बाद भी अमेरिका अपने किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। दरअसल, ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका के पास सभी विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में ईरान को जब भी बात करना हो तो वह सीधे फोन कर सकता है। इस बीच ईरान ने भी बिना परमाणु समझौते के होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का एक प्रस्ताव अमेरिका को भेजा है।

ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बात करते हुए कहा, अगर वे (ईरान) बात करना चाहते हैं तो वे हमारे पास आ सकते हैं या हमें फोन कर सकते हैं। हम लोगों को 18 घंटे की यात्रा करके मिलने के लिए नहीं भेज रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा, जैसे-जैसे फोन पर बातचीत के जरिए भविष्य में प्रगति होगी, पाकिस्तान इसमें शामिल रहेगा।

उन्होंने कहा, वे इसमें शामिल रहेंगे लेकिन हम यह फोन पर करेंगे। ट्रंप ने ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर अपने पुराने रुख को फिर से दोहराया। उन्होंने कहा, उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। ऐसे में मुलाकात का कोई मतलब नहीं है।

ईरान ने प्रस्ताव दिया है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल देगा बशर्ते अमेरिका इस पर नाकेबंदी खत्म कर दे और युद्ध समाप्त किया जाए। ईरान ने यह भी सुझाव दिया है कि उसके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े बड़े मुद्दे पर बातचीत बाद के चरण में की जाएगी। दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की संभावना कम ही है और इससे वे मतभेद अनसुलझे ही रह जाएंगे जिनके कारण 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किया था।

अमेरिका और ईरान जलडमरूमध्य को लेकर आमने-सामने हैं, जिसके जरिये युद्ध से पहले तेल और गैस का महत्वपूर्ण व्यापार होता था। ▶8 पर

राज्यसभा : बहुमत से बस ज़रा दूर भाजपा

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी (आप) के एक गुट के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही 'आप' के 7 सांसद औपचारिक रूप से इझझ में शामिल हो गए हैं। राज्यसभा के ताजा आंकड़ों के अनुसार डॉ. अशोक कुमार मित्तल, राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, डॉ. संदीप कुमार पाठक, डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता अब बीजेपी के सांसद माने जाएंगे। इसके बाद बीजेपी के राज्यसभा सांसदों की संख्या बढ़कर 113 हो गई है।

इस विलय के बाद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा में अब केवल 2 सांसद रह गए हैं। इसके साथ ही राज्यसभा में भाजपा की स्थिति ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। यदि सात मनोनीत सांसदों और दो निर्दलीय सांसदों- दिलीप रे और कार्तिकेय शर्मा को भी जोड़ लिया जाए, तो भाजपा बिना किसी सहयोगी दल के बहुमत के आंकड़े 123 से सिर्फ एक सीट पीछे रह जाती है। इससे पहले वर्ष 1988 में कांग्रेस आखिरी बार अपने दम पर राज्यसभा में बहुमत के करीब पहुंची थी। यानी पिछले लगभग 40 वर्षों में कोई भी दल अकेले दम पर इस स्थिति तक नहीं पहुंच सका था, लेकिन अब बीजेपी धीरे-धीरे उस स्तर की ओर बढ़ रही है।

इस साल के अंत तक बीजेपी की स्थिति और मजबूत हो सकती है, क्योंकि अभी 35 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड जैसे राज्यों में बीजेपी की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। सहयोगी दलों को मिलाकर बीजेपी की कुल संख्या राज्यसभा में 148 तक पहुंच चुकी है, जो दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद नजदीक है। इतनी बड़ी संख्या के साथ बीजेपी अब राज्यसभा में कई अहम विधेयकों को आसानी से पारित कराने की स्थिति में आ गई है।

दूसरी ओर यह विपक्ष के लिए बड़ा झटका है। हाल ही में महिला आरक्षण लागू करने के लिए लाए गए संविधान के 131वें संशोधन विधेयक को सरकार लोक सभा में पारित नहीं कर सकी थी। इसके विरोध में 230 वोट पड़े थे जो विपक्षी एकता का सबूत है। लेकिन अब हालात बदल जाएंगे। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

8वां वेतन आयोग : पोस्टमैन सैलरी 1.12 लाख

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। 8वें वेतन आयोग की देश में खूब चर्चा है। केंद्रीय कर्मचारियों की यूनियनें अपनी-अपनी सिफारिशें सौंप रही हैं। फेडरेशन ऑफ नेशनल पोस्टल ऑर्गेनाइजेशंस (एफएनपीओ) ने भी ऐसा ही किया है। उसकी कुछ प्रमुख मांगों में पोस्टमैन की बेसिक सैलरी 1.12 लाख रुपये करना, फिटमेंट फैक्टर 3.83 रखना, 8वें वेतन आयोग में ग्रामीण डाक सेवक को शामिल करना और 6% की सालाना बढ़ोतरी शामिल हैं। एफएनपीओ ने 20 अप्रैल, 2026 को 8वें वेतन आयोग को सौंपे गए मेमोरेंडम में ये मांगें उठाई हैं। डाक कर्मचारियों के इस संगठन ने अपना मेमोरेंडम तब सौंपा, जब 8वां वेतन आयोग 28-30 अप्रैल को नई दिल्ली में यूनियनों और संगठनों से मिलने वाला है।

मेमोरेंडम में क्या शामिल है? एंट्री लेवल कर्मचारी को 69,000 रुपये न्यूनतम सैलरी

एफएनपीओ के मेमोरेंडम में डाक सहायकों, सॉर्टिंग सहायकों, डाकियों, मेल गार्डों, सिविल विंग, प्रशासनिक कार्यालयों, लेखा, मार्केटिंग अधिकारियों, सिस्टम प्रशासकों, विकास अधिकारियों और अन्य से जुड़े मुद्दे शामिल थे। 8वें वेतन आयोग से एफएनपीओ की मुख्य मांगें यहां दी गई हैं। एफएनपीओ ने लेवल 1 (शुरुआती स्तर) के कर्मचारी के लिए न्यूनतम मूल वेतन 69,000 रुपये का प्रस्ताव दिया है।

डाक कर्मचारियों के इस संगठन ने मल्टी-टास्किंग स्टाफ कर्मचारी के लिए इस वेतन का प्रस्ताव दिया है। 7वें वेतन आयोग के तहत शुरुआती स्तर के कर्मचारी का मूल वेतन 18,000 रुपये है।

डाकिया या मेल गार्ड, जो लेवल 5 का कर्मचारी है, के लिए एफएनपीओ ने मूल वेतन 25,500 रुपये से बढ़ाकर 1,12,000 रुपये करने का प्रस्ताव दिया है। डाक संगठन ने लेवल 2 और 3 के साथ लेवल 8, 9 और 10 को आपस में मिलाने का सुझाव भी दिया है।

एफएनपीओ ने सभी कैडर के सभी डाक कर्मचारियों के लिए 3.83 के फिटमेंट फैक्टर का प्रस्ताव दिया है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। फिटमेंट फैक्टर वेतन और पेंशन में संशोधन के लिए मल्टीप्लायर होता है। 3.83 के फिटमेंट फैक्टर का मतलब है कि एक नए वेतन आयोग में किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी या किसी पेंशनर की बेसिक पेंशन को 3.83 से गुणा किया जाएगा।

▶8 पर

इजराइल में नेतन्याहू को हटाने एकजुट हुए दो पूर्व प्रधानमंत्री:अपनी पार्टी का विलय करेंगे, 2021 में बेनेट-लैपिड ने मिलकर बेंजामिन को हराया था

तेल अवीव

इजराइल में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नफ्ताली बेनेट और येर लैपिड ने मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उनका मकसद लंबे समय से सत्ता में रहे नेतन्याहू को हटाना है।

दोनों पहले भी 2021 में साथ आए थे और उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाली पार्टियों को जोड़कर 12 साल से चली आ रही नेतन्याहू की सत्ता गिरा दी थी।

अब दोनों नेताओं ने फिर से साथ आने और एक नई पार्टी बनाने का फैसला किया है। इस पार्टी का नाम 'टुगेदर' रखा गया है। इसकी अगुवाई बेनेट करेंगे। वे ही पीएम उम्मीदवार भी होंगे।

इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने हैं लेकिन माना जा रहा है कि नेतन्याहू इसी साल अक्टूबर में संसद भंग कर चुनाव करा सकते हैं।

2022 में टूट गया था गठबंधन

2021 में हुए समझौते के तहत पहले बेनेट प्रधानमंत्री बने और बाद में लैपिड को यह जिम्मेदारी संभालनी थी। हालांकि यह सरकार बहुत कम बहुमत पर टिकी थी।

इसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी, मध्यमार्गी और एक अरब पार्टी शामिल थी। इनकी अलग-अलग विचारधारा वाली इन पार्टियों में सुरक्षा, फिलिस्तीन और बस्तियों जैसे मुद्दों पर सबकी सोच अलग थी, जिससे बार-बार टकराव होता रहा।

आखिरकार हालात ऐसे बन गए कि सरकार चलाना मुश्किल हो गया। तब बेनेट और लैपिड ने संसद भंग करने का फैसला किया और नए चुनाव कराए गए।इसमें नेतन्याहू की जीत हुई और वे फिर से सत्ता में लौट आए। तब से लैपिड विपक्ष के नेता हैं, जबकि बेनेट कुछ समय के लिए राजनीति से दूर हो गए थे। उनकी पार्टी यमीना ने भी चुनाव नहीं लड़ा था।

लैपिड की पार्टी का कहना है कि इस कदम का मकसद विपक्ष को एकजुट करना, आपसी झगड़ों को खत्म करना और आने वाले अहम चुनाव जीतने पर पूरा ध्यान लगाना है।

बेनेट-लैपिड की सोच अलग-अलग बेनेट की छवि एक कट्टरपंथी यहूदी राष्ट्रवादी नेता की रही है। वे लंबे समय से दक्षिणपंथी राजनीति से जुड़े रहे हैं और फिलिस्तीन मुद्दे पर उनका रुख काफी सख्त माना जाता है।

वे वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों के समर्थक रहे हैं और फिलिस्तीनी राज्य बनाने के विचार के खिलाफ भी रहे हैं। उनका मानना रहा है कि इजराइल की सुरक्षा सबसे ऊपर है और इस मामले में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए।

इसके उलट, लैपिड को एक धर्मनिरपेक्ष और उदार सोच वाला नेता माना जाता है। उनकी राजनीति ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित मानी जाती है। वे शहरी मध्यम वर्ग, प्रोफेशनल लोगों और उदार विचारधारा वाले मतदाताओं में काफी लोकप्रिय हैं।

न्यूज ब्रीफ

संगाई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के 98 पूर्व नेपाली छात्रों के प्रमाण पत्र संकट में

काठमांडू। भारत के मणिपुर स्थित संगाई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के 98 पूर्व नेपाली छात्रों के प्रमाण पत्री(शैक्षणिक डिग्री) संकट में पड़ गए हैं। इस मामले की जांच कर रहे नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय ने इन सभी के नाम सार्वजनिक करते हुए उनकी डिग्री की वैधता साबित करने वाले दस्तावेज़ 35 दिन के भीतर जमा करने का अल्टीमेटम दिया है। भारत के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 15 मई 2024 को मणिपुर की संगाई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी को अपनी मान्यता सूची से हटा दिया था। साथ ही, इस विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई शैक्षणिक डिग्रियों को उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों के लिए अवैध घोषित कर दिया था। संघाई के इन पूर्व छात्रों ने समकक्षता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय में आवेदन दिया था। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम विकास केंद्र ने इन छात्रों का विवरण सार्वजनिक कर दिया है। विश्वविद्यालय जारी सूचना में कहा गया है, आपके नाम पर इस केंद्र द्वारा जारी समकक्षता प्रमाणपत्रों की जांच की जा रही है। इसलिए इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के भीतर अपने समकक्षता प्रमाणपत्र की मूल प्रति और प्राप्त शैक्षणिक उपाधि की वैधता साबित करने वाले किसी भी दस्तावेज़ को लिखित रूप में इस केंद्र में जमा करें।

इजराइल की जनता भड़की: चुनाव से पहले नेतन्याहु पर दबाव

यरुशलम। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु के खिलाफ जनाक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

बढ़ती सुरक्षा की चिंता और लंबे खिंचती युद्ध की स्थिति के साथ ही आंतरिक राजनीतिक संकट को लेकर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अक्टूबर में संभावित चुनावों को देखते हुए ये विरोध प्रदर्शन राजनीतिक रूप से बेहद अहम माने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हाल के महीनों में हिज़्बुल्लाह और ईरान समर्थित समूहों के साथ बढ़ते तनाव ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। हालिया संघर्षों में हुई जनहानि और बुनियादी ढांचे को पहुंचे नुकसान ने सरकार की आलोचना को और तेज कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के खिलाफ असंतोष अधिक गहरा गया है। इसी बीच, नेतन्याहु की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। प्रोस्टेट कैंसर से जुड़ी खबरों ने राजनीतिक माहौल को प्रभावित किया है। हालांकि सरकार की ओर से इसे निजी मामला बताया जा रहा है, लेकिन जनता के एक वर्ग में उनके नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा, इजराइली न्यायपालिका में लंबित भ्रष्टाचार मामलों ने भी प्रधानमंत्री की छवि को प्रभावित किया है। विपक्ष इन मुद्दों को चुनावी अभियान में प्रमुखता से उठा रहा है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सुरक्षा स्थिति और राजनीतिक अस्थिरता इसी तरह बनी रहती है, तो आगामी चुनावों में सत्ता परिवर्तन की संभावना बढ़ सकती है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच इजराइल ने यूएई में तैनात किया आयरन डोम, बढ़ा सैन्य सहयोग

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम तैनात किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दौरान उठाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएई के राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके तहत इजराइली सेना ने न केवल आयरन डोम सिस्टम बल्कि इंटरसेप्टर टीम भी यूएई में तैनात की। बताया जा रहा है कि संघर्ष के दौरान ईरान ने यूएई को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूएई ने दावा किया कि उसने अधिकांश हमलों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया, हालांकि कुछ हमले सैन्य और नागरिक ठिकानों तक पहुंचने में सफल रहे। यह पहली बार है जब इजराइल ने अपने आयरन डोम सिस्टम को किसी दूसरे देश में सक्रिय आपरेशन के लिए तैनात किया है। इस कदम को क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2020 में हुए अब्राहम समझौता के बाद से इजराइल और यूएई के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध लगातार मजबूत होते गए हैं। मौजूदा घटनाक्रम इस साझेदारी को और गहराई देने का संकेत देता है।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री 11-12 मई को नेपाल दौरे पर

काठमांडू

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री 11 और 12 मई को नेपाल के दौरे पर रहेंगे। काठमांडू स्थित भारतीय राजदूतावास और दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के अधिकारियों के अनुसार, मिस्री की दो दिवीय यात्रा के कार्यक्रम के लिए दोनों पक्षों के बीच अनौपचारिक बातचीत शुरू हो गई है।मिस्री को नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने औपचारिक निमंत्रण भेजा था। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद भारत से किसी बड़े राजनयिक की यह पहली यात्रा होगी। हालांकि इससे पहले मारिशस में आयोजित नौवें हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल और भारतीय विदेशमंत्री डा. एस जयशंकर की मुलाकात हो चुकी है।

इस मुलाकात में जयशंकर ने कहा था कि विदेशमंत्री और प्रधानमंत्री स्तर की यात्राओं को परिणाममूलक बनाने के लिए नई नेपाल सरकार की प्राथमिकताओं को समझना जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने विदेश सचिव विक्रम मिस्री को काठमांडू भेजने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि मिस्री की काठमांडू यात्रा का एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

यात्रा से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, वे काठमांडू में नई सरकार की प्राथमिकताओं और नई दिल्ली की अपेक्षाओं पर चर्चा करेंगे। शनिवार को नई दिल्ली में नेपाली पत्रकारों के साथ बातचीत में विक्रम ने कहा कि वह बहुत जल्द काठमांडू जाएंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से नेपाल के प्रधानमंत्री शाह को भारत यात्रा का निमंत्रण पत्र भी सौंप सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, मंत्री शिशिर खनाल भारत समर्थित परियोजनाओं की स्थिति, उनकी प्रगति, सामने आई बाधाओं और सहयोग के नए क्षेत्रों को लेकर विभिन्न मंत्रियों के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं। मारिशस में खनाल और जयशंकर की मुलाकात में इस बात पर सहमति बनी थी कि उच्चस्तरीय बैठकों से पहले दोनों देश अपनी-अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देते हुए द्विपक्षीय तंत्र को सक्रिय करेंगे और सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करेंगे।

नेपाल और भारत के बीच जिला स्तर से लेकर विदेश मंत्री स्तर तक सुरक्षा, जल संसाधन, सिंचाई, सीमा प्रबंधन, व्यापार, वाणिज्य और कृषि समेत करीब तीन दर्जन द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं। इनमें कुछ की बैठकें नियमित होती हैं, जबकि कुछ वर्षों से नहीं हुई हैं।

भारत की आर्थिक और तकनीकी सहायता से नेपाल में दर्जनों परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें कुछ में अच्छी प्रगति हुई है, जबकि कुछ परियोजनाएं अभी भी लक्ष्य के अनुरूप आगे नहीं बढ़ सकी हैं।

मारिशस में बनी सहमति के अनुसार, नेपाल का विदेश मंत्रालय अपनी प्राथमिकताएं तय करने के लिए तैयारी कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि विक्रम के काठमांडू आने से पहले विभिन्न स्तरों पर और बैठकें होंगी।

मिस्री के नई दिल्ली लौटने के बाद वहां के राजनीतिक नेतृत्व के साथ नेपाल की प्राथमिकताओं पर चर्चा होगी, जिससे भविष्य के उच्चस्तरीय दौरों का रास्ता साफ हो सकता है। इस बीच नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल का भारत दौरा भी तय हो गया है। वह मई के आखिर में नई दिल्ली में होने वाले इंडिया अफ्रीका फोरम समिट में सहभागी होंगे।

अमेरिकी घेराबंदी के बीच ईरान ने समंदर में तैरते जहाजों को बनाया तेल का गोदाम

तेहरान

अमेरिकी ब्लाकेड और सख्त आर्थिक पाबंदियों के कारण ईरान का तेल निर्यात लगभग ठप हो गया है, जिससे देश के सामने एक अभूतपूर्व संकट खड़ा हो गया है। ईरान के जमीनी तेल भंडार पूरी तरह भर चुके हैं और अब उसके पास नया तेल रखने के लिए जगह नहीं बची है। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए तेहरान ने एक ऐसा रास्ता निकाला है जो दुनिया की नजरों के सामने है, लेकिन दुश्मन उस पर कार्रवाई करने में तकनीकी रूप से लाचार नजर आ रहे हैं। ईरान ने अपनी मुख्य पाइपलाइनों और उत्पादन को बंद करने के बजाय अपने विशालकाय और पुराने टैंकरों को ही चलता-फिरता गोदाम यानी फ्लोटिंग स्टोरेज में तब्दील कर दिया है। ईरान के कुल तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा खार्ग आइलैंड से होकर गुजरता है, जहां फिलहाल अमेरिकी नौसेना की कड़ी घेराबंदी है। तेल के कुओं से उत्पादन बंद करना ईरान के लिए एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि एक बार कुएं बंद होने पर उन्हें दोबारा शुरू करने में भारी तकनीकी और वित्तीय नुकसान हो सकता है। इसी नुकसान से बचने के लिए ईरान अपने पुराने जहाजों को खार्ग आइलैंड के पास समंदर में खड़ा कर उनमें हर दिन करीब 10 लाख बैरल तेल भर रहा है। जब तक ये जहाज अंतरराष्ट्रीय जलसीमा में निर्यात के उद्देश्य से आगे नहीं बढ़ते, तब तक उन पर सीधी कार्रवाई करना मुश्किल बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के जमीनी टैंकों में अब केवल 10 से 13 दिनों का बैकअप बचा है, जिसके कारण वह समंदर की लहरों पर समय बचाने की कूटनीतिक चाल चल रहा है। हालांकि, ईरान का यह जुगाड़ बहुत लंबे समय तक प्रभावी नहीं रह सकता। टैंकरों की अपनी एक भंडारण क्षमता है और यदि अगले दो हफ्तों के भीतर कोई कूटनीतिक समाधान नहीं निकला, तो ईरान को मजबूरन अपना तेल उत्पादन बंद करना होगा। यह स्थिति न केवल ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होगी, बल्कि वैश्विक तेल बाजार में भी बड़ी उथल-पुथल मचा सकती है। इस तनाव का असर पूरी दुनिया पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिसे वैश्विक तेल व्यापार की जीवनरेखा माना जाता है, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है। सामान्य दिनों में जहाँ यहाँ से रोजाना 140 जहाज गुजरते थे, वहां अब इनकी संख्या घटकर महज 5 रह गई है।

नेपाल का बीपी राजमार्ग तीन दिन बाद भी नहीं हो पाया सुचारू

काठमांडू। नेपाल में शनिवार शाम से अवरुद्ध बीपी राजमार्ग आज अभी तक सुचारु नहीं हो सका है। रोशी नदी में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए डायवर्जन रविवार तक अधिकांश स्थानों पर दोबारा बना दिए गए, लेकिन रविवार शाम हुई बारिश इन नए डायवर्जन को फिर बहा ले गई। राजमार्ग के चिउरीबास, नार्के और चार सय बैंसी क्षेत्रों में रविवार को बनाए गए डायवर्जन भी बह गए हैं। मंगलटार प्रमुख पुलिस निरीक्षक ईश्वर कार्की के अनुसार, 13 डायवर्जन में से 8 स्थानों पर दोबारा निर्माण किया गया था, लेकिन रविवार शाम की बारिश ने उन्हें फिर नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि आज सुबह से फिर से डायवर्जन निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। शनिवार को रोशी नदी की बाढ़ ने चौकीडाँडा, घुमाउने, चारसय बैंसी, गिम्दी बैंसी, नार्के, चिउरीबास, बोक्सीकुना, कालढुंगा, डालाबेशी, बुलढुंगा और माम्ती क्षेत्रों के डायवर्जन बहा दिए थे। वहीं सिन्धुली की ओर आँपघारी और नेपालथोक में भी डायवर्जन क्षतिग्रस्त हुए थे। पुलिस के अनुसार, सड़क डिवीजन कार्यालय और ठेकेदार कंपनी मौसम में सुधार होने के बाद क्षतिग्रस्त डायवर्जनों की मरम्मत कर यातायात को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

अजगरों की समस्या निपटने वैज्ञानिकों ने चुना अनूठा रास्ता

सैन फ्रांसिस्को

अमेरिका में वन्यजीवों की आबादी को लगभग खत्म कर चुके अजगरों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अनूठा और कुछ हद तक डरावना रास्ता चुना है, जो सुनने में काफी अजीब लग सकता है। रिसर्चर्स अब ओपोसम नामक मार्सुपियल जानवरों को चारे के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहे हैं। इन ओपोसम जानवरों के शरीर पर विशेष ट्रैकिंग डिवाइस लगाए जाएंगे ताकि जब कोई अजगर इन्हें अपना निवाला बनाए, तो वैज्ञानिक सीधे उस शिकारी सांप तक पहुंच सकें। यह असाधारण विचार तब आया जब शोधकर्ताओं ने पाया कि उनके अध्ययन में शामिल कई ओपोसम पहले ही अजगरों का शिकार बन चुके थे। अब इसी प्राकृतिक आपदा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। फ्लोरिडा के एवरग्लेड्स जैसे दलदली और घने इलाकों में 20 फीट तक लंबे बर्मीज पायथन को ढूंढना किसी घास के ढेर में सुई खोजने जैसा मुश्किल काम है।

ये सांप अपनी छिपने की कला में इतने माहिर होते हैं कि सालों से विशेषज्ञों द्वारा आजमाए गए रोबोटिक खरगोशों से लेकर विभिन्न प्रकार के जालों तक, कोई भी तरीका इन्हें पकड़ने में कामयाब नहीं हो पाया है। ये बर्मी अजगर वहां के स्थानीय जानवरों को लगातार खाकर अपनी आबादी तेजी से बढ़ा रहे हैं, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन बुरी तरह बिगड़ रहा है। इंसान इन खतरनाक दलदलों में आसानी से प्रवेश नहीं कर सकते, जबकि ओपोसम जैसे स्थानीय जानवर वहां बेखौफ घूमते हैं। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने अब ओपोसम को अपना जासूस बनाने का साहसिक फैसला किया है। नार्थ कैरोलिना म्यूजियम आफ नेचुरल साइंसेज के बायोलाजिस्ट ए.जे. संजर और माइकल कोव इस अभिनव प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पहले एक ट्रैकर की लागत करीब 1,500 डालर होती थी, जो इस परियोजना के लिए बहुत महंगी पड़ती थी। लेकिन अब उन्होंने सिर्फ 190 डालर वाले सस्ते कालर तैयार किए हैं। इन विशेष ट्रैकर्स को ओपोसम के गले में सुरक्षित रूप से बांधकर उन्हें घने जंगलों में छोड़ दिया जाएगा। जैसे ही कोई भूखा अजगर इस जानवर को निगलेगा, वह अनजाने में एक सक्रिय जीपीएस ट्रैकर को भी निगल जाएगा।

नेपाल सरकार का 2035 तक 24,500 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य

काठमांडू

नेपाल सरकार ने वर्ष 2035 तक सरकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त निवेश से कुल 24,500 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखते हुए ऊर्जा खपत वृद्धि तथा निर्यात रणनीति सार्वजनिक की है। इस रणनीति में पहले से प्रस्तावित, अध्ययन किए गए, निर्माणाधीन और निर्माण के लिए तैयार परियोजनाओं को शामिल किया गया है।

जलाशय और अर्ध-जलाशय आधारित परियोजनाओं के अलावा सौर्य ऊर्जा परियोजनाओं को भी इस रणनीति में शामिल किया गया है। रणनीति के अनुसार बहुचर्चित बुढीगण्डक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को वर्ष 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। करीब 1,200 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना के निर्माण की तैयारी चल रही है। निवेश माडल तय हो चुका है, लेकिन अभी इसका कार्यान्वयन शुरू नहीं हुआ है। सरकार ने इसे प्राथमिकता में रखा है।

रणनीति में कहा गया है कि निकट भविष्य में रघुगंगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पूरा होगा। 40 मेगावाट क्षमता वाली यह परियोजना निर्माण के अंतिम चरण में है।

इसी तरह 140 मेगावाट क्षमता वाली तनहु हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को वित्तीय वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रणनीति के अनुसार, 42 मेगावाट क्षमता वाली अपर मोदी ए, 18.2 मेगावाट क्षमता वाली अपर मोदी और 37 मेगावाट क्षमता वाली अपर त्रिशूली 3 बी परियोजना भी पूरी की जाएगी।

निर्माण की तैयारी में मौजूद 670 मेगावाट क्षमता वाली दुधकोशी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को वर्ष 2032 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके अलावा 1,061 मेगावाट क्षमता वाली अपर अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और 417 मेगावाट क्षमता वाली नलगाड़ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भी उसी वर्ष तक पूरा करने की योजना है। वहीं, 490 मेगावाट क्षमता वाली अरुण चतुर्थ और 439 मेगावाट क्षमता वाली बेतन कर्णाली जलविद्युत परियोजना को वर्ष 2032 तक पूरा किया जाएगा।सरकार का लक्ष्य 210 मेगावाट क्षमता वाली चैनपुर सेती परियोजना को वर्ष 2030 तक पूरा करना है।

इसके अलावा 99 मेगावाट क्षमता वाली तामाकोशी पंचम, 281 मेगावाट क्षमता वाली नौमुरे और 828 मेगावाट क्षमता वाली उत्तरगंगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। उत्तरगंगा परियोजना को वर्ष 2092 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण द्वारा प्रवर्द्धित 1,000 मेगावाट क्षमता वाली सौर्य परियोजनाएं वर्ष 2028 तक पूरी होंगी।

निजी क्षेत्र के निवेश से सौर्य परियोजनाओं का चयन प्रतिस्पर्धा के आधार पर किया जा रहा है। ऊर्जा मिश्रण की अवधारणा को लागू करने के लिए सौर्य परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा सरकारी कंपनियों, नेपाल विद्युत प्राधिकरण और अन्य सहायक कंपनियों द्वारा विकसित 3,500 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं भी वर्ष 2035 तक पूरी होंगी। निजी क्षेत्र द्वारा प्रवर्द्धित सौर्य और निर्यात केंद्रित परियोजनाएं भी उसी समय तक पूरी की जाएंगी। इन परियोजनाओं की कुल क्षमता 14,000 मेगावाट है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें। स्थिति में सुधार आएगा। पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी-मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता-पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है. राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीयै नमः मंत्र का जप करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें. सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई-बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक-झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता-पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 अप्रैल 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 06:54 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 10:36 तक
योग : व्याघात रात्रि 09:03 तक
करण : बव प्रातः 06:33 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

माँ गंगा मुझे बुला रही हैं.. के बाद, माँ काली मुझे ऊर्जा दे रही हैं...

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के लिए प्रचार समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के मतदाताओं के नाम एक भावुक पत्र लिखा है। बांग्ला और हिन्दी ˉ दोनों भाषाओं में लिखे गए इस पत्र का ऑडियो संदेश भी पीएम मोदी की आवाज में जारी किया गया है। अपने पत्र में पीएम मोदी ने लिखा है कि पूरे चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें थकान नहीं, बल्कि निरंतर ऊर्जा का अनुभव हुआ और संभवतः मां काली उन्हें नई शक्ति प्रदान कर रही थीं। उन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा और उससे पहले किए गए 11 दिनों के अनुष्ठान का भी उल्लेख किया। पीएम ने लिखा कि इस चुनाव के दौरान उन्हें वही अनुभूति हुई, जैसी किसी देवी मंदिर में दर्शन करते समय होती है।

मां काली और रामलला का उल्लेख अनायास नहीं, टीएमसी के सवालों का जवाब

पीएम मोदी के इस पत्र में मां काली और रामल्ला का उल्लेख अनायास नहीं है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस लंबे समय से भाजपा पर यह सवाल उठाती रही है कि वह पश्चिम बंगाल में 'जय श्री राम' का नारा क्यों लगाती है, जबकि यह राज्य परंपरागत रूप से मां काली की उपासना से जुड़ा हुआ है। पिछले चुनावों के दौरान जय श्री राम के नारे को लेकर सीएम ममता बनर्जी कई बार नाराजगी भी जता चुकी हैं, जिसे बीजेपी ने बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की थी।

राम मंदिर का मुद्दा पश्चिम बंगाल में उस तरह प्रभावी नहीं माना जाता, जैसा उत्तर भारत के राज्यों में। तृणमूल कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से यह आरोप भी लगाए जाते रहे हैं कि बीजेपी राज्य की सांस्कृतिक और धार्मिक जड़ों से कटी हुई पार्टी है, क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर का मुद्दा पश्चिम बंगाल में उस तरह प्रभावी नहीं माना जाता, जैसा उत्तर भारत के राज्यों में। भाजपा के जय श्री राम के नारों और राम नवमी के जुलूसों के जवाब में तृणमूल कांग्रेस ने 'जय मां काली' के नारे और दुर्गा पूजा जैसे सांस्कृतिक उत्सवों पर जोर देना शुरू किया। बाद के चरण में भाजपा ने भी मां काली का जयकारा लगाना शुरू किया और इसे महिला सशक्तिकरण से जोड़ कर प्रस्तुत किया।

आध्यात्मिक राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव का नया अध्याय

इसी पृष्ठभूमि में मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल की जनता को लिखा गया यह पत्र केवल एक चुनावी संदेश नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श में आध्यात्मिक राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव के एक नए अध्याय की तरह देखा जा रहा है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में दिया गया उनका चर्चित कथन ˉ मां गंगा ने मुझे बुलाया है ˉ उत्तर भारत में भावनात्मक असर छोड़ गया था। अब वही भाव बंगाल में 'मां काली मुझे ऊर्जा दे रही हैं' के रूप में दिखाई दे रहा है।

पिछले वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत के बाद इगझ मुख्यालय में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना ˉ गंगा बिहार से बंगाल जाती है ˉ भी इसी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संकेत की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां गंगा और मां काली के उल्लेख को केवल संयोग के रूप में नहीं देखा जा सकता।

चुनावी अभियान की तुलना तीर्थ यात्रा से, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का जिक्र

प्रधानमंत्री के इस पत्र का मूल भाव ऊर्जा और आस्था का संगम है। उन्होंने चुनावी अभियान की तुलना एक तीर्थ यात्रा से की है। शक्ति उपासना और मां काली की भक्ति के लिए विश्वविख्यात बंगाल से आत्मिक जुड़ाव स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री ने इसी सांस्कृतिक सूत्र को आधार बनाया है। उन्होंने साफ लिखा है कि रैलियों और लगातार कार्यक्रमों की थकान के बावजूद जो ऊर्जा उन्हें महसूस हो रही है, वह मां काली का आशीर्वाद है। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा कही जाने वाली शाक्त परंपरा से संवाद स्थापित करने का प्रयास भी है।पत्र में जनवरी 2024 में अयोध्या में हुई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लेख भी एक सोची-समझी राजनीतिक और आध्यात्मिक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने 11 दिनों के उस कठिन अनुष्ठान को बंगाल में मिली अनुभूति से जोड़ते हुए यह संदेश दिया है कि उनके लिए सत्ता का मार्ग भक्ति और तपस्या से होकर गुजरता है।

इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने का मामला

नितेश राणे को सजा

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सरकार में मंत्री और सत्ताधारी पार्टी के एक बड़े नेता को अदालत ने जेल की सजा सुनाई है। यह मामला एक सरकारी अधिकारी के साथ हुए दुर्व्यवहार से जुड़ा है, जिसका वीडियो कुछ साल पहले पूरे देश में वायरल हुआ था। अदालत के इस सख्त फैसले ने यह साफ कर दिया है कि कानून के सामने कोई भी मंत्री या नेता बड़ा नहीं होता है।

नितेश राणे को सजा मिलने की असली वजह

महाराष्ट्र की एक अदालत ने भाजपा के मौजूदा मंत्री नितेश राणे को दोषी करार दिया है। अदालत ने उन्हें 2019 के एक पुराने मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई है। यह मामला राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने से जुड़ा हुआ है। राणे और उनके समर्थकों पर हाईवे की खराब हालत को लेकर इंजीनियर के साथ सरेआम बदसलूकी करने का आरोप था।

कीचड़ कांड में क्या-क्या हुआ था?

साल 2019 में महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण मुंबई-गोवा हाईवे पर बहुत ज्यादा कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढे हो गए थे। इस बात से नाराज होकर नितेश राणे और उनके कुछ कार्यकर्ताओं ने छक्अख के इंजीनियर को पकड़ लिया था। इन लोगों ने

इंजीनियर को एक पुल से बांधने की कोशिश की और उनके ऊपर बाल्टियों से भरकर कीचड़ डाल दिया था। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने सरकारी काम में बाधा डालने और मारपीट का केस दर्ज किया था।

अदालत के इस फैसले के बाद अब आगे क्या होगा?

नितेश राणे वर्तमान में महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं और भाजपा के एक कद्दावर नेता माने जाते हैं। एक महीने की जेल की सजा मिलने के बाद उनकी मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। हालांकि, राणे के पास इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत (हाईकोर्ट) में अपील करने और जमानत मांगने का विकल्प अभी बचा हुआ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या उन्हें ऊपरी अदालत से कोई राहत मिलती है या नहीं।

युवाओं को नशे की लत से दूर रहना चाहिए: पारसा रमेश

बेल्लामपल्ली, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): मंदामारी पुलिस ने आईटीआई कॉलेज में बच्चों की सुरक्षा और नशा खत्म करने को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

सरकार के प्रजापालन - प्रगति प्लान के तहत सोमवार को स्थानीय आईटीआई कॉलेज में बच्चों की सुरक्षा और ड्रग्स को ना कहें विषय पर कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मंदामारी सीई पारसा रमेश ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें ड्रग्स जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर अपना भविष्य सुरक्षित रखना चाहिए।

उन्होंने ड्रग्स के नुकसान, इससे होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं, तथा ड्रग्स के उपयोग/परिवहन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी। साथ ही छात्रों से कहा गया कि किसी भी प्रकार के हैरासमेंट या संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। मुश्किल समय में मदद के लिए डायल-100 या स्थानीय पुलिस से संपर्क करने की भी सलाह दी गई।

बुजुर्ग महिला के नेत्रदान से दो लोगों की ज़िंदगी में रोशनी

बेल्लामपल्ली, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): स्थानीय हनुमान बस्ती निवासी डोली नरसम्मा (103) का बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों को जनहित सेवा समिति की सदस्य डोली सुकुमार ने नेत्रदान के बारे में जानकारी दी। दुख की घड़ी में भी परिवार ने नेत्रदान का निर्णय लिया ताकि दो लोगों की जिंदगी रोशन हो सके।

एल.वी. प्रसाद आई बैंक के स्टाफ सदस्य प्रदीप द्वारा नेत्रों को प्राप्त किया गया।

इस अवसर पर जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष आड़ेपु सतीश ने कहा कि डोली नरसम्मा के परिवार का यह कदम सराहनीय है। उन्होंने बताया कि यह 14वां नेत्रदान कार्यक्रम है। समिति की ओर से लोगों से अपील की गई कि वे मृत्यु के बाद अपनी आंखें, अंग और शरीर को बिना बर्बाद किए दान करें।

नेत्रदान के बाद परिवार के सदस्यों को एल.वी. प्रसाद आई बैंक की ओर से नेत्रदान प्रमाणपत्र दिए गए। जनहित सेवा समिति के सदस्यों ने नेत्रदानकर्ता डोली सुकुमार और पूरे परिवार को धन्यवाद व बधाई दी।

गो सम्मान अभियान के तहत मदनूर में शोभायात्रा आयोजित

मदनूर, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): लक्ष्मी नारायण मंदिर से गो प्रेमियों ने एक विशाल शोभायात्रा निकालकर तहसील कार्यालय परिसर में पहुँचकर गो सम्मान अभियान का प्रदर्शन किया। भारतीय सनातन परंपरा के शिक्षकों, संतों, गौसेवकों और गौप्रेमी जनमानस ने बालसंरक्षण और गौपूजा के संदेश के साथ यह आंदोलन चलाया।

गौ पूजा और गौप्रचार आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति व संविधान के अनुरूप भारतीय गायों के संरक्षण और उनके सम्मान को बढ़ावा देना बताया गया है। आयोजकों का कहना है कि केंद्र सरकार सहित सभी राज्य सरकारें गोपूजा कार्यक्रमों का समर्थन व सम्मान करें और गौहत्या की पूर्ण रोकथाम के लिए ठोस कानूनी-प्रशासनिक कदम उठाएं।

इस दौरान यह मांग की गई कि भारतीय गाय को राष्ट्र माता और पूजनीय देवी के रूप में घोषित किया जाए, घरेलू गायों को भी उचित आदर दिया जाए और इसके लिए एक केंद्रीय कानून व गौसंरक्षण संबंधी सिविल सेवा मंत्रालय की स्थापना की जाए। साथ ही गौ संरक्षण बोर्ड व गौआधारित उत्पादों के व्यापार केंद्रों की स्थापना की मांग की गई।

रजनीश जैन बने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महासचिव

मंचेरियाल, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): भाजपा के युवा नेता रजनीश जैन को तेलंगाना राज्य भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का महासचिव नियुक्त किया गया है।

इस नियुक्ति की घोषणा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जगनमोहन सिंह ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव के साथ की।

रजनीश जैन ने पार्टी के भरोसे पर खरा उतरने और कड़ी मेहनत करते हुए तेलंगाना में संगठन को मजबूत कर सत्ता तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

जिला छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

आसिफाबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): वांकीडी मंडल की दुर्व नंदिनी और मार्सुकोल कविता ने राज्य स्तरीय साउथ ज़ोन चयन प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की हैंडबॉल प्रतियोगिताओं के लिए चयन हासिल किया।

इन दोनों खिलाड़ी छात्राओं का चयन 41वीं साउथ ज़ोन नेशनल हैंडबॉल चैम्पियनशिप के लिए किया गया है, जो 28 से 30 अप्रैल तक वरंगल जिले हनमकोंडा स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी। आदिलाबाद जिला हैंडबॉल एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष गोन श्याम सुंदर राव, महासचिव कनपर्ति रमेश, कोषाध्यक्ष अल्गुवेल्ली रमेश रेड्डी और कोच सुनारकर अरविंद ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। साथ ही जिला स्तर पर डीडी टीडब्ल्यू रमादेवी, एसीएमओ उद्धवय, जीसीडीओ शकुंतला, एटीडीओ चिरंजीवी, स्पोर्ट्स ऑफिसर शेखू सहित सरकारी जूनियर कॉलेज के प्राचार्य एवं स्टाफ ने भी बधाई देकर उम्मीद जताई कि खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर जिले का गौरव बढ़ाएँगी।

प्रजा पालन प्रगति योजना के तहत जिले में 6 दिन जागरूकता अभियान

आसिफाबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): कोमुरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती नितिका पंत, आईपीएस ने बताया कि प्रजा पालन प्रगति योजना के अंतर्गत 27 अप्रैल से 2 मई तक छह दिनों तक जिलेभर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी उन्होंने सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित बैठक में दी।

इस अभियान में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा, मादक पदार्थों की रोकथाम, साइबर अपराधों से बचाव, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम, गुड टच-बैड टच की जानकारी तथा एंटी रैगिंग जैसे विषयों पर समाज को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रमों के तहत शिक्षा विभाग, श्रम विभाग और पंचायत कर्मचारियों के सहयोग से गांवों, सरकारी कार्यालयों, बस स्टैंडों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आयोजन होंगे, वहीं कार्यस्थलों पर महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों को लेकर विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। बैठक में भरोसा केंद्र, शी टीम और एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। साथ ही डीसीआरबी इंस्पेक्टर बुद्धे स्वामी, भरोसा केंद्र की सब-इंस्पेक्टर दिव्या, शी टीम एसआई बिक्कुलाल सहित संबंधित स्टाफ उपस्थित था।

बीआरएस का 26वां गठन दिवस मनाया गया

पेद्दापल्ली, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का 26वां गठन दिवस पेद्दापल्ली चुनाव क्षेत्र के सेंटर में बड़े पैमाने पर मनाया गया। इस अवसर पर पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी ने सरकारी अस्पताल के सामने पार्टी का झंडा फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह दिन सिर्फ कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि तेलंगाना के लोगों की उम्मीदों, संघर्षों और बलिदानों का परिणाम है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के दौरान हुए शहीदों और लोगों के योगदान को याद किया, साथ ही कहा कि राज्य बनने के बाद केसीआर के नेतृत्व में विकास की दिशा में काम हुआ। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना से सूखी जमीन के उपजाऊ होने और गरीबों के लिए वेलफेयर योजनाओं के लाभ से लोगों की ज़िंदगी में बदलाव की बात कही। अंत में उन्होंने पेद्दापल्ली क्षेत्र और पूरे तेलंगाना को 26वें स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम में टाउन प्रेसिडेंट उप्पू राजकुमार, काउंसलर वेन्नम सुजाता रविंदर, नेता पेंचला श्रीधर, तथा अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

गर्मी में प्रजावाणी याचिकाकर्ताओं को राहत: फ्री छाछ बांटी गई

पेद्दापल्ली, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान आने वाले याचिकाकर्ताओं को गर्मी से राहत देने के लिए फ्री छाछ बांटने वाले केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह उद्घाटन जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष, एडिशनल कलेक्टर डी. वेणु और डीसीपी राम रेड्डी की उपस्थिति में किया गया। कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने बताया कि दूर-दराज से अपनी समस्याएं लेकर कलेक्ट्रेट आने वाले लोगों को राहत देने के उद्देश्य से यह सेवा लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जनहितकारी पहल कहा। साथ ही कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिसर में महिला विकास और बाल कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए मिशन वात्सल्य - बाल सुरक्षा सेवाएं स्टॉल का भी उद्घाटन किया। अधिकारियों को बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और अनाथ बच्चों के लिए सरकार की सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में एसीपी जी. कृष्णा, कलेक्ट्रेट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर बी. प्रकाश, सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, कलेक्ट्रेट स्टाफ और महिला एवं बाल कल्याण विभाग के प्रतिनिधि शामिल रहे।

प्रजावाणी दरखास्तों का शीघ्र निपटारा आवश्यक : किरण कुमार

आसिफाबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): सोमवार को समेकित कलेक्टरेट भवन के सभागार में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कलेक्टरेट प्रशासन अधिकारी किरण कुमार ने कहा कि प्राप्त दरखास्तों की क्षेत्रीय स्तर पर जांच कर उनका शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने मौके पर उपस्थित आवेदकों से दरखास्तें भी स्वीकार कीं।

किरण कुमार ने स्पष्ट किया कि प्रजावाणी में आने वाली प्रत्येक समस्या को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

राशि अनुसार चुनें पर्स का कलर

आपका पर्स और आपकी राशि

कभी तिजौरी का घर, दुकान आदि में बड़ा महत्व होता था क्योंकि वही एकमात्र धन को संग्रह करने का स्थान था। समय बीता और तिजौरी का स्थान धीरे-धीरे हटने लगा, परिणामस्वरूप आज तिजौरी बहुत कम यदा-कदा ही मिलती है। वास्तु में भी तिजौरी का वर्णन मिलता है।

पिछले कई वर्षों से पर्स का चलन बढ़ने लगा है और पर्स महिलाओं के हाथ में होना एक फैशन का रूप भी बन गया है। पुरुष वर्ग भी पर्स के बिना धन नहीं रखते। तिजौरी और पर्स में कोई विशेष अंतर नहीं रहा।

आपके पर्स का आकार, रंग आपके पर्स में रखे हुए सामान आपके जीवन में होने वाली छोटी से छोटी घटना के सूचक होते हैं। आइए जानते है इसके लाभ और हानि।

- मेष, सिंह और धनु राशि वाले अपना पर्स लाल या नारंगी रंग का रखें तो लाभ होगा।
- वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों को भूरे रंग का पर्स तथा मटमैले रंग का पर्स बहुत फायदा पहुंचाएगा।
- मिथुन, तुला और कुंभ राशि वाले यदि नीले रंग व सफेद रंग का प्रयोग करते हैं तो मानसिक स्थिति के साथ-साथ धन के आगमन के रास्ते भी खुलेंगे।
- कर्क, वृश्चिक और मीन राशि को तो हमेशा हरा रंग और सफेद रंग का प्रयोग अपने पर्स में करना लाभदायक रहेगा।

धन प्राप्ति जब पाना हो, यह उपाय आजमाए...

अपार धन की प्राप्ति हर मनुष्य की चाहत होती है। लेकिन यह धन आपको सिर्फ चाहने भर से नहीं मिलने वाला। उसके लिए आपको मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है।

आइए कुछ आसान टिप्स अपना कर पाएं मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति और हो जाए धन-दौलत से समृद्ध...

- लाल धागे में सातमुखी रुद्राक्ष गले में धारण करने से धन की प्राप्ति होती है।
- सवा पांच किलो आटा एवं सवा किलो गुड़ लें। दोनों का मिश्रण कर रोटियां बना लें। गुरुवार के दिन सायंकाल गाय को खिलाएं। तीन गुरुवार तक यह कार्य करने से दरिद्रता समाप्त होती है।
- ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नम: । इस मंत्र की कमलगट्टे की माला से प्रतिदिन जप करने से ऋणमुक्ति होती है।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने 11 दिनों तक अखंड ज्योत (तेल का दीपक) प्रज्ज्वलित करें। 11वें दिन 11 कन्या को भोजन कराकर एक सिक्का व मेहंदी दें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्रथम पूज्य श्रीगणेश का महत्व

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं।

समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अत: सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है।

यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है।

हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं।

वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अत: उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है।

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

वास्तुदोष से बचने के कुछ खास उपाय

वास्तुदोष से बचाएंगे ये उपाय...

अगर आप स्थानाभाव की वजह से रसोईघर को स्टोर अथवा भंडारण कक्ष के रूप में इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं, तो ध्यान रखें ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्वी दीवार के पास के स्थान का उपयोग करें। चूल्हा या गैस आग्नेय कोण में ही रखें।

- वास्तुदोष से बचने के लिए ध्यान रखें कि दरवाजे व खिड़कियों की संख्या विषम न होने पाएं। इनकी संख्या सम यानी 2, 4, 6, 8 आदि रखें।
- घर में आंगन मध्य में ऊंचा तथा चारों ओर से नीचा होना चाहिए। यदि आपका आंगन वास्तु के अनुरूप न हो, तो उसे फौरन बताए गए तरीके से पूर्ण करवा लें। ध्यान रखें आंगन मध्य में नीचा व चारों ओर ऊंचा भूलकर भी न रखें।
- कोई भूखंड उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर विस्तृत हो तथा भवन का निर्माण उत्तरी भाग में हुआ हो तथा भूखंड का दक्षिणी भाग खाली पड़ा हो तो वास्तु में यह स्थिति अत्यंत दोषपूर्ण होती है।
- इस दोषपूर्ण स्थिति के चलते भूस्वामी को कष्टों तथा परेशानियों को झेलना पड़ता है। भूस्वामी को व्यापार में तथा कारोबार में हानि होती है। परिवार में तनाव का माहौल बना रहता है।
- इस स्थिति में वास्तु दोष से बचने के लिए भवन के दक्षिण-पश्चिम कोण यानी नैऋत्य कोण में एक आउट हाउस को मुख्य भवन से ऊंचा बनवाएं और उसके फर्श को भी भवन के फर्श से ऊंचा रखें। आउट हाउस के दक्षिण या पश्चिम दिशा में कोई भी द्वार न रखें।
- कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मुख्य द्वार के ठीक सामने अंदर कोई दीवार हो। पर फिर भी उस पर आईना न लगाएं और दीवार पर ऊपर से नीचे तक गहराई का आभास देने वाला कोई प्राकृतिक दृश्य चित्र लगाएं। यह जंगल में दूर-दूर तक दिखाई देने वाली सड़क का चित्र भी हो सकता है।
- मुख्य द्वार के सामने अंदर की तरफ आईना लगाना गलत है। ऐसा करने पर घर के अंदर प्रवेश करने वाली ऊर्जा परावर्तित होकर द्वार से बाहर निकल जाती है।

खांड के खिलौने

एक गृहस्थ खांड के तीन खिलौने लाया जो कि तीन साधुओं की मूर्तियां थीं। संयोगवश उसके यहां तीन अतिथि साधु भोजन करने आए। गृहस्थ ने उन्हें बड़ी श्रद्धा से बिठाया। इतने ही में गृहस्थ का छोटा लड़का आया और वह उन खिलौनों के बारे में पूछने लगा- 'यह क्या है, पिता जी।' गृहस्थ बोला 'यह साधु है।' बालक ने पूछा, 'इनका क्या होगा?' गृहस्थ ने कहा- 'इन्हें खाएंगे।' लड़का बोला, 'कब।' गृहस्थ बोला- 'पहले इन साधुओं को भोजन कराकर हम खाना खा लें, फिर एक-एक तीनों खा लेंगे।'

गृहस्थ तो इस प्रकार अपने बालक को उन खांड के खिलौनों के बारे में बतला रहा था, उधर साधुओं ने समझा कि यह बातचीत उनके बारे में चल रही है। यह समझकर साधु उसके यहां से भागे। गृहस्थ को बड़ा अचरज हुआ। वह उनके पीछे भागा। वे लोग थककर एक जगह रुके, तो गृहस्थ ने उनके भागने का कारण पूछा।

साधुओं ने कहा कि तुम हमें मार डालना चाहते थे, हम तुम्हारी सब बात सुन रहे थे। गृहस्थ ने कहा- 'महाराज मैं तो बालक से खांड के खिलौनों के बारे में बातचीत कर रहा था।'

तब साधुओं की समझ में आया और वे वापस उसके घर गए और भोजन किया। मन की दुर्बलता से लोग ऐसे ही डरे रहते हैं जबकि वास्तविकता कुछ और ही होती है।

फेंगशुई प्रोडक्ट ड्रैगन विंड चाइम

फेंगशुई में विंड चाइम का काफी महत्व है लेकिन 9 रॉड वाले ड्रैगन पर लटके विंड चाइम को और भी ज्यादा महत्ता दी गई है। इसकी 9 रॉड को 9वें सितारे की शक्ति प्रदान करने वाला मानते हैं। विंड चाइम्स को मैजिक बेल्स भी कहते हैं। इसे फेंगशुई के दोषों को दूर करने वाला माना जाता है। ड्रैगन विंड चाइम दो महत्वपूर्ण संदेश देता है। पहला तो यह मधुर ध्वनि के जरिए जीवन में उमंग लाता है और दूसरा यह नकारात्मक 'ची' को भी ऊर्जावान व सकारात्मक 'ची' में तब्दील करता है। इससे इसके धारक को सौभाग्य प्राप्त होता है। विंड चाइम पर ड्रैगन का बना होना शक्ति व सुरक्षा का भी सूचक है। विंड चाइम अधिकतर कॉपर, तांबे, ब्रास और स्टील के बने होते हैं। इन्हें घर के मैटल कॉनर्स में रखा जाता है, जैसे पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा। लकड़ी या बैंबू से बने विंड चाइम को पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा में सेरेमिक विंड चाइम्स रखे जाते हैं, जो प्रेम और रोमांस के लिए बेहतर माने जाते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में विंड चाइम को रखने से ज्ञान में बढ़ोत्तरी और घर के बीचों-बीच इसे रखने से पूरे परिवार का भला और कल्याण होता है। इसलिए धातु के विंड चाइम को रखना इस वर्ष के लिए बेहतर और सुखकारक होगा।

धन कमाने का विशेष महीना कार्तिक

कार्तिक में करें श्रीकृष्ण, तुलसी और लक्ष्मी पूजन

भगवान श्रीकृष्ण को वनस्पतियों में तुलसी, पुण्य क्षेत्रों में द्वारिकापुरी, तिथियों में एकादशी और मासों में कार्तिक विशेष प्रिय है। इसलिए कार्तिक मास को पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। स्नान, दीपदान एवं तुलसी की पूजा विशेष फलदायी है।

इस संदर्भ में स्कंद पुराण में कहा गया है :-

मासनां कार्तिक: श्रेष्ठोदेवानांमधुसूदन: ।
तीर्थ नारायणाख्यंहि त्रितयंदुर्लभंकलौ ।।

अर्थात मासों में कार्तिक, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। स्कंद तथा पद्म पुराण में यह मास धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष को देने वाला बताया गया है।

राधा-दामोदर मास : भविष्य पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण को राधा से कुंज में मिलने आने में विलंब हो गया। तब राधा क्रोधित हो गई और उन्होंने श्रीकृष्ण को लताओं की रस्सी बनाकर बांध दिया। दरअसल माता यशोदा ने कान्हा को किसी पर्व के कारण घर से निकलने नहीं दिया था। जब राधा को वस्तुस्थिति का बोध हुआ तो वे लज्जित हो गईं। उन्होंने क्षमा-याचना कर दामोदर श्रीकृष्ण को बंधनमुक्त कर दिया। इसलिए कार्तिक मास श्रीराधा-दामोदर मास भी कहलाता है।

सावन-भादो की वर्षा के बाद घरों पर छप्पर छवाने, लीपना-पोतना, नए पौधे लगाना और लक्ष्मी पूजा की तैयारी करना आरंभ हो जाता है। दिवाली के आने का आभास कार्तिक मास के लगते ही हो जाता है।

गोपाष्टमी पर गौ की पूजा, आंवला नवमी पर आंवला पूजन, देवउठनी एकादशी और माह की अंतिम तिथि कार्तिक पूर्णिमा है।

इस दौरान उज्जैन के राजाधिराज महाकाल की दो सवारी कार्तिक मास में निकलेगी। चातुर्मास की समाप्ति होगी तो बैकुंठ चतुर्दशी पर हरिहर मिलन भी होगा।

इस माह करवा चौथ, धनतेरस, रूप चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज आदि तीज-त्योहार पड़ेंगे। साथ ही कार्तिक शुक्ल प्रबोधिनी एकादशी पर तुलसी का विवाह किया जाता है। इस दिन तुलसी के पौधे को सजाया-संवारा जाएगा व भगवान शालिग्राम का पूजन होगा।

इसलिए कहा जाता है कि कृष्णप्रियो हि कार्तिक:, कार्तिक: कृष्णवल्लभ: । कार्तिक में तुलसी की पूजा विशेष फलदायी होती है।

कार्तिक में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। इस मास में धन की देवी को प्रसन्न किया जा सकता है। धन से संबंधित विशेष आराधना व उपासना, तंत्र-मंत्र-यंत्र सब इसी माह करना चाहिए।

देवालय, नदी किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में जो दीप लगाता है उसे सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। धन, आयु व आरोग्य की प्राप्ति होती है। अंधकार दूर होकर जीवन प्रकाशमान होता है।

भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। मनुष्य पुण्य का भागी बनता है और उसे लक्ष्मी कृपा प्राप्त होती है।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है करेले का जूस

करेले में कई औषधीय गुण होते हैं, जिसकी वजह से परंपरागत चिकित्सा और आयुर्वेद में इसका काफी इस्तेमाल होता है। हालांकि टेस्ट में कड़वा होने के कारण कई लोगों को ये पसंद नहीं होता, लेकिन करेले का जूस रोज पीने से आप कई स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं। ब्लड शुगर लेवल कम करे झ तीन दिन में एक बार सुबह खाली पेट करेले का जूस पियें, इससे ब्लड ग्लूकोज लेवल कंट्रोल में रहता है। इस जूस में मोमोर्सिडिन और केरेटिन नाम के दो एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को मसल्स तक पहुंचाते हैं। भूख बढ़ाए झ अगर आपको कम भूख लगती है तो मुमकिन है कि आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी रहे, और आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो जाएं। ऐसे में एक ग्लास करेले का जूस पीने से पाचन तंत्र के रस का स्राव होने लगता है, जिससे भूख खुद ब खुद बढ़ जाती है। इसके अलावा करेले के जूस कई अनगिनत फायदे हैं।

फिनलैंड में हैं सबसे कम मरीज

यह छोटा सा और बिना शोर शराबे से धड़कने वाला दिल आखिर इतने बड़े 'अटैक' का शिकार क्यों हो जाता है। भारत में जहां दिल के रोगी सबसे ज्यादा हैं, वहां फिनलैंड एक ऐसा देश है जहां दिल के मरीज सबसे कम हैं। इस संबंध में वहां जब रिसर्च की गई तो इसकी प्रमुख वजह वहां के लोगों के संतुलित खान-पान के तौर पर देखने को मिली। लोगों को भोजन में सावधानी बरतने की जरूरत है।

कान छिदवाने के अनेक फायदे

हिन्दूधर्म ही विश्व का एकमात्र ऐसा धर्म है जिसकी परंपराएं विज्ञान पर आधारित है। कान छिदवाना सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं, आइए कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारणों के बारे में जानते हैं।

मानसिक क्षमता में वृद्धि

वैज्ञानिक दृष्टि के अनुसार कान छिदवाने से व्यक्ति के ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन सही प्रकार से होता है। और ब्रेन में ब्लड का सही तरह से सर्कुलेशन होने से आपकी बौद्धिक योग्यता बढती है। इसीलिए पहले के समय में गुरुकुल में जाने वाले हर विद्यार्थी को कान में छेद करना पड़ता था, जिससे उसकी दिमागी क्षमता में वृद्धि होती थी और विद्यार्थी बेहतर ज्ञान की प्राप्ति करता था।

सही रखें प्रजनन क्षमता

कान में छेद करवाना महिलाओं और पुरुष दोनों के लिए फायदेमंद होता है। क्योंकि कान के बीच की सबसे खास जगह जिसे प्रजनन के लिए जिम्मेदार माना जाता है, न केवल पुरुषों के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि महिलाओं की अनियमित पीरियड्स की समस्या को भी दूर करता है।

पुरुषों के लिए फायदेमंद

ये भी माना जाता है कि कान छिदवाने से व्यक्ति को लकवे की शिकायत कभी नहीं होती, साथ ही ये पुरुषो के अंडकोष को और वीर्य को संचित करने में भी लाभदायक होता है। कान छिदवाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और पुरुषों में ज्यादातर देखी जाने वाली हर्निया की समस्या भी दूर होती है। इसके अलावा व्यक्ति के चेहरे पर चमक और कान्ति आती है और व्यक्ति के रूप में निखार आता है।

आंखों के लिए अच्छा

कान में छेद करवाना आपकी दृष्टि में सुधार करने में मदद करता है। एक्यूपंक्चर के अनुसार, कान के बीच के केंद्रीय बिंदु का संबंध आंखों की रोशनी से होता है। एक्यूपंक्चर में इसी जोड़ पर दबाव डाला जाता है, जिससे आंखों की रोशनी सही रहती है।

कान रखता है स्वस्थ

कान का छेद वाले हिस्से पर दो बहुत जरूरी एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स मौजूद होते हैं, मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। यह प्वाइंट सुनने की क्षमता को सही बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट के अनुसार टिनिटस के लक्षणों से राहत पाने के लिए भी कान छिदवाना बहुत अच्छा रहता है।

पाचन तंत्र को रखता है दुरुस्त

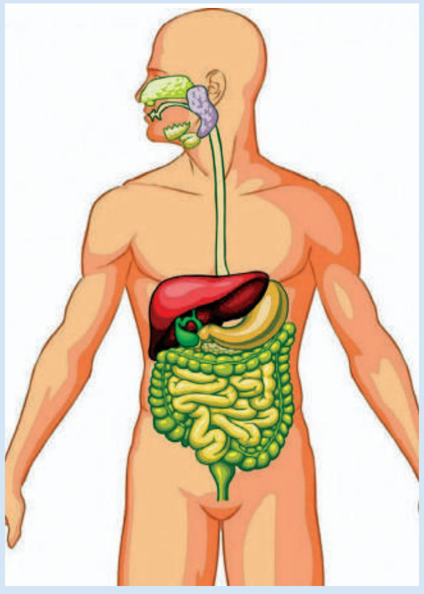

कान छिदवाने का एक बड़ा कारण पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना भी है, क्योंकि इस प्वाइंट पर उत्तेजना से पाचन प्रणाली को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। विशेष रूप से यह प्वाइंट हंगर प्वाइंट का (एक्यूप्रेशर में कहा जाता है) केन्द्र है। हंगर प्वाइंट मानव की पाचन तंत्र की कार्यप्रणाली पर नजर रखने और मोटापे की संभावना को कम करने में मदद करता है।

कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारण

कान छिदवाने की परंपरा भारत में काफी पुरानी है। इसके पीछे कई सारी मान्यताएं और रीति-रिवाज हैं, लेकिन अब इंडिया में ही नहीं और भी कई देशों में भी लोग कान छिदवा रहे हैं। महिलाएं तो कान छिदवाती थीं लेकिन अब फैशन के चक्कर में पुरुष भी इसे अपनाने लगे हैं। कान छिदवाने के पीछे हर किसी के अपने विचार है, कुछ लोग कुछ मानते है कि ये एक्युपंचर का विशेष बिंदु होता है जिसका इस्तेमाल उपचार के महत्व से किया जाता है, वहीं कुछ का मानना हैं कि लोग सिर्फ सौंदर्य कि दृष्टि से ही कानों को छिदवाते है। लेकिन यह सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं।

हर कदम पर जरूरी है सावधानी

एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडीफिशिएंसी वायरस और एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनोडीफिसिएंसी सिंड्रोम। एचआईवी वह वायरस है, जो एड्स के लिए जिम्मेदार है। यह वायरस शरीर की कुछ खास कोशिकाओं पर हमला करके बॉडी के इम्यून सिस्टम को नुकसान पहुंचाकर उसे कमजोर बना देता है। परिणामतः व्यक्ति एड्स और सेक्स संबंधी कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। जब एचआईवी की वजह से किसी व्यक्ति का इम्यून सिस्टम इस कदर कमजोर हो चुका होता है कि उस कमजोरी का फायदा उठाकर उसके शरीर में 25 अलग-अलग तरह के इन्फेक्शन डिवेलप हो जाते हैं, तब एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के अंदर एड्स पूरी तरह से डिवेलप हो चुका होता है। ऐसे में एड्स की जांच करवाना अनिवार्य हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में एचआईवी वायरस की संख्या नियत लेवल से बढ़ती है।

इनसे नहीं फैलता एड्स

एड्स गले लगने, छूने, छींकने, साथ-साथ खेलने, एक ही बर्तन में खाने या बाथरूम या स्विमिंग पूल शेयर करने से नहीं फैलता। मच्छर के काटने से भी इसके फैलने का खतरा नहीं रहता।

टेस्ट पॉजिटिव होने पर

यदि टेस्ट एचआईवी पॉजिटिव बताता है तो रोगी अपनी मदद के लिए मेडिकल हेल्प ले सकते हैं। साथ ही एचआईवी की वजह से होने वाली कई बीमारियों से बच सकते हैं, लेकिन यह सब तभी संभव है जब एचआईवी टेस्ट करवाएं।

जांच में एचआईवी पॉजिटिव होने की जानकारी मिलने के बाद ही रोगी मेडिकल केयर, काउंसलिंग और जरूरत पड़ने पर सबका सहयोग भी पा सकता है।

ध्यान रखें

- कोई अपना जिस पर आपको पूरा यकीन हो, उसे बताना क्योंकि परिवार वालों और दोस्तों का सहयोग काफी मायने रखता है।
- रिजल्ट जानने के लिए कोई खास समय निश्चित करें। इसे टालें नहीं क्योंकि टेस्ट रिजल्ट फायदा तभी पहुंचाता है जबकि जल्द से जल्द इसे जान लें।

एचआईवी टेस्ट के स्टेप्स

डॉक्टर के ऑफिस या फिर क्लीनिक जाएं - नर्स या काउंसलर टेस्ट के बारे में बता सकता है। रोगी सवाल कर सकता है और अपने डर को दूर कर सकता है।

एचआईवी से जुड़े टेस्ट ब्लड में कर लिए जाएं- यदि पहला टेस्ट, जिसे एलीसा कहा जाता है, पॉजिटिव आता है (यह एचआईवी पॉजिटिव की निशानी है) तो एक बार फिर से ब्लड चेक होगा। यदि दूसरी बार भी ब्लड टेस्ट रिजल्ट पॉजिटिव आता है, जो कि वेस्टर्न ब्लॉट कहलाता है, तो वह एड्स है। यह रिजल्ट फिर से क्लीनिक पहुंचता है- इसके बाद नर्स या काउंसलर बताएंगे कि क्या करना है।

पूरी तरह कारगर नहीं दवाएं

एचआईवी से बचाव के लिए अब तक न तो कोई वैक्सीन निकाला जा सका है और न ही अन्य कोई उपाय। हालांकि 'एंटीरेट्रो वायरल्स' जैसी कुछ दवाएं जरूर तैयार की गई हैं जिनसे एचआईवी या सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को कुछ और दिन जीने का मौका दिया जा सकता है। हालांकि ये दवाएं महंगी हैं।

इलाज के बजाय बचाव

वक्त बदल चुका है। एड्स के मरीजों को अब पहले की तरह घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अब इसे कंट्रोल करने के लिए दवाएं उपलब्ध हैं। डॉक्टर के अनुसार बेहतर होगा कि एचआईवी एड्स की चपेट में आने संबंधी सुरक्षा बरती जाए, लेकिन इसके बावजूद यदि इसकी चपेट में कोई आ जाता है तो उसे घबराने की जरूरत नहीं है।

जल्द से जल्द सभी जरूरी जांच कराएं और दवाएं शुरू कर दें। खासतौर से ध्यान रखें कि नियमित रूप से जीवन भर एचआईवी एड्स की दवाएं लेते रहें। इसमें कोताही बिल्कुल भी न बरतें। डॉक्टर अनुसार यूं तो दुनिया भर में कई तरह से इसकी जांच की जाने लगी है, लेकिन हमारे देश में अभी ब्लड टेस्ट का ही मुख्य रूप से उपयोग किया जा रहा है।

एचआईवी टेस्ट है जरूरी

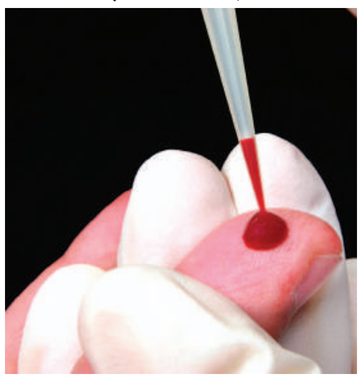

कोई एचआईवी ग्रस्त है या नहीं, जानने का एकमात्र तरीका टेस्ट ही है। खून में मौजूद सीडी4 की संख्या जब 350 से कम हो जाती है तो इसकी जांच कर ली जानी चाहिए। डॉक्टर के अनुसार जितना जरूरी एचआईवी टेस्ट करवाना जरूरी है, उतनी ही जरूरी उससे पहले की काउंसलिंग है। इसके अभाव में मरीज को इस टेस्ट के लिए तैयार करना या फिर इसका रिजल्ट बताना सही नहीं माना जा सकता।

डॉक्टर कहते हैं कि एड्स होने पर घबराएं नहीं, डॉक्टर की हर सलाह पर अमल करें। कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। आज देश के तकरीबन 300 अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में यह जांच मुफ्त में की जा रही है और एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने पर मरीजों को इलाज और दवाएं मुफ्त बांटी जा रही हैं।

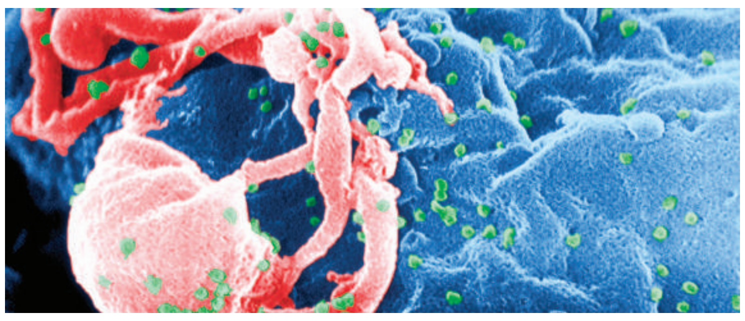

जरूरी है एचआईवी टेस्ट

कोई व्यक्ति एचआईवी ग्रस्त है या नहीं, इसे जानने का एकमात्र तरीका एचआईवी परीक्षण ही है। पूरी तरह से स्वस्थ नजर आने वाला व्यक्ति भी एचआईवी ग्रस्त हो सकता है।

एचआईवी टेस्ट जरूर करवाएं चाहिए

- किसी ऐसे व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाना, जिसके बारे में निश्चित नहीं कि वह एचआईवी एड्स का शिकार है या नहीं।
- यह पता होना कि जिस व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाए गए हैं वह एचआईवी ग्रसित है।
- पहले कभी दोनों में से कोई भी सेक्स से जुड़ी किसी बीमारी के शिकार रहे हों तो भी एचआईवी का खतरा हो सकता है।
- एक से ज्यादा व्यक्तियों से सेक्स संबंध या फिर किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध जिसका संबंध पहले कई व्यक्तियों से रहा हो।
- किसी ऐसे व्यक्ति के साथ फिजिकल रिलेशन, जो दवाएं लेने के लिए सुई का इस्तेमाल करता हो या फिर उसने दवाएं लेने के लिए कभी किसी अन्य की इस्तेमालशुदा की सिरिंज इस्तेमाल की हो।
- इनमें से किसी भी सवाल का जवाब 'हां' है तो एचआईवी एड्स का टेस्ट जरूर करवा लेना चाहिए।

हाई न्यूट्रीशनल डाइट जरूरी

एड्स के मरीजों के लिए मिल्क शेक, मैंगो शेक, बनाना शेक जैसी हाई कैलोरी और अंडा, दालें, पीनट्स, बटर, मीट, मछली, दूध जैसी हाई प्रोटीन न्यूट्रीशनल फूड्स दी जाती है।

- एड्स के वैसे मरीज, जिन्हें भूख नहीं लगती, उन्हें हाई फैट वाली फैटी या फ्राइड चीजें खाने में न दें।
- जिन मरीजों को दस्त की शिकायत रहती है, उन्हें सॉल्युबल फाइबर दे सकते हैं। आलू, केला, फ्रूट जूस, नारियल पानी, इलैक्ट्रोलाइट वगैरह उनके लिए बेहतर डाइट कहा जाता है।

जरूरी यह है कि एचआईवी के जिन मरीजों की दवाएं शुरू कर दी गई हों, उन्हें एक ही बार में पूरी डाइट न दें, बल्कि उन्हें कई बार थोड़ा-थोड़ा करके तरल पदार्थ या खाने को दें।

एचआईवी और सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों के बीच संबंध

- सेक्स से जुड़ी अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए एचआईवी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। वैजिनल, एनल या ओरल सेक्स से भी यह खतरा बना रहता है। इनसे बचने के लिए कंडोम या अन्य सावधानियां बरतना जरूरी है।
- केवल अपने पार्टनर पर भरोसा करके ही एचआईवी से सुरक्षित नहीं रहा जा सकता। एचआईवी से बचने के लिए इसके कारणों के साथ-साथ इसके बढ़ने की वजहों के बारे में विस्तार से जानें और उसे अमल में लाएं।
- अपने पार्टनर के अलावा किसी से भी सेक्स संबंध न बनाएं। इस बात का भी ध्यान रखें कि आपका पार्टनर एचआईवी पॉजिटिव न हो।
- असुरक्षित यौन संबंध और जहां-तहां ब्लड टेस्ट करवाने से बचें। इस्तेमालशुदा सुई दोबारा काम में न लाएं।

एक साल में महिलाएं 47 तो पुरुष रोते हैं 7 बार

रोने के फायदे..नहीं होता ब्लड प्रेशर

हंसने के लिए हम कई तरह के फंडे अपनाते हैं और इसको लेकर कई एक्सरसाइज भ्झी की जाती हैं। कहा जाता है कि हंसने से लंबी उम्र होती है, लेकिन क्या आपको पता है कि रोने से भी ऐसे ही कई फायदे हैं।

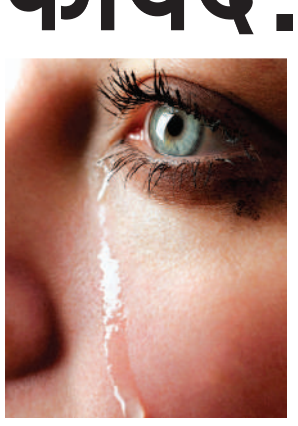

एक शोध में इसका खुलासा हुआ है। रिसर्च में माना गया है कि रोने से हार्ट और ब्लड प्रेशर, कॉर्डियो जैसी खतरनाक बीमारियों की संभावना काफी कम होती है। इसे लेकर कुछ लोगों पर सर्वे भी किया जा चुका है।

आंसू बहाना आंखों की सेहत के लिए जरूरी

रोना आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आंसू निकलने के बाद हमे साफ देखने में मदद मिलती है। दरअसल आंसू आइबॉल और पलकों को ल्यूब्रिकेट करते हैं और म्यूकस झल्ली को सूखने से बचाते हैं।

इतना ही नहीं रोने से किसी भी इंसान का मैगनीज लेवल कम हो जाता है। क्योंकि अगर यह हाई होगा तो चिंता, घबराहट, चिड़चिड़ापन, थकान, मेंटल डिसबैलेंस जैसी प्रॉब्लम्स पैदा हो जाती हैं।

मरते हैं बैक्टीरिया

आंसू एंटी बैक्टीरियल और एंटी वाइरल एजेंट की तरह काम करते हैं। इनमें लाइसोजाइम द्रव पाया जाता है और 90 से 95 प्रतिशत बैक्टीरिया को केवल 5 से 10 मिनट में ही मारने की शक्ति रखता है।

दूर होगी निराशा और चिंता

आंसू चिंता और निराशा को बाहर निकालते हैं। रोने से मन की सफाई हो जाती है। इसके अलावा आंसू स्ट्रेस की वजह से शरीर से निकलने वाले केमिकल को दूर कर देते हैं। आंसू को रोकने से ब्लडप्रेशर, अल्सर और हार्ट का खतरा बढ़ता है।

रोने से कम हो जाता है गुस्सा

- एक शोध के मुताबिक करीब प्रतिशत महिलाओं और 73 प्रतिशत पुरुषों का गुस्सा रोने के बाद कम हुआ ।
- आंकड़ों के मुताबिक महिलाएं एक साल में 47 बार रोती हैं, वहीं पुरुष 7 बार।
- औसत रोने का समय 6 मिनट तक था शोध में ।
- शाम के 7 बजे से 10 बजे तक लोग सबसे ज्यादा रोते हैं।

1 माह पहले वार्निंग देने लगता है हार्ट अटैक

दुनिया में ज्यादातर लोगों की मौत की वजह हार्ट अटैक होती है। कुछ मरीजों को तो हार्ट अटैक के बारे में पता ही नहीं चलता, लेकिन थोड़ी एहतियात बरती जाएं तो दिल के दौरे को टाला जा सकता है। हार्ट अटैक के लक्षण 1 महीने पहले दिखने लग जाते हैं। खासतौर पर बॉडी में जब यह 6 लक्षण नजर आएं तो जरा सावधान रहिए, क्योंकि यह हार्ट अटैक का यह संकेत हो सकते हैं।

बॉडी में ये 6 लक्षण दिखें तो रहें जरा सावधान

ज्यादा थकान हो तो संभलें

बिना किसी वर्क आउट के थकान होना हार्ट अटैक की दस्तक हो सकती है। दिल को ज्यादा मेहनत की जरूरत तब होती है, जब हृदय धमनियां कोलेस्ट्राल के कारण बंद हो जाती है। अच्छी नींद के बाद आलस और थकान का अनुभव हो और दिन में भी नींद आए तो खतरा है।

सीने में जलन तो रहें सतर्क

सीने में दर्द हार्ट अटैक का शिकार बना सकता है। सीने में दबाव या जलन हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सर्दी का बना रहना टेंशन

लंबे समय तक सर्दी बना रहना भी दिल के दौरे की ओर इशारा करता है। सर्दी में कफ के साथ सफेद या गुलाबी रंग का बलगम, फेफड़ों में स्रावित रक्त के कारण हो सकता है।

चक्कर आना भी गंभीर

दिल कमजोर होने से खून का संचार सही से नहीं होता है। ऐसे में दिमाग को आक्सीजन नहीं मिल पाती जिससे चक्कर आने लगते हैं। यह हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार एक गंभीर लक्षण है, जिस पर ध्यान देना चाहिए।

पैरों में सूजन तो है खतरा

दिल को शरीर के अंगों में रक्त पहुंचाने अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे शिराएं फूलती हैं और उनमें सूजन आती है। इसका असर पैर के पंजे, टखने और अन्य हिस्से में में नजर आता है। होंठों की सतह का रंग नीला हो जाता है। यह लक्षण दिखें तो डॉक्टर से मिलें।

रेसिपी

गट्टे की कढ़ी

सामग्री-गट्टों के लिए

- 1 प्याला बेसन
- 1/4 छोटा चम्मच नमक
- 2 चुटकी हींग
- 1/4 छोटा चम्मच अजवाइन
- 2 चुटकी हल्दी
- 2 बड़े चम्मच दही
- 1/2 छोटा चम्मच पिसा धनिया
- 1 छोटा चम्मच अदरक और हरी मिर्च पिसी हुई
- 2 बड़े चम्मच पानी बेसन गूथने के लिए
- 1 छोटा चम्मच तेल बेसन गूथने के लिए
- 1 बड़ा चम्मच तेल गट्टे भूनने के लिए

सामग्री-झोल के लिए

- 1 बड़ा चम्मच बेसन
- 1 प्याला खट्टा दही
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 बड़ा चम्मच तेल/ घी
- 1/2 छोटा चम्मच राई/ सरसों (वैकल्पिक)
- 2 चुटकी हींग
- 1/4 छोटा चम्मच गरम मसाला
- 1 प्याला पानी

गट्टे बनाने की विधि

बेसन को छान लें। पानी को छोड़कर बाकी सभी सामग्री इसमें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए कड़ा आटा गूंथ लें। इस आटे को गीले कपड़े से ढककर 5-10 मिनट के लिए रख दें। आटे को चार हिस्सों में बांटें। हाथ में दो बूंद तेल लगाकर एक हिस्से को हथेलियों के बीच में चिकना करें, और लगभग 4 इंच लंबा और 3/4 इंच गोल बेलन जैसा आकार बनाएं। इसी प्रकार बाकी बचे हुए तीन हिस्सों के भी बनाएं। एक बर्तन में लगभग डेढ़-दो प्याला पानी गरम करें। जब पानी उबलने लगे तो इसमें गट्टों के बेलनाकार टुकड़े डालें और मध्यम आंच पर 8-10 मिनट तक उबालें। उबले हुए गट्टों को पानी से बाहर निकाल लें और पानी को झोल में डालने के लिए अलग रखें। गट्टों के इन टुकड़ों को ठंडा होने दें, फिर इन्हें छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में एक बड़ा चम्मच तेल गरम करें। गट्टों को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक भूनें।

झोल बनाने की विधि

एक कटोरे में बेसन को छान लें। अब इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर डालें और थोड़ा थोड़ा पानी डालते हुए मिलाते जाएं। ध्यान रखें कि घोल में बेसन की गुठली ना पड़ने पाए। खट्टे दही को अच्छे से फेटें। दही को बेसन में मिलाएं। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करे। इसमें जीरा और राई डालें। जब मसाले अच्छे से तड़क जाएं तो हींग और खड़ी लाल मिर्च डालें। मिर्च भुन जाए तो बेसन का घोल और खट्टे दही का घोल डालें। एक उबाल आने तक चलाते रहें, ताकि गुठलियां न पड़ें। उबाल के बाद आंच को धीमा कर दें और कढ़ी को 4-5 मिनट के लिए पकने दें। अगर लगे कि कढ़ी बहुत गाढ़ी है तो थोड़ा और पानी मिलाएं, और फिर पकाएं। कढ़ी में गट्टों को डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गट्टों को 3-4 मिनट तक कढ़ी में पकाएं। गरम मसाला डालें, मिलाएं और आंच बंद कर दें। रोटी या चावल के साथ गरम परोसें।

संपादकीय

हम 'आप' के नहीं

अभी तो आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों ने दलबदल किया है और भाजपा के पाले में चले गए हैं। पंजाब के 50-60 विधायक भी पार्टी नेतृत्व से नाराज और असंतुष्ट हैं। वे 'आप' की बिखरती ईकाई हैं। रपटें ये भी हैं कि भाजपा 'आप' के 3 लोकसभा सांसदों को भी तोडने के मिशन में जुट गई है। यह कोई सामान्य दलबदल अथवा राजनीतिक टूट, बिखरन नहीं है। बेहद अहम राजनीतिक घटना है, जो कमोबेश 'आप' का परिदृश्य बदल सकती है। इस बगावत ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के गुमान को खंडित कर दिया है। केजरीवाल मात्र दो साल के लिए संयोजक बने थे, लेकिन 2018 में पार्टी संविधान में संशोधन कराया गया। अब केजरीवाल हमेशा के लिए पार्टी के 'आलाकमान' हो गए हैं। 'आप' 14 साल पुरानी पार्टी हो गई है। कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक गुट को 'आलाकमान संस्कृति' पसंद नहीं है, नतीजतन बिखराव और टूटन शाश्वत हो गई है। केजरीवाल कहा करते थे कि 'आप' के कार्यकर्ता और नेता इतने मजबूत हैं कि उन्हें कोई भी लालच, पैसा, पद या जांच एजेंसियों का दबाव तोड़ नहीं सकता। उन्हें ऐसे साथियों पर गर्व और गुमान है। राज्यसभा सांसदों की टूट और उनके भाजपा में शामिल होने की घटना ने तमाम धारणाएं खंडित की हैं और सवाल उठाए हैं कि आखिर राघव चड्ढा और संजीव पाठक ने बगावत क्यों की? राघव पेशेवर चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और संजीव पाठक आईआईटी प्रोफेसर थे। वे तो केजरीवाल के 'प्रियतम' में एक थे। उन्हें केजरीवाल ही राजनीति में लाए और संसद के सर्वोच्च सदन तक पहुंचने का मौका दिया। कमोबेश इन दोनों 'आप' नेताओं का अलग होना और अंततः भाजपा में शामिल होना बहुत बड़ा आश्चर्य है। केजरीवाल को आत्ममंथन, आत्मचिंतन करना चाहिए कि ऐसे लोग पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं? इन दोनों नेताओं पर किसी 'दागदार मामले' की छाया तक नहीं है, जो सीबीआई या ईडी की जांच का डर, खौफ हो। शेष सांसद या तो उद्योगपति हैं अथवा हरभजन की तरह पेशेवर हैं। अशोक मित्तल को तो इसी माह राज्यसभा में 'आप' संसदीय दल का उपनेता बनाया गया था। 15 अप्रैल को ईडी ने उनकी 'लवली यूनिवर्सिटी' और अन्य ठिकानों पर छापेमारी की और 24 अप्रैल को वह टूट कर भाजपा की गोद में आ गए। मित्तल यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं। साफ है कि जांच एजेंसियों के प्रभाव और जेल जाने की संभावनाएं अपना काम जरूर करती हैं, लिहाजा नेतागण दलबदल करने को विवश होते हैं। बहरहाल इस टूटन के अंतिम फलितार्थ ऐसे हो सकते हैं कि 'आप' राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो सकती है। सबसे अहम संकट और चुनौती पंजाब में है, क्योंकि वहां विधानसभा चुनाव फरवरी, 2027 में होने हैं। बेशक विधायकों के टूटने की आशंका तो है, लिहाजा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा है। मुख्यमंत्री राष्ट्रपति से मांग करना चाहते हैं कि जो पंजाब विधायकों के वोट से राज्यसभा सांसद चुने गए थे, उन्हें 'अयोग्य' करार दिया जाए। सवाल है कि राष्ट्रपति किसी भी सांसद को 'अयोग्य' कैसे घोषित कर सकते हैं? यह संवैधानिक अधिकार उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति को ही है, जिसकी अपनी एक प्रक्रिया है। 'आप' संसदीय दल के नेता संजय सिंह भी सभापति राधाकृष्णन को पत्र लिख कर सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग करेंगे। यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि भाजपा ने तमाम औपचारिकताएं पहले ही पूरी करवा रखी हैं। इस दलबदल से राज्यसभा में भाजपा के 113 सदस्य हो जाएंगे। सामान्य बहुमत से मात्र 10 सांसद ही कम हैं।

पंजाब के 50-60 विधायक भी पार्टी नेतृत्व से नाराज और असंतुष्ट हैं। वे 'आप' की बिखरती ईकाई हैं। रपटें ये भी हैं कि भाजपा 'आप' के 3 लोकसभा सांसदों को भी तोडने के मिशन में जुट गई है। यह कोई सामान्य दलबदल अथवा राजनीतिक टूट, बिखरन नहीं है। बेहद अहम राजनीतिक घटना है, जो कमोबेश 'आप' का परिदृश्य बदल सकती है। इस बगावत ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के गुमान को खंडित कर दिया है। केजरीवाल मात्र दो साल के लिए संयोजक बने थे, लेकिन 2018 में पार्टी संविधान में संशोधन कराया गया। अब केजरीवाल हमेशा के लिए पार्टी के 'आलाकमान' हो गए हैं। 'आप' 14 साल पुरानी पार्टी हो गई है। कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक गुट को 'आलाकमान संस्कृति' पसंद नहीं है, नतीजतन बिखराव और टूटन शाश्वत हो गई है। केजरीवाल कहा करते थे कि 'आप' के कार्यकर्ता और नेता इतने मजबूत हैं कि उन्हें कोई भी लालच, पैसा, पद या जांच एजेंसियों का दबाव तोड़ नहीं सकता। उन्हें ऐसे साथियों पर गर्व और गुमान है। राज्यसभा सांसदों की टूट और उनके भाजपा में शामिल होने की घटना ने तमाम धारणाएं खंडित की हैं और सवाल उठाए हैं कि आखिर राघव चड्ढा और संजीव पाठक ने बगावत क्यों की? राघव पेशेवर चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और संजीव पाठक आईआईटी प्रोफेसर थे। वे तो केजरीवाल के 'प्रियतम' में एक थे। उन्हें केजरीवाल ही राजनीति में लाए और संसद के सर्वोच्च सदन तक पहुंचने का मौका दिया। कमोबेश इन दोनों 'आप' नेताओं का अलग होना और अंततः भाजपा में शामिल होना बहुत बड़ा आश्चर्य है। केजरीवाल को आत्ममंथन, आत्मचिंतन करना चाहिए कि ऐसे लोग पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं? इन दोनों नेताओं पर किसी 'दागदार मामले' की छाया तक नहीं है, जो सीबीआई या ईडी की जांच का डर, खौफ हो। शेष सांसद या तो उद्योगपति हैं अथवा हरभजन की तरह पेशेवर हैं।

किसानों व कृषि क्षेत्र के समक्ष दिखाई दे रही आसन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति जरूरी है

अब कमजोर मानसून व अल नीनो का जोखिम

भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट की रिपोर्ट में भी इसी तरह का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) में 5 प्रतिशत कम या ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है।

हाल ही में विश्व बैंक के द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों 13 अप्रैल को भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट की रिपोर्ट में भी इसी तरह का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) में 5 प्रतिशत कम या ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है। यद्यपि पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा, तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। साथ ही पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। ऐसे में किसानों व कृषि क्षेत्र के समक्ष दिखाई दे रही आसन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुआयामी रणनीति जरूरी है। गौरतलब है कि नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआई) के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की

खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। अब अल नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। यह महत्वपूर्ण है कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। सीडब्ल्यूसी का कहना है कि इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का 44.71 प्रतिशत है। हाल के महीनों में इसमें तेजी से कमी आई है। प्राकृतिक पुनर्भरण प्रणाली कमजोर होने से भी हालात बिगड़ रहे हैं। वस्तुतः जलाशयों में पर्याप्त पानी 2025 के मॉनसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण है, लेकिन अब इस साल कमजोर मॉनसून की आशंका से पानी का संग्रहित स्टॉक जल्दी खत्म हो सकता है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढक़र लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है और एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभकर दिखाई दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इतना ही नहीं पिछले करीब चार साल तक निर्यात पर नियंत्रण रखने के बाद भारत ने एक बार फिर अप्रैल 2026 से गेहूं के वैश्विक बाजार में वापसी का बड़ा संकेत दिया है। भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान-केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। मिस्र, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, म्यांमार और अफ्रीका के कई देश भारतीय गेहूं में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। ऐसे में इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत के मद्देनजर कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। यद्यपि अभी निर्धारित गेहूं के निर्यात आदेशों की पूर्ति अवश्य की जाए, लेकिन आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। इस बात पर ध्यान देना होगा कि कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। कृषि उत्पादन घटने की आशंका से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। अब कृषि में प्रौद्योगिकी संस्कृति को बढ़ावा देने और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास पर जोर दिया जाना होगा। व्यापक भंडारण अभियान और कृषि-वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार को बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है, अतएव ऐसे में भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढना होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। उम्मीद करें कि ऐसे प्रयासों से इस वर्ष 2026 में किसानों और कृषि क्षेत्र को मुश्किलों से बचाते हुए आम आदमी व अर्थव्यवस्था की चिंताएं भी कम की जा सकेंगी।

देश दुनिया से

उच्च न्यायालय का कर्मचारी हितैषी फैसला

सरकारी सेवा में प्रवेश पाने वाले युवा केवल एक नौकरी नहीं प्राप्त करते, बल्कि वर्षों की कड़ी मेहनत, प्रतियोगी परीक्षाओं की तपस्या, आर्थिक-मानसिक संघर्ष और पूरे परिवार की आशाओं को भी साथ लेकर आते हैं। जब वे लोक सेवा आयोग या चयन आयोग के माध्यम से कठिन परीक्षाएं पार कर चयनित होते हैं, तो उनके मन में एक मजबूत विश्वास जागता है कि अब उनकी सेवा शर्तें स्थिर, न्यायपूर्ण और संवैधानिक संरक्षण के अधीन होंगी। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का हालिया फैसला, जिसमें हिमाचल प्रदेश सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें अधिनियम 2024 को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया, इसी विश्वास की रक्षा का एक मजबूत प्रतीक है। यह निर्णय केवल एक विधेयक को रद्द करने तक सीमित नहीं है। यह राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश देता है कि कर्मचारियों के वैध अधिकारों को वित्तीय दबाव के नाम पर कुचला नहीं जा सकता। खासकर अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों की वरिष्ठता, वार्षिक वेतन वृद्धि, वित्तीय लाभ, पदोन्नति और अन्य सेवा शर्तों को उनकी प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से ही गिनने का सिद्धांत न्यायालय ने फिर से मजबूती से स्थापित किया है। इस फैसले से प्रदेश के हजारों अनुबंध कर्मचारियों और नियमितीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे युवाओं को बड़ी राहत मिली है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024 के शीतकालीन सत्र में यह अधिनियम पारित कराया था, जिसे फरवरी 2025 में राज्यपाल की सहमति भी मिल गई। विधेयक का मुख्य उद्देश्य अनुबंध कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समकक्ष लाभ प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से देने से इनकार करना था। इसके अनुसार वेतन, वरिष्ठता, वृद्धि, पदोन्नति और पेंशन जैसे लाभ केवल नियमितीकरण की तिथि से ही दिए जाते। इससे अनुबंध पर लंबे समय से सेवा दे रहे हजारों कर्मचारियों को न केवल आर्थिक नुकसान होता, बल्कि उनकी वरिष्ठता, पदोन्नति की संभावनाएं और भविष्य के पेंशनरी लाभ भी गंभीर रूप से प्रभावित होते। सरकार का तर्क था कि इससे राज्य पर वित्तीय बोझ कम होगा और नियमित तथा अनुबंध कर्मचारियों के बीच समानता स्थापित होगी। लेकिन कर्मचारी संगठनों ने इसे कर्मचारी-विरोधी रवैया बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम अनुबंध कर्मचारियों की वर्षों की सेवा को नकारने का प्रयास है, जो पहले से ही कम वेतन पर कड़ी मेहनत करते हैं। उच्च न्यायालय ने याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराया और पूरे कानून को रद्द कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि एक बार अदालत द्वारा दिए गए लाभों या स्थापित कानूनी सिद्धांतों को रेट्रोस्पेक्टिव कानून बनाकर निरस्त नहीं किया जा सकता। न्यायाधीशों की खंडपीठ ने जोर दिया कि अनुबंध सेवा को भी प्रारंभिक नियुक्ति मानते हुए वित्तीय लाभ, वरिष्ठता और परिणामी लाभ नियुक्ति की तिथि से ही दिए जाएं। सरकार को इन लाभों को लागू करने की प्रक्रिया तीन माह के भीतर शुरू करने का निर्देश भी दिया गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार और अनुच्छेद 16 सरकारी नौकरियों में अवसर की समानता कर्मचारियों के अधिकारों की मजबूत गारंटी हैं। उच्च न्यायालय ने इस फैसले में पुष्टि की कि राज्य कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को केवल भाषणों और चुनावी घोषणाओं तक सीमित नहीं रख सकता। जब सरकारें वित्तीय संकट का हवाला देकर कर्मचारियों के अधिकारों में कटौती करती हैं, तो न्यायपालिका का हस्तक्षेप संवैधानिक संतुलन बनाए रखने के लिए अनिवार्य हो जाता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रेट्रोस्पेक्टिव कानून के दुरुपयोग को रोकता है। विधायिका कानून बना सकती है, लेकिन न्यायालय के फैसलों को प्रभावहीन बनाने या कर्मचारियों के हक को छीनने के लिए नहीं। इससे लोकतंत्र में शक्ति विभाजन का सिद्धांत और मजबूत होता है। हिमाचल उच्च न्यायालय ने पहले भी कई मामलों में अनुबंध सेवा को गिनने का सिद्धांत स्थापित किया है, जैसे दैनिक वेतनभोगी या अनुबंध कर्मचारियों की नियमितीकरण नीति में प्रारंभिक तिथि से सेवा गिनने के मामले। आज सरकारी नौकरियों में चयनित होने वाले युवा दो मुख्य श्रेणियों में आते हैं। पहली वे जो सीधे लोक सेवा आयोग या चयन आयोग के माध्यम से नियमित रूप से आते हैं। दूसरी वे जो अनुबंध पर शुरुआत करते हैं लेकिन वर्षों तक बिना किसी सुरक्षा के सेवा देते हैं। दोनों ही श्रेणियों में मेहनत समान है। अनुबंध कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना पेंशन और अन्य सुविधाओं के लंबे समय तक काम करते हैं, फिर भी वे शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, राजस्व और अन्य विभागों में शासन व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी की तरह काम करते हैं। यदि उनकी सेवा अवधि को केवल नियमितीकरण की तिथि से गिना जाए, तो यह उनके साथ दोहरा अन्याय होगा- पहले कम वेतन पर काम करवाना, फिर वरिष्ठता और लाभों से वंचित रखना। उच्च न्यायालय का फैसला इस दोहरे मापदंड को अस्वीकार करता है। यह जोर देता है कि यदि प्रारंभिक नियुक्ति नियमों के अनुसार हुई है और सेवा निरंतर रही है, तो पूरी सेवा अवधि वरिष्ठता, वेतन वृद्धि और अन्य लाभों के लिए गिनी जाए। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं से आए कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखना बहुत जरूरी है। वर्षों की तैयारी के बाद नौकरी पाने वाले युवा अगर सेवा शर्तों में अस्थिरता महसूस करते हैं, तो न केवल उनका उत्साह घटता है, बल्कि भ्रष्टाचार और कम कार्यक्षमता जैसी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। कई अध्ययनों और अनुभवों से पता चलता है कि सुरक्षित सेवा शर्तें कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाती हैं और जनसेवा की गुणवत्ता सुधारती हैं। कोई भी राज्य सरकार वित्तीय चुनौतियों से अछूती नहीं है। बढ़ता कर्ज, सीमित संसाधन, बढ़ती जन अपेक्षाएं और केंद्र से मिलने वाले अनुदानों की सीमाएं- ये वास्तविकताएं हैं। लेकिन समाधान कर्मचारियों के अधिकारों में कटौती नहीं हो सकता। कर्मचारी शासन की कार्यक्षमता के केंद्र बिंदु हैं। यदि उनका मनोबल गिरता है, तो प्रशासनिक दक्षता, नीतियों का क्रियान्वयन और अंततः जनसेवा दोनों प्रभावित होती हैं। सरकार को वैकल्पिक रास्ते अपनाने चाहिए। कर्मचारी हित सुरक्षित होने चाहिएं।

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का हालिया फैसला, जिसमें हिमाचल प्रदेश सरकारी कर्मचारी भर्ती एवं सेवा शर्तें अधिनियम 2024 को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया, इसी विश्वास की रक्षा का एक मजबूत प्रतीक है। यह राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश देता है कि कर्मचारियों के वैध अधिकारों को वित्तीय दबाव के नाम पर कुचला नहीं जा सकता। खासकर अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों की वरिष्ठता, वार्षिक वेतन वृद्धि, वित्तीय लाभ, पदोन्नति और अन्य सेवा शर्तों को उनकी प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से ही गिनने का सिद्धांत न्यायालय ने फिर से मजबूती से स्थापित किया है। इस फैसले से प्रदेश के हजारों अनुबंध कर्मचारियों और नियमितीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे युवाओं को बड़ी राहत मिली है।

आप का नज़रिया

हफ्ता गुजारें हिमाचल में

सवाल यह नहीं कि हिमाचल में पर्यटक सबसे अधिक संख्या में कहां जाना चाहते हैं, मगर यह बताने की जरूरत है कि वे अब तक कहां नहीं जा पाए। कुछ सैलानी केवल एक बार आएंगे, कुछ बार-बार आएंगे। कुछ सुबह आएंगे, शाम को लौट जाएंगे और कुछ कहीं सुकून में ठहर जाएंगे। पर्यटन के मार्फत इनसानी रूह का सुकून विकसित हो, तो इस सफर के कई आयाम निकल आएंगे। हिमाचल के संदर्भ में नए दौर के पर्यटन को समझना जरूरी है और सैलानियों को किसी एक गंतव्य की बड़ी खरीद से बचा कर, उन्हें कुछ नया दिखाने की जिद्द होनी चाहिए, ताकि हिमाचल में भीड़ कम, पर्यटकों का ठहराव कहीं ज्यादा बढ़े। इस दृष्टि से हमें पूरी पर्यटन इंडस्ट्री को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यह भी देखना होगा कि किस वय और किस वर्ग में हिमाचल लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। हमारे पास मंदिरों की इतनी श्रृंखला तो है कि आस्था के सारे कदम यहां तक पहुंचें। विडंबना यह है कि मंदिरों का प्रशासन एक रूटीन है, जबकि इन्हें धार्मिक पर्यटन के लहजे में विकसित करना होगा। मंदिर सिर्फ दर्शन नहीं, यात्राओं के समागम, शांति के स्थल, सांस्कृतिक-धार्मिक ऊर्जा के मंच, हिमाचली उत्पादों की पसंद और जीवन की उथल-पुथल से हट कर, चंद रोज का पैकेज बनें। क्या हमने यह जिम्मेदारी पर्यटन विभाग या उसकी योजनाओं को दी। हम ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध, नयनादेवी, बाला सुंदरी या बैजनाथ की यात्रा पर निकले श्रद्धालु को कैसे पांच-सात दिन रोक पाएंगे, इसके ऊपर आधारित योजनाएं बनानी चाहिएं। उदाहरण के लिए चिंतपूर्णी या दियोटसिद्ध की मंदिर परिधि को अगर दस-पंद्रह किलोमीटर के दायरे में एक मास्टर प्लान के तहत विस्तार दें, तो पर्यटकों को लाजिमी तौर पर कुछ दिन बिताने का बहाना मिलेगा। हमारे पर्यटन का स्लोगन होना चाहिए, 'हिमाचल में एक हफ्ता तो गुजारें।' मंदिरों के वार्षिक, धार्मिक व सांस्कृतिक समारोहों को नई अधोसंरचना के तहत निखारें, ताकि ये हिमाचल के कला केंद्र बनें। अगर हर प्रमुख मंदिर के साथ कला केंद्र विकसित करते हुए हम कलाओं, वास्तुकलाओं के साथ कलाकारों के माध्यम से हिमाचल में गीत-संगीत एवं नृत्य को पेश करते हुए, इससे रोजगार पैदा करेंगे, तो पर्यटक ठहराव के बहाने बढ़ जाएंगे। मंदिरों के माध्यम से केवल चंद पुजारियों के हित न देखते हुए, इन्हें एक केंद्रीय ट्रस्ट या मंदिर विकास प्राधिकरण के तहत चलाएं, तो स्थायी रूप से प्रबंधकीय सुधार होंगे। हिमाचल की आबो हवा में ॠतुएं अगर रंग बदलती हैं, तो इनके सदके में पर्यटन को अपनी विशेषताएं ढूंढते हुए सैलानियों के लिए रंग, सरगम और त्योहार सौंपने होंगे। हम हरोली उत्सव में नचा सकते हैं, लेकिन पूरे मेलों को पर्यटन की रेहड़ी पर सजाएं, तो विविधताओं के कई ताज सामने आएंगे। जाहिर है इसके लिए भी मेला विकास प्राधिकरण का गठन करके तमाम छोटे-बड़े मेलों के प्रारूप, सांस्कृतिक महत्त्व, ट्रेड की संभावनाओं और कुश्तियों के अखाड़ों को पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध कर सकते हैं। इस समय हिमाचल में पर्यटन व मेलों के सीजन एक साथ चल रहे हैं, लेकिन क्या दोनों में कोई तालमेल है या मेले पर्यटकों के लायक बने। जाहिर है मेलों के स्थल, स्तर, प्रारूप और आकर्षणों को तराश कर इस महफिल को घुमक्कड़ी का ठहराव बना सकते हैं। पर्यटकों के चार-छह चुनिंदा गंतव्यों को अब नए प्रदर्शन का प्रस्थान केंद्र भी बनाना होगा। इस संदर्भ में एचआरटीसी को अपना पर्यटक विंग बनाते हुए ऐसे रूट बनाने होंगे, जो एक स्थल पर रुके मेहमानों को दूसरे स्थल तक ले जाकर फिर वापस छोड़ सकें। मसलन धर्मशाला में ठहरे पर्यटकों को रोजाना ऐसी बसें या छोटी गाडियों के पैकेज उपलब्ध हों, जो उन्हें पालमपुर, बीड़-बिलिंग ले जाकर शाम को वापस छोड़ दें। इसी तरह बीड़-बिलिंग, डलहौजी, शिमला, मनाली व अन्य पर्यटक स्थलों से विशेष वाहन अन्य स्थानों को जोड़ कर यात्रा पैकेज बनाएं, ताकि रोजाना सैलानी एक नए अनुभव से गुजरें।

हिमाचल के संदर्भ में नए दौर के पर्यटन को समझना जरूरी है और सैलानियों को किसी एक गंतव्य की बड़ी खरीद से बचा कर, उन्हें कुछ नया दिखाने की जिद्द होनी चाहिए, ताकि हिमाचल में भीड़ कम, पर्यटकों का ठहराव कहीं ज्यादा बढ़े। इस दृष्टि से हमें पूरी पर्यटन इंडस्ट्री को कई हिस्सों में बांट कर देखना होगा। यह भी देखना होगा कि किस वय और किस वर्ग में हिमाचल लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। हमारे पास मंदिरों की इतनी श्रृंखला तो है कि आस्था के सारे कदम यहां तक पहुंचें। विडंबना यह है कि मंदिरों का प्रशासन एक रूटीन है, जबकि इन्हें धार्मिक पर्यटन के लहजे में विकसित करना होगा। मंदिर सिर्फ दर्शन नहीं, यात्राओं के समागम, शांति के स्थल, सांस्कृतिक-धार्मिक ऊर्जा के मंच, हिमाचली उत्पादों की पसंद और जीवन की उथल-पुथल से हट कर, चंद रोज का पैकेज बनें। क्या हमने यह जिम्मेदारी पर्यटन विभाग या उसकी योजनाओं को दी। हम ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध, नयनादेवी, बाला सुंदरी या बैजनाथ की यात्रा पर निकले श्रद्धालु को कैसे पांच-सात दिन रोक पाएंगे, इसके ऊपर आधारित योजनाएं बनानी चाहिएं। उदाहरण के लिए चिंतपूर्णी या दियोटसिद्ध की मंदिर परिधि को अगर दस-पंद्रह किलोमीटर के दायरे में एक मास्टर प्लान के तहत विस्तार दें, तो पर्यटकों को लाजिमी तौर पर कुछ दिन बिताने का बहाना मिलेगा।

कुछ अलग

निर्मल असो स्वतंत्र लेखक

जूते की धूलअचानक सरकार को लगा कि सचिवालय में आने वाले लोगों के जूते माहौल खराब कर रहे हैं। दरअसल वहां बिछी हुई टाइलें घिसने लगी थीं। विपक्ष ने कहा टाइलें घटिया सामग्री से बनी थीं, इसलिए घिस रही हैं। जरूर ठेकेदार ने सचिवालय की टाइलों में भ्रष्टाचार किया है। उधर सरकार की सारी मशीनरी का आने वालों के जूतों पर शक बढ़ गया, 'ये जनता के जूते हैं, एक बार हिम्मत से चलें तो कुछ भी कर सकते हैं।' बावजूद इसके सरकार जनता को जूते उतार कर सचिवालय आने का कोई सीधा निर्देश नहीं दे पा रही थी, फिर भी जांच के निर्देश देकर यह पता लगाने की कोशिश शुरू हुई कि जनता आजकल कैसे-कैसे जूते पहनने लगी है। नतीजे कमाल के थे। पाया गया कि सचिवालय के लिए सबसे कम हानिकारक हैं खुद घिसे हुए जूते। घिसे हुए जूतों की कीलें घिस चुकी होती हैं। आम तौर पर फरियादियों के जूते घिसे होते हैं। जो कर्मचारी बार-बार ट्रांसफर रुकवाने के माहिर होते हैं, वे घिसे हुए जूतों से ही सचिवालय तक पहुंचते हैं। पहले पत्रकार भी पैदल चल-चल कर, घिसे हुए जूतों से सचिवालय आते थे, लेकिन अब मंत्रियों की गाडियों में आने के कारण ऐसा संभव ही नहीं कि घिसे जूते में किसी को पत्रकार माना जाए। हैरानी यह थी कि विपक्ष के जूते भी घिसे हुए पाए गए, लेकिन सबसे अधिक चमक रहे थे सरकार के सलाहकारों, ब्यूरोक्रेट्स और अधिकारियों के जूते। सचिवालय कर्मियों के जूते मजबूती में सबसे ऊपर थे। जांच का निष्कर्ष यही था कि मजबूत, चमकदार और सख्त जूतों के नीचे सबसे अधिक ताकत होती है, इसलिए इनकी चाल से टाइलें बार-बार घिसती हैं।

दृष्टि कोण

आखिर दुनिया का "थानेदार" ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

आखिर दुनिया का "थानेदार" कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक और हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के "असुरक्षित" दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है। पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है- चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की। दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव—ये सब किसी भी नेता को "रक्षात्मक" या असुरक्षित दिखा सकते हैं। तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क—कभी-कभी असुरक्षित—दिख सकता है। चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की "थानेदार" वाली स्थिति

पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। ट्रंप की राजनीति में "हम बनाम वे" का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं—चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक—ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी "असुरक्षा" का आभास होता है। अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं। सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है। आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है। नौवां, अपराध का "केंद्रित" होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। ।इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक। दसवां,, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया "खतरे" को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। "भय अर्थव्यवस्था" भी एक फैक्टर है। ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा "प्रतिक्रियावादी" है, "सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक" कम। बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव—ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

आईपीएल 2026 :रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर, अभिषेक शर्मा के सिर सजी आरेंज कैप

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में 26 अप्रैल का दिन गेंदबाजों के नाम रहा, जहां दो मुकाबलों में कुल 26 विकेट गिरे, जिसमें सुपर ओवर भी शामिल रहा। इस प्रदर्शन के बाद पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

कगिसो रबाडा ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट झटके और अपनी टीम गुजरात टाइटंस को आठ विकेट से जीत दिलाई। चेन्नई की पिच पर मौजूद नमी ने तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त मदद दी, जिसका रबाडा ने पूरा फायदा उठाया। तेज रफ्तार और अतिरिक्त उछाल के साथ उन्होंने बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। इस प्रदर्शन के साथ रबाडा अब आठ मैचों में 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं शीर्ष स्थान पर अंशुल कंबोज और ईशान मलिंगा 14-14 विकेट के साथ बने हुए हैं।

आरेंज कैप में बड़ा उलटफेर - बल्लेबाजी की बात करें तो एक ही दिन में आरेंज कैप की दौड़ पूरी तरह बदल गई। विराट कोहली 24 घंटे के भीतर पहले स्थान से खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली में खेले गए मुकाबले में केएल राहुल ने नाबाद 152 रन बनाकर बीस ओवर प्रारूप में किसी भारतीय का सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया और 357 रन के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हालांकि, जयपुर में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों में 103 रन की पारी खेलते हुए राहुल के बराबर 357 रन बना लिए और बेहतर प्रहार दर के आधार पर आरेंज कैप अपने नाम कर ली। इसके कुछ ही देर बाद अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन की पारी खेलते हुए 380 रन के साथ बल्लेबाजी सूची में पहला स्थान हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा 380 रन के साथ पहले स्थान पर हैं।=वैभव सूर्यवंशी और केएल राहुल 357-357 रन के साथ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। हेनरिक क्लासेन 349 रन के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि शुभमन गिल (330 रन) और विराट कोहली (328 रन) क्रमश: उनके पीछे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

प्लेआफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं, सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेआफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेआफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नाकआउट दौर का टिकट मिलना तय है। वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रायल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेआफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेआफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेआफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है।

दासगुप्ता ने की प्रभसिमरन की प्रशंसा, बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं मिल रहा श्रेय

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने पंजाब किंग्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। दासगुप्ता के अनुसार प्रभसिमरन ने पिछले सत्र में भी काफी रन बनाये थे और इस सत्र में भी उन्होंने उस सिलसिले को बरकरार रखा है। दीप ने कहा कि इसके बाद भी जितनी सराहना इस बल्लेबाज को मिलनी चाहिये थे। वह नहीं मिल रही है जबकि अन्य बल्लेबाजों की काफी चर्चाएं हो रही है। उन्होंने कहा कि, हम इस खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते, जितनी करनी चाहिए। उन्होंने प्रभसिमरन की निरंतरता पर जोर देते हुए बताया कि पिछले सत्र के बाद भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और इस साल भी वह लगातार रन बना रहे हैं, फिर भी उनपर किसी का ध्यान नहीं जाता है। दासगुप्ता ने प्रभसिमरन की विकेटकीपिंग की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह अपना काम काफी सतर्कता से करते हैं और किसी को चिन्ता करने की जरुरत नहीं रहती हैं।

रियान पराग के बचाव में उतरे बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, टीम प्रबंधन से भी मिल रहा समर्थन

जयपुर। राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग का अब तक आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तान के तौर पर तो वह सफल रहे हैं और रायल्स अंकतालिक में शीर्ष पांच में बनी हुई है पर बल्लेबाज के तौर पर पराग एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक 8 पारियों में केवल 88 रन ही बना पाये हैं। इसके बाद भी टीम प्रबंधन से उनको पूरा समर्थन मिल रहा है। टीम प्रबंधन ही नहीं कोचिंग स्टाफ का भी मानना है कि पराग समय के साथ ही रन बना लेंगे। टीम उनकी बल्लेबाजी को लेकर परेशान नहीं है। टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पराग का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही दिशा में प्रसास कर रहे हैं। राठौर ने कहा, उनके साथ कुछ भी गडबड़ी नहीं है। वह नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी ऐसा दौर आता है जब रन नहीं बनते, पर यह खेल का हिस्सा है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं ज्यादा उनके रवैये और टीम के प्रति समर्पण को महत्व दे रहा है। टीम का मानना है कि पराग में लंबी पारी खेलनी की पूरी क्षमता है वह वह समय आने पर रन बना लेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं है।

आरसीबी ने हासिल की आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत, 81 गेंद रहते दिल्ली कैपिटल्स को दी मात

नयी दिल्ली: आईपीएल 2026 के 39वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आसानी से अपने नाम कर लिया। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस मैच को 81 गेंद रहते 9 विकेट से जीता। आरसीबी के गेंदबाजों ने दिल्ली कैपिटल्स की पारी को सिर्फ 75 रनों पर समेट दिया। इसके बाद आरसीबी ने विस्फोटक बैटिंग करते हुए मैच को 7वें ओवर में ही जीत लिया।

आईपीएल में गेंद बाकी रहते सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के नाम है। टीम ने 2008 सीजन में केकेआर को 87 गेंद बाकी रहते हराया था। आरसीबी की टीम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गई है। आईपीएल से बाहर हो चुकी कोच्चि टस्कर्स केरला ने 2011 में राजस्थान रॉयल्स को 76 गेंद रहते हराया था।

जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ 2.5 ओवरों में 26 रन की साझेदारी की। बेथेल 11 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने कोहली के साथ 22 गेंदों में 51 रन की अटूट साझेदारी करते हुए आरसीबी की टीम को आसान जीत दिलाई। कोहली 15 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 23 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पड्डिकल ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 34 रन की नाबाद पारी खेली। डीसी की तरफ से एकमात्र सफलता काइल जेमीसन के हाथ लगी। अपनी पारी के दौरान विराट कोहली ने आईपीएल में 9000 रन भी पूरे कर लिए।

दिल्ली कैपिटल्स की बैटिंग चली ही नहीं

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी दिल्ली कैपिटल्स महज 16.3 ओवर ही खेल सकी। मैच की दूसरी गेंद पर साहिल परख के रूप में पहला झटका लगा। साहिल अपने आईपीएल करियर के पहले मैच में खाता तक नहीं खोल सके। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। दिल्ली कैपिटल्स ने 8 के स्कोर तक 6 विकेट खो दिए थे। इसके बाद डेविड मिलर ने अभिषेक पोरेल के साथ सातवें विकेट के लिए 31 गेंदों में 35 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। 9वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिलर आउट हो गए। उन्होंने 18 गेंदों में 3 चौकों के साथ 19 रन की पारी खेली, इस बीच धूलभरी आंधी शुरू हो गई और कुछ मिनटों के लिए मैच रोकना पड़ा। हालांकि, सभी खिलाड़ी मैदान पर ही डटे रहे। फिर खेल शुरू हुआ तो अभिषेक ने मोर्चा संभालते हुए 33 गेंदों में 30 रन जुटाए। उनके अलावा, काइल जेमीसन ने 12 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। आरसीबी की तरफ से जोश हेजलवुड ने 12 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट निकाले। रासिख सलाम डार, सुयश शर्मा और क्रुणाल पांड्या ने 1-1 विकेट हासिल किया।

खराब फार्म के बावजूद निकोलस पूरन पर भरोसा सही : जस्टिन लैंगर

लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवीं हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने सुपर ओवर में निकोलस पूरन को भेजने के फैसले का बचाव किया है।

कोलकाता के खिलाफ सुपर ओवर में नाकामी के बाद भी कोच ने पूरन का किया बचाव, बोले—बड़े खिलाड़ियों पर भरोसा जरूरी

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में पूरन सुपर ओवर में सुनील नरेन का सामना करने उतरे, लेकिन पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मैच के बाद लैंगर ने कहा, हमें पता था कि गेंदबाजी सुनील नरेन करेंगे। पूरन ने दुनिया में सबसे ज्यादा बार उनका सामना किया है, इसलिए हमें लगा कि वही सबसे बेहतर विकल्प हैं। भले ही वह इस समय फार्म में नहीं हैं, लेकिन बड़े खिलाड़ियों पर भरोसा करना पड़ता है। उन्होंने यह भी माना कि पूरन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। यह दिखाता है कि बड़े खिलाड़ी भी इंसान होते हैं। आत्मविश्वास प्रदर्शन से ही आता है। लैंगर ने हार के लिए पिच को सही तरीके से न समझ पाने को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि काली मिट्टी की पिच धीमी थी और उस पर गेंद ज्यादा घूम रही थी, लेकिन टीम खुद को उसके अनुसार ढाल नहीं पाई। तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके। लैंगर ने उनकी जमकर तारीफ की और कहा कि वह जल्द ही भारत के लिए खेल सकते हैं। साथ ही मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव के प्रदर्शन की भी सराहना की गई, लेकिन आखिरी दो ओवरों में ज्यादा रन देना टीम को भारी पड़ गया। लगातार हार के कारण लखनऊ की टीम दबाव में है। टीम प्रबंधन का मानना है कि परिस्थितियों के अनुसार बेहतर तालमेल बैठाकर ही जीत की राह पर वापसी संभव है।

यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल

लंदन में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में भाग लेती हुई आर्सेनल और ओ एल लयोंस की खिलाड़ी।

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रायल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे।

कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शाट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था। कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की भी पिटाई की थी।

कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं। कैफ ने कहा , वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

मुम्बई

आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है।

स्पैनिश फुटबाल में बवाल! गोलकीपर ने विरोधी खिलाड़ी के मुंह पर मारा मुक्का, मैदान में जमकर चले लात-घूंसे

नई दिल्ली। स्पेन की सेगुंडा डिविजन में रियल जारगोजा और एसडी ह्यूएस्का के बीच खेले गए मुकाबले में उस समय बड़ा बवाल मच गया जब गोलकीपर एस्तेबान आंद्रादा ने विरोधी खिलाड़ी को मुक्का मार दिया। यह मैच पहले से ही रेलेगेशन की लड़ाई के कारण तनावपूर्ण था। रेड कार्ड के बाद बढ़ा विवाद मैच के इंजरी टाइम में आंद्रादा को दूसरे पीले कार्ड के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने ह्यूएस्का के एक खिलाड़ी को धक्का दिया था, जिसके बाद रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। लेकिन इसके बाद मामला और बिगड़ गया। रेड कार्ड मिलने के कुछ ही पलों बाद आंद्रादा ने दौड़कर जार्जे पुलिदो के चेहरे पर मुक्का जड़ दिया। मैदान पर मारपीट, कई खिलाड़ी बाहर घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई और मैदान पूरी तरह से जंग का मैदान बन गया। इस दौरान दानी जिमिनेज और दानी तासेंदे को भी रेड कार्ड दिखाया गया। अरागोनीज डर्बी के नाम से मशहूर इस मुकाबले में खिलाड़ियों का गुस्सा साफ दिखाई दिया। मैच का नतीजा भी छूटा पीछे इस पूरे विवाद के बीच मैच का नतीजा कहीं पीछे छूट गया। आस्कर सिएल्वा के पेनल्टी गोल की बदौलत ह्यूएस्का ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने पाइंट्स टेबल में जरागोजा को पीछे छोड़ दिया, हालांकि दोनों टीमें अभी भी रेलेगेशन जोन में हैं। आंद्रादा ने मांगी माफी मैच के बाद आंद्रादा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा, मैं अपना ध्यान खो बैठा था और जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं और जो भी सजा मिलेगी, उसे स्वीकार करूंगा।

हिंदुस्तान जिंक का विस्तार कार्यक्रम : वैश्विक जिंक उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने तैयारी

कंपनी 50-60 करोड़ डालर के पूंजीगत व्यय से 3-4 साल में उत्पादन दोगुना करेगी

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती इनपुट लागतों के बावजूद, हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के लिए कमर कस रहा है। कंपनी अगले 3 से 4 वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करने के लिए 50 से 60 करोड़ डालर का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम तैयार कर रही है। इसका प्राथमिक लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक बनना और चांदी व महत्वपूर्ण खनिजों के कारोबार का विस्तार करना है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति से इस साल जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डालर का इजाफा होने की आशंका है। यह जानकारी हिंदुस्तान जिंक के एक मुख्य अधिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में दी। अधिकारी के अनुसार कंपनी का लक्ष्य वर्तमान 10 लाख टन धातु उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक पहुंचाना है। इस विस्तार के साथ अकेले जिंक का उत्पादन लगभग 8 लाख टन से बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगा, जिससे हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक कंपनी बन जाएगी। कंपनी अधिक दक्षता वाली आधुनिक इकाइयां भी स्थापित कर रही है, जो उत्पादन लागत को कम करने में सहायक होंगी। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी वर्तमान 70 फीसदी से बढ़ाकर 80-90 फीसदी तक ले जाने की योजना है। कालांतर में निवेशक कंपनी से 1,200 से 1,500 टन के बीच चांदी उत्पादन की उम्मीद कर सकते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के कारण बढ़ती इनपुट लागत इस साल कंपनी के लिए एक चुनौती पेश कर रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की लड़ाई की वजह से जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डालर का इजाफा हो सकता है। वित्त वर्ष 2027 के दौरान, कंपनी ने जिंक लागत 975 से 1,000 डालर प्रति टन रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें यह जोखिम प्रीमियम शामिल है। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हुए उत्पादन नुकसान का भी जिक्र किया, जो नए आर6 रोस्टर की स्थापना में देरी के कारण हुआ था। इस देरी से उत्पादन प्रभावित हुआ, क्योंकि पुराने रोस्टर बंद होने वाले थे और नया तैयार नहीं था। हालांकि, दूसरी छमाही तक आर6 के सफलतापूर्वक चालू होने से कंपनी ने रिकार्ड उत्पादन दर्ज किया।

न्यूज ब्रीफ

नई कंट्रीमैन सी के लिए देशभर में प्री-बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। अपनी नई कंट्रीमैन सी के लिए मिनी इंडिया ने देशभर में प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी अधिकृत शोरूम पर जाकर या उनसे संपर्क करके इस एसयूवी को बुक कर सकते हैं। यह मॉडल बीएमडब्ल्यू ग्रुप के चेन्नई स्थित प्लांट में असेंबल किया जाएगा, जिससे यह फुली इंपोर्टेड मॉडल्स की तुलना में काफी किफायती होने की उम्मीद है। कंट्रीमैन सी मिनी के भारतीय लाइनअप में पेट्रोल से चलने वाले वाहनों में एक अधिक सुलभ विकल्प के तौर पर उपलब्ध होगी। इसे परफॉर्मेंस-केंद्रित मिनी जेसीडब्ल्यू कंट्रीमैन ऑल4 से नीचे की श्रेणी में रखा जाएगा और यह कंट्रीमैन ई तथा एसई ऑल4 जैसे इलेक्ट्रिक वेरिएंट के साथ ब्रांड की पेशकश को मजबूत करेगी। इस कदम से मिनी अब भारतीय खरीदारों के लिए पेट्रोल और इलेक्ट्रिक दोनों विकल्पों का एक व्यापक मिश्रण प्रदान करेगी। डिजाइन की बात करें तो, नई कंट्रीमैन सी में मिनी की ट्रेडमार्क स्टाइलिंग बरकरार रहने की संभावना है, जिसमें गोलाकार आकार के साथ आधुनिक लुक और कुछ हद तक मजबूत (रफ एंड टफ) तत्व भी शामिल हैं। यह एसयूवी पिछले मॉडलों की तुलना में अधिक जगह और आराम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो इसे शहर के उपयोग और लंबी यात्रा दोनों के लिए उपयुक्त बनाती है। इंटीरियर में लगभग 9.4 इंच का राउंड ओएलईडी टचस्क्रीन, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा और कई एयरबैग्स जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

एमजी मैजेस्टर से मिलेगी फॉर्च्यूनर को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। एमजी कंपनी ने अपनी एमजी मैजेस्टर की कीमतों की घोषणा 27 अप्रैल को करने की पुष्टि कर दी है। लॉन्च के समय यह शार्प और सैवी नामक दो ट्रिम्स में उपलब्ध होगी, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 35 लाख रुपये से 45 लाख रुपये के बीच रहने का अनुमान है। मैजेस्टर, एमजी की नई फ्लैगशिप आईसीई एसयूवी होगी जो ग्लॉस्टर की जगह लेगी। यह एसयूवी भारतीय बाजार में टोयोटा फॉर्च्यूनर, फॉक्सवैगन टायरोन आर-लाइन और स्कोडा कोडिएक जैसी दमदार एसयूवी को कड़ी टक्कर देगी। मैजेस्टर में एक शक्तिशाली 2.0 लीटर का ट्विन-टर्बो डीजल इंजन लगा है, जो 215 हॉर्सपावर की शक्ति और 478.5 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसमें 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और लो रेंज वाला फोर-व्हील ड्राइव सिस्टम दिया गया है, जो इसे शहरी और ऑफ-रोड दोनों तरह की ड्राइविंग के लिए आदर्श बनाता है। यह कई टेरेन मोड्स जैसे स्नो, सैंड, मड, रॉक और नॉर्मल से लैस है, साथ ही बेहतर कंट्रोल के लिए इसमें तीन लॉकिंग डिफरेंशियल भी दिए गए हैं। इसका डिजाइन बॉक्सी और आक्रामक है, जिसमें एक बड़ी फ्रंट ग्रिल, वर्टिकल एलईडी हेडलाइट्स और 19 इंच के अलॉय व्हील्स शामिल हैं। बॉडी क्लैडिंग और साइड स्टेप्स इसे एक दमदार लुक देते हैं। इंटीरियर में ब्लैक और सिल्वर थीम वाला प्रीमियम केबिन है, जिसमें इन्फोटेनमेंट और ड्राइवर डिस्प्ले के लिए दो 12.4 इंच की स्क्रीन मिलती हैं। सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग स्टैंडर्ड हैं, साथ ही लेवल 2 अडास, 360-डिग्री कैमरा, हिल होल्ड और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे आधुनिक फीचर भी मौजूद हैं।

अरविंदो फार्मा बायबैक : निवेशकों के पास सिर्फ 2 दिन शेष, पाएं बाजार से बेहतर दाम

मुंबई। फार्मा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अरविंदो फार्मा के 800 करोड़ रुपए के शेयर बायबैक में हिस्सा लेने के लिए योग्य निवेशकों के पास अब केवल दो दिन शेष हैं। यह टेंडर ऑफर 29 अप्रैल 2026 को बंद हो रहा है, जिसमें कंपनी मौजूदा बाजार भाव से 4.31 फीसदी अधिक दाम पर शेयर वापस खरीद रही है, जो निवेशकों के लिए लाभ कमाने का एक अहम अवसर है। अरविंदो फार्मा 1,475 रुपये प्रति शेयर के भाव पर करीब 54.23 लाख इक्विटी शेयर वापस खरीद रही है। यह टेंडर ऑफर 23 अप्रैल को शुरू हुआ था और 29 अप्रैल को बंद हो जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए 17 अप्रैल को रिकॉर्ड डेट तय की गई थी, यानी उस दिन तक कंपनी के शेयर रखने वाले निवेशक ही इस बायबैक के लिए पात्र हैं। निवेशकों को मिल रहा 1,475 रुपये प्रति शेयर का यह भाव 24 अप्रैल को बंद हुए 1,414 रुपये के बाजार भाव से लगभग 4.31 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने योग्य शेयरधारकों को लेटर ऑफ ऑफर 21 अप्रैल को ईमेल के जरिए भेजा था। टेंडर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है, और इस पूरी प्रक्रिया का सेटलमेंट 7 मई 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। जिन निवेशकों के पास रिकॉर्ड डेट पर शेयर थे, उनके लिए यह अपने शेयरों को ऊंचे दाम पर बेचने का अंतिम मौका है।

मेटा व माइक्रोसाफ्ट करेगी कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियां मेटा और माइक्रोसाफ्ट अपने हजारों आईटी कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि एआई में इन कंपनियों के भारी निवेश के कारण ही हजारों आईटी नौकरियों में कटौती की जा रही है। कंपनी मेटा ने अपने कर्मचारियों को एक आंतरिक मेमो, जिसे इटरनल मेमो कहा जा रहा है, के माध्यम से सूचित किया है कि कंपनी अपनी कुल कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत, यानी 8,000 नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है। यह छंटनी प्रक्रिया 20 मई से शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी के मुखिया मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व में चल रहे इस व्यापक पुनर्गठन अभियान के तहत लगभग 6,000 रिक्त पदों को भी नहीं भरने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह, प्रौद्योगिकी क्षेत्र की एक और दिग्गज कंपनी माइक्रोसाफ्ट ने भी अपने अमेरिकी कर्मचारियों के एक बड़े हिस्से को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव दिया है।

कई रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका में लगभग 7 प्रतिशत कर्मचारी इस कार्यक्रम के लिए योग्य हैं, जिससे मौजूदा कर्मचारियों की संख्या के आधार पर करीब 8,750 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। यह महत्वपूर्ण पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब ये दोनों कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और उससे संबंधित तकनीकों, विशेष रूप से डेटा सेंटर पर अपने खर्च में लगातार बढ़ोतरी कर रही हैं। माइक्रोसाफ्ट अपने वैश्विक डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, और हाल ही में जापान और आस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में एआई से संबंधित बड़े निवेश की घोषणा की है। वहीं, मेटा ने भी इस वर्ष रिकार्ड पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है और हाल के महीनों में प्रमुख एआई भागीदारों के साथ कई अरबों डालर के रणनीतिक सौदे किए हैं।

पिछले दो वर्षों में, दोनों कंपनियों ने एआई में बढ़ते निवेश के साथ अपनी लागत संरचनाओं को समायोजित करने के लिए कई चरणों में कर्मचारियों की छंटनी की है। मेटा की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी जेनेल गेल ने अपने आंतरिक मेमो में इस कदम को दक्षता उपायों और निवेश संतुलन से जोड़ा है। उन्होंने कहा, हम कंपनी को अधिक कुशलता से चलाने और अपने अन्य निवेशों की भरपाई करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत ऐसा कर रहे हैं। माइक्रोसाफ्ट की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने भी कर्मचारियों को भेजे एक मेमो में बताया कि कंपनी बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप ढलने के लिए तेजी से कदम उठा रही है। उन्होंने जोर दिया, इस गति को बनाए रखने के लिए हमें उत्कृष्ट कार्य करने, अपने प्रबंधकों पर भरोसा करने और उन्हें सशक्त बनाने, और सभी का समर्थन करने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

ऊर्जा कारोबार की चुनौतियों से रिलायंस के नतीजे कमजोर

नई दिल्ली। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के मार्च तिमाही के नतीजे ऊर्जा कारोबार में आई मुश्किलों के चलते ब्रोकरेज उम्मीदों से कमजोर रहे। इसके आयल-टु-केमिकल्स (ओ2सी) और एक्सप्लोरेशन सेगमेंट में उत्पादन और बिक्री कई तिमाहियों के निचले स्तर पर पहुंच गई, जिससे कुल परिचालन मुनाफे पर असर पड़ा। आपरेटिंग मुनाफे में लगभग 40 फीसदी योगदान देने वाले इन दोनों सेगमेंट में 4-18 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई। ईरान युद्ध जैसी बाहरी बाधाओं ने दूरसंचार और खुदरा जैसे उपभोक्ता कारोबारों की मजबूत वृद्धि के प्रभाव को काफी हद तक कम कर दिया। कमजोर नतीजों और ओ2सी सेगमेंट पर निरंतर दबाव को देखते हुए, निकट भविष्य में कंपनी के शेयर पर दबाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, जियो की लिस्टिंग और सौर ऊर्जा जैसे नए ऊर्जा कारोबार में प्रगति कंपनी के लिए अहम तेजी के कारक हैं। दौलत कैपिटल सहित कई ब्रोकरेज फर्मों ने आय अनुमान और लक्षित कीमत में कटौती के बावजूद खरीद रेटिंग बरकरार रखी है, जो मौजूदा मूल्यांकन और हालिया कमजोर प्रदर्शन के कारण है। विशेष रूप से, जियो ने परिचालन लाभ में 16% की वृद्धि और एकीकृत सेगमेंट मुनाफे में 42 फीसदी का योगदान देकर तिमाही के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दौलत कैपिटल ने जियो की एआरपीयू वृद्धि और तेल-गैस सेगमेंट से लाभ के चलते अपने शुद्ध लाभ के अनुमानों को बढ़ाया है और लक्षित कीमत 25 रुपये बढ़ाकर 1,695 रुपये कर दी है ।

टाटा व महिंद्रा ला रहे हैं धांसू रगेड एसयूवी

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनियां टाटा और महिंद्रा जल्द ही डिफेंडर जैसी दमदार और रफ-टफ लुक वाली नई रगेड एसयूवी लान्च करने वाली हैं। ये गाड़ियां बाक्सी डिजाइन, शानदार रोड प्रेजेंस और शक्तिशाली परफार्मेंस के साथ आएंगी, जिनकी कीमत महंगी डिफेंडर से काफी कम रहने की उम्मीद है। महिंद्रा अपनी विजन एस को पेश करने की तैयारी में है, जिसके टेस्ट माडल कई बार सड़कों पर देखे गए हैं। यह एसयूवी महिंद्रा के एनयू आईक्यू प्लेटफार्म पर आधारित होगी, जो पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक इंजन विकल्पों को सपोर्ट करता है।

इसमें 1.2-लीटर टीजीडीआई पेट्रोल या 1.5-लीटर डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है। टाटा अपनी आल-इलेक्ट्रिक सिएरा ईवी को इसी साल मई में लान्च कर सकती है। इसे टाटा की इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज में हैरियर ईवी से नीचे रखा जाएगा।

इसका लुक मौजूदा आईसीई सिएरा जैसा होगा, जिसमें क्लोज्ड ग्रिल, स्प्लिट हेडलैंप सेटअप और फुल-विड्थ एलईडी लाइट बार जैसे आधुनिक तत्व शामिल होंगे। रेनो ब्रिजर एसयूवी भी डिफेंडर से प्रेरित लुक के साथ आएगी, जिसे 1.2 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और एक फुली इलेक्ट्रिक वेरिएंट में पेश किया जा सकता है। इसकी लान्चिंग 2027 के मध्य तक होने का अनुमान है।

पीएचईवी वर्जन में 1.5 लीटर का टर्बो-पेट्रोल इंजन और 26.7 केडब्ल्यूएच की बैटरी होगी, जो लगभग 139 किमी की इलेक्ट्रिक ड्राइविंग रेंज प्रदान करेगी। यह ग्राहकों को कम बजट में प्रीमियम रगेड एसयूवी का अनुभव देगी। जेएसडब्ल्यू जेटूर टी 2 इस साल दिवाली के आसपास भारत में एंट्री कर सकती है। भारत में इसका प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) सेटअप आने की संभावना है।

नई पेशकश बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस लांच

नई दिल्ली। भारतीय एडवेंचर मोटरसाइकिल बाजार में बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने अपनी नई पेशकश बीएमडब्ल्यू एफ 450 जीएस को पेश किया है जिसकी शुरुआती कीमत 4.70 लाख रुपये है। इस मोटरसाइकिल का आक्रामक लुक और आधुनिक तकनीक इसे अपने सेगमेंट की सबसे प्रीमियम एडवेंचर बाइक बनाती है। यह मोटरसाइकिल विशेष रूप से उन राइडर्स के लिए तैयार की गई है, जो जी 310 जीएस से ऊपर और बड़ी एफ सीरीज से नीचे एक शक्तिशाली विकल्प की तलाश में थे। बीएमडब्ल्यू ने इस मशीन को न केवल शहरी सड़कों के लिए बल्कि कठिन आफ-रोड रास्तों पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के उद्देश्य से डिजाइन किया है, जिससे यह भारतीय युवाओं और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले घुमक्कड़ राइडर्स के बीच एक आकर्षक विकल्प बन जाती है। इस बाइक का डिजाइन बीएमडब्ल्यू की बड़ी एडवेंचर बाइक्स की विरासत को आगे बढ़ाता है, जिसमें नया एक्स आकार का एलईडी डीआरएल और एक शार्प फ्रंट बीक दी गई है। इसमें 420 सीसी का नया पैरेलल-ट्विन इंजन लगा है, जो 48 एचपी की पावर और 43 एनएम का टार्क जनरेट करता है। इसकी हल्की चेसिस और मात्र 178 किलो का वजन इसे मोड़ने और कंट्रोल करने में बेहद आसान बनाता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना व चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मुंबई फूड...

जानकारी के मुताबिक, अब्दुल्ला अब्दुल कादर मुंबई में मोबाइल एक्सेसरीज की दुकान चलाते थे। वे परिवार के साथ पायधुनी इलाके में रहते थे। एक मेहनतकश परिवार का इस तरह अचानक खत्म हो जाना न सिर्फ उनके रिश्तेदारों, बल्कि पूरे मोहल्ले के लिए बड़ा सदमा है।

राज्यसभा : बहुमत ...

लोक सभा में चाहे सरकार को दो-तिहाई बहुमत पाने में परेशानी हो, लेकिन राज्यसभा में वह इसके काफी नजदीक पहुंच गए हैं।

आम आदमी पार्टी के लिए ये बड़ा झटका है। अमूमन सर्वदलीय बैठकों में भी सरकार की ओर से निमंत्रण संख्या-बल के आधार पर मिलता है। कई बार पांच से कम सदस्य संख्या वाली पार्टियों को नहीं बुलाया गया। हालांकि, लोक सभा में आम आदमी पार्टी के तीन सांसद हैं और ऐसे में उसके संसदीय दल में अब भी 6 सांसद हैं। संसदीय समितियों में भी आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व घटेगा और विपक्ष की बैठकों में भी उसकी आवाज कमजोर पड़ेगी।

मजबूर ईरान...

अमेरिकी नाकेबंदी का उद्देश्य ईरान को अपना तेल बेचने से रोकना है, जिससे उसे महत्वपूर्ण राजस्व से वंचित किया जा सके और साथ ही ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सके जहां तेहरान को उत्पादन बंद करना पड़े क्योंकि उसके पास तेल भंडारण के लिए कोई जगह नहीं है।

मध्यस्थता प्रयासों में शामिल अधिकारियों ने कहा कि ईरान ने नई वार्ता से पहले अमेरिकी नाकाबंदी को समाप्त करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मतभेदों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। ईरान की तरफ से पाकिस्तान द्वारा अमेरिका को भेजे गए इस प्रस्ताव में उसके परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को आगे के लिए टालने पर जोर दिया गया है। दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस की यात्रा पर हैं।

8वां वेतन ...

डाक कर्मचारी संगठन ने 6% की सालाना वेतन वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। 7वें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों को उनकी बेसिक सैलरी पर 3% की सालाना वेतन वृद्धि मिलती है।

एफएनपीओ का तर्क है कि 6वें सीपीसी के बाद से सालाना वेतन वृद्धि बेसिक सैलरी के 3% पर ही अटकी हुई है। एफएनपीओ का कहना है कि जब आप महंगाई भत्ताभी जोड़ लेते हैं, तब भी यह दर असल आय को खास तरीके से नहीं बढ़ा पाती। खासकर इसलिए क्योंकि शहरी आवास, खास स्वास्थ्य सेवा और उच्च शिक्षा की लागत इंडेक्सिंग तरीकों की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रही है।

कम से कम 5 प्रमोशन और 40% तक एचआरए

एफएनपीओ का प्रस्ताव है कि मॉडिफाइड एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन स्कीम (एमएसीपी) के तहत, सभी डाक कर्मचारियों को उनकी सेवा के दौरान कम से कम पांच प्रमोशन मिलने चाहिए। डाक कर्मचारी संगठन का तर्क है कि वेतन में ठहराव की समस्या को दूर करने और बहु-कुशल अधिकारियों के अनुरूप सार्थक करियर उन्नति देने के लिए ऐसे सुधार की जरूरत है।

एफएनपीओ ने ज़ेड-श्रेणी के शहरों के लिए बेसिक सैलरी का 30%, वाई -श्रेणी के शहरों के लिए 35% और एक्स -श्रेणी के शहरों के लिए 40% हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का प्रस्ताव दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अ. भा. अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की महिला समिति द्वारा

बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की महिला समिति द्वारा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन बेगमपेट स्थित व्हाइट हाउस बिल्डिंग के हॉटफूट बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में भव्यता के साथ किया गया। कार्यक्रम की संयोजक रिंकू गर्ग ने बताया कि अग्रवाल परिवारों की कुल आठ टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें डेयर डेविल्स, स्ट्राइकर स्क्वाड, ब्लू क्रू, धुरंधर गर्ल्स, अग्र महिला मंच तेलंगाना, जय दादी मां, रॉयल रबल्स और गोल्डन विंग्स शामिल थीं।

महिला समिति की अध्यक्ष अलका मिंडा ने बताया कि प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ियों के साथ एक अतिरिक्त खिलाड़ी को शामिल किया गया। प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि एक ही परिवार की सास, बहु और बेटी के एक साथ खेलने पर विशेष पुरस्कार दिया गया। प्रत्येक टीम में आयु वर्ग के अनुसार संतुलन रखते हुए 16 से 25 वर्ष, 26 से 40 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों को शामिल किया गया, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक बन गई। सभी प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार एवं रात्रि भोजन की व्यवस्था भी की गई।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रॉयल रबल्स और ब्लू क्रू के बीच खेला गया, जिसमें रॉयल रबल्स टीम ने 36 रनों से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम की कप्तान नीलन अग्रवाल के साथ तृषा अग्रवाल, हिमांशी अग्रवाल, खुशबू बालासरिया, श्वेता पित्ती, संध्या संघी एवं मंजू बलसारिया शामिल रहीं।

टीम की विशेषता यह रही कि इसमें सास, बहु और बेटी ने एक साथ भाग लेकर सामाजिक और पारिवारिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

संस्था के अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि मनोज अग्रवाल (व्हाइट हाउस) द्वारा कार्यक्रम स्थल प्रायोजित किया गया। मुख्य अतिथियों में राजकुमारी अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल एवं एम.सी. अग्रवाल शामिल रहे, जिनका सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल ने विजेता टीम को बधाई देते हुए विशेष पुरस्कार प्रदान किया, वहीं राष्ट्रीय सह प्रवक्ता अशोक बंसल ने सभी उपस्थित अग्रबंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल, अध्यक्ष योगेश जैन, उपाध्यक्ष शिव कुमार भालवाले, मंत्री विपिन अग्रवाल, संयुक्त मंत्री जगतनारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए विनोद जैन, युवा अध्यक्ष प्रतीक नर्सरियां, महिला अध्यक्ष अलका मिंडा, महिला मंत्री शीनू बंसल, प्रधान संयोजक रिंकू गर्ग, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय सह प्रवक्ता अशोक बंसल सहित ऋतु जैन, अनीता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, महिंद्र अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, कोतापेट के राजकुमार अग्रवाल, दीपा गर्ग एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जल प्रदूषण और सीवरेज समस्याओं के खिलाफ जल बोर्ड मुख्यालय पर भाजपा का धरना

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

हैदराबाद में गहराते जल संकट, प्रदूषित पानी की आपूर्ति और सीवरेज की बदहाल व्यवस्था के विरोध में आज खैरताबाद स्थित जल बोर्ड के प्रबंध निदेशक के कार्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त पानी की समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र ने किया। धरने में मुख्य रूप से गोशामहल के कॉर्पोरेटर लाल सिंह, बेगम बाजार के कॉर्पोरेटर शंकर यादव, जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल और मंगलहाट की कॉर्पोरेटर शशिकला कृष्णा शामिल हुए। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जनता को हो रही पानी की किल्लत और गंदे पानी की सप्लाई का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शहर के कई इलाकों में पीने के पानी के साथ सीवरेज का गंदा पानी मिल रहा है, जिससे बीमारियाँ फैलने का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा, सीवरेज लाइनों के चोक होने और पानी की किल्लत ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। नेताओं ने एमडी से मांग की कि इन तकनीकी और बुनियादी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए, अन्यथा आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।इस विरोध कार्यक्रम में नरहरि अन्ना, किशन कुमार, सुधाकर गौड़, जयपाल सिंह सहित कई अन्य भाजपा नेता और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने जल बोर्ड कार्यालय के समक्ष बैठकर अपना विरोध दर्ज कराया और अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे ताकि यातायात और कार्यालयी कामकाज में बाधा न आए।

समाज सेवा में राधे-राधे ग्रुप बना मिसाल : रविंद्र शर्मा

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर रविंद्र शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे निस्वार्थ सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा कार्य को सफल बनाया। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगन एलाकुर्थी, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, रवींद्र शर्मा, शुचि गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल तथा महेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सदुपयोग संस्था का 3 दिवसीय 'गीव-अवे' दान अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सदुपयोग एवं गूंज संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 3 दिवसीय 'गीव-अवे' दान अभियान कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह अभियान 24 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक काचीगुड़ा स्थित वुडसाई होटल के सामने सिंध बेकरी के पास आयोजित किया गया।

संस्था के संयोजक हितेन संघोई ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लोगों ने पुराने एवं नए किताबें, पेन-पेंसिल, टिफिन बॉक्स, वॉटर बॉटल, कपड़े, जूते-चप्पल सहित विभिन्न उपयोगी सामग्री दान स्वरूप भेंट की। इन सामग्रियों को आगे चलकर जरूरतमंद सरकारी स्कूलों के बच्चों में वितरित किया जाएगा। अभियान के समापन अवसर पर श्री कच्छी मित्र मंडल के माइनॉरिटी विभाग संयोजक पंकज सावला, श्री कच्छी दशा ओसवाल जैन ज्ञाति महाजन के अध्यक्ष लहेरचंद लोडाया, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार तथा मानव मित्र संस्था के पदम हरिया सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने विशेष रूप से भाग लिया। इस सेवा अभियान को सफल बनाने में भावना पदम हरिया, हिना हितेन संघोई, ज्योति हितेश गाला, भावना मेहुल छेडा, अवनी अनीश छेडा, नीता मालदे, मीता धरोड, श्रेया विकास शाह, मीना मेहुल मोटा, ग्रीष्मा मेहुल धरोड, दीपा नयम सावला, फेनीला छेडा, कल्पा छेडा, किंजल धरोड, पायल काराणी, वैशाली एवं ग्रीष्मा गिरीश मोटा सहित अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। संयोजक हितेन संघोई ने अभियान में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे, जिससे जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की महिला समिति का 'समर स्पलेंडर कार्निवल' संपन्न

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा की महिला समिति द्वारा आयोजित समर स्पलेंडर कार्निवल का शुभारंभ सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में महाराजा अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। यह आयोजन पूरे उत्साह, भव्यता और मनोरंजन के साथ संपन्न हुआ।

मनोरंजन प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

महिला अध्यक्ष शर्मिला अग्रवाल ने बताया कि इस कार्निवल में टिंबर तितली जूनियर, ट्विस्टी टाउन, कलर कैसकेड, कौन चौस, रेनबो रिंग, तंबोला जैसी विभिन्न मनोरंजन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लेकर भरपूर आनंद उठाया। सभी प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।

अतिथियों का स्वागत, एंकरिंग ने बांधा समां

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश पचेरिया सहित शाखा के परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल धरसूवाला, पूर्व अध्यक्ष गोविंदराम पचेरीया, सज्जन अग्रवाल, मनोज पचेरिया, जगतनारायण अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल एवं लक्ष्मी कटारुका का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की एंकरिंग एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता का संचालन सिमरन एवं तृप्ति अग्रवाल ने किया, जिन्होंने हास्य प्रश्नों और गीत-संगीत के माध्यम से सभी का मनोरंजन किया।

व्यावसायिक स्टॉल और निशुल्क सेवाएं रहीं आकर्षण का केंद्र

कार्निवल में समाज की कई महिलाओं द्वारा व्यावसायिक स्टॉल लगाए गए। इसके अलावा डॉली अग्रवाल द्वारा हेयर कट और झलक अग्रवाल द्वारा नेल आर्ट की निशुल्क सेवाएं प्रदान की गईं, जो उपस्थित महिलाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम की सभी सदस्यों ने सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने की इच्छा व्यक्त की।

आयोजन की सफलता में टीम का रहा महत्वपूर्ण योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला अध्यक्ष शर्मिला अग्रवाल के नेतृत्व में मीना अग्रवाल, पूजा संघी, मीनू गर्ग, सपना अग्रवाल, हेमा अग्रवाल, स्वीटी मोदी, राम अग्रवाल, रजनी गुप्ता, स्वस्ति अग्रवाल और रेनू अग्रवाल सहित कई सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

हैदराबाद-बिहार रेल संपर्क सुधार को लेकर संयुक्त बैठक विशाखापट्टनम-पश्चिमी ओडिशा मार्ग पर जोर

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पश्चिमी ओडिशा सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन (डब्ल्यूओएसएसीए), हैदराबाद ने बिहार समाज सेवा संघ के प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की। इस बैठक का उद्देश्य हैदराबाद/सिकंदराबाद और बिहार के बीच अपर्याप्त रेल संपर्क को लेकर बढ़ती चिंताओं पर चर्चा करना तथा विशाखापट्टनम एवं पश्चिमी ओडिशा मार्ग के माध्यम से व्यवहार्य समाधान तलाशना था।

बैठक में डब्ल्यूओएसएसीए, हैदराबाद की ओर से सुनील कुमार गडतिया (अध्यक्ष), समीर पाधी (महासचिव) एवं सुधांशु त्रिपाठी (आयोजन सचिव) उपस्थित रहे। वहीं बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से राजू ओझा (राष्ट्रीय अध्यक्ष), दीपक तिवारी (कोषाध्यक्ष), नवल किशोर तिवारी, अरविंद कुमार सिंह, संदीप ओझा एवं नीरज सिंह (कार्यकारी सदस्य) उपस्थित रहे।

यह ध्यान में रखते हुए कि हैदराबाद एक वैश्विक शहर और प्रमुख आईटी हब है, जहाँ तेजी से बढ़ता फार्मास्युटिकल उद्योग, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ और विविध रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं, बड़ी संख्या में लोग अन्य राज्यों से यहाँ आ रहे हैं।

चर्चा के दौरान पटना एवं दरभंगा जैसे गंतव्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों द्वारा सामना की जा रही प्रमुख समस्याओं अत्यधिक भीड़, लंबी प्रतीक्षा सूची और असुरक्षित यात्रा स्थितियोंको उजागर किया गया। प्रवासी मजदूरों, छात्रों एवं तीर्थयात्रियों को सबसे अधिक प्रभावित समूहों के रूप में चिन्हित किया गया।

डब्ल्यूओएसएसीए, हैदराबाद ने पश्चिमी ओडिशा के मार्ग से अतिरिक्त ट्रेन सेवाएँ शुरू करने का एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव का स्वागत किया गया तथा इसके निम्नलिखित लाभों पर विशेष जोर दिया गया:

-दक्षिण बिहार एवं झारखंड के क्षेत्रों, जैसे रांची, बोकारो एवं गया के लिए बेहतर संपर्क, साथ ही पश्चिमी ओडिशा के बड़े हिस्से को भी कवर करेगा।

-यह मार्ग विशाखापट्टनम एवं विजयवाड़ा जैसे प्रमुख दक्षिणी शहरों से संपर्क को और मजबूत करेगा, जिससे एक अधिक समेकित एवं प्रभावी यात्रा गलियारा विकसित होगा।

-वर्तमान उच्च मांग वाले मार्गों पर भीड़भाड़ में कमी आएगी।

-यात्रियों के भार को संतुलित करने हेतु अनेक चढ़ने एवं उतरने के विकल्प उपलब्ध होंगे।

-मध्य एवं दक्षिणी बिहार के यात्रियों के लिए अधिक सीधी एवं समय-कुशल यात्रा विकल्प मिलेंगे।

-सुरक्षा, स्वच्छता एवं समग्र यात्रा सुविधा में सुधार होगा।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के सदस्यों ने इस पहल का स्वागत करते हुए प्रस्ताव को और सशक्त बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव दिए, जिससे यह व्यापक यात्री वर्ग की आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से दर्शा सके।

दोनों संगठन मिलकर एक विस्तृत एवं संयुक्त प्रतिवेदन तैयार करने की योजना बना रहे हैं, जिसे रेलवे प्राधिकरणों, संबंधित मंत्रियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा।

गो सम्मान आह्वान अभियान: मंत्रियों, जिलाधिकारियों व तहसीलदारों को सौंपे गए प्रार्थना-पत्र

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौमाता को राष्ट्र माता का पद घोषित हो एवं गोवंश की रक्षा हो, देश में गोहत्या बंद हो ˉ इस संकल्प के साथ सोमवार, दिनांक 27 अप्रैल 2026 को आयोजित गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत विभिन्न महानुभावों, जिनमें मंत्री, जिलाधीश, तहसीलदार, ब्लॉक अधिकारी आदि शामिल हैं, को प्रार्थना-पत्र दिए गए।

आज यहाँ लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं गोवत्स फाउंडेशन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल एवं गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड के नेतृत्व में आज गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता / राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा दिलाने, केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना एवं एकीकृत केंद्रीय कानून निर्माण हेतु सोमवार, दिनांक 27 अप्रैल 2026 को भारत वासियों, गोप्रेमियों के माध्यम से सम्पूर्ण भारत वर्ष के मंडलों में माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम से मंत्री, जिलाधीश, तहसीलदार, ब्लॉक अधिकारी तथा विभिन्न महानुभावों से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया।

मंत्री एवं जिलाधिकारी से भेंटकर सौंपा ज्ञापन

बंजारा हिल्स स्थित मिनिस्टर्स क्वार्टर्स में तेलंगाना राज्य के श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी से लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता ने भेंट की और उन्हें ज्ञापन (प्रार्थना-पत्र) सौंपा एवं अभियान की संपूर्ण जानकारी दी।

नामपल्ली स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक सुभाष अग्रवाल, सहसंयोजक डॉ. जीज्ञेशन गोकानी, मराठी सेल के श्याम सुंदर कश्यप, श्री कच्छी मित्र मंडल के मैनेजिंग ट्रस्टी सुशील कापिडया, तेलंगाना गुजराती समाज के परीमल पारेख आदि से भेंट कर उन्हें भी प्रार्थना-पत्र सौंपा गया।

वहीं लकड़ी का पुल में हैदराबाद के अतिरिक्त जिलाधीश पी. कधीरावन पलानी (आई.ए.एस.) से बड़ी संख्या में उपस्थित गोभक्तों ने भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर गोवत्स फाउंडेशन के मुरली मनोहर पलोड, बद्रीविशाल लोया, गोपाल सारडा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता, पार्षद महालक्ष्मी रमणा गौड, जैन संस्कार वाटिका के ट्रस्टी मुकेश चौहान जैन, अखिल भारत हिन्दू महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी कमलेश महाराज, इस्कॉन के स्वामी, हैदराबाद किराणा मर्चेंट एसोसिएशन के मंत्री अविनाश देवड़ा, सुष्मा शाह, नंदिगाम गौशाला के राजेश तपाड़िया, लेवा पाटीदार समाज के धनजीभाई पटेल, सर्वदलीय गौरक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल आदि बड़ी संख्या में उपस्थित गौभक्तों ने विभिन्न क्षेत्रों में महानुभावों को ज्ञापन सौंपा।

अभियान के मुख्य उद्देश्य एवं राष्ट्रव्यापी ज्ञापन अभियान

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि देशभर में गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार, दिनांक 27 अप्रैल को 5 हजार मंडल कार्यालयों में ज्ञापन दिए गए। गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत देश में लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्थल पर 3 संत और 3 गौप्रेमी कार्यकर्ता जुड़े, जिन्होंने जिले के अन्य गोप्रेमी संतों और गौरक्षकों को जोड़ा और अपने-अपने क्षेत्र के तहसीलदार, एम.आर.ओ. आदि को ज्ञापन सौंपे। यह अभियान किसी राजनीतिक दल, संगठन अथवा केंद्र या राज्य सरकार के विरुद्ध नहीं है, अपितु यह गौमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित है। गोवंश की वर्तमान पीड़ादायक स्थिति को देखते हुए अभियान के माध्यम से समाधान हेतु निम्नलिखित आग्रह महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री, महामहिम राज्यपाल के नाम से प्रेषित किए गए।

जसमत पटेल ने मंत्री से कहा कि गो सम्मान आह्वान अभियान के मुख्य उद्देश्य हैं कि केंद्र सरकार और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गो माता को (1) सेवा ˉ गो माता को उचित अनुसंधान और अनुदान मिले, (2) सुरक्षा ˉ भारत से गोहत्या पूरी तरह समाप्त हो, (3) सम्मान ˉ गो माता राष्ट्र माता (राष्ट्रदेव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर, राष्ट्र आधार) बने, का मौलिक अधिकार प्रदान करवाना।

जसमत पटेल ने आगे कहा कि सरकार से मुख्य आग्रह है कि (1) गोमाता को राष्ट्र माता, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार का सम्मानित पद प्रदान करें (गो माता को सम्मान मिले), (2) गो सेवा हेतु केंद्रीय कानून बने, जिससे सम्पूर्ण भारत वर्ष में समान रूप से गो सेवा हो सके, (3) भारत वर्ष में गोहत्या पूरी तरह समाप्त हो, जिससे गो माता पूर्णतः सुरक्षित हो।

कानून, गौशाला संबंधी मांगें एवं संतों का आशीर्वाद

मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि सरकार से कानून संबंधी मुख्य आग्रह है कि (1) गो हत्यारों, गो तस्करी में लिप्त अपराधियों के लिए आजीवन कठोर कारावास जैसी सजा का प्रावधान हो, (2) गो तस्करी में उपयोग होने वाले वाहनों की जब्ती होने पर जमानत न हो व सदा के लिए राजसात हो और उन्हें नीलाम किया जाए अथवा गौशालाओं को उपयोग हेतु सौंप दिया जाए, (3) कंपनियों के सीएसआर फंड में से एक निश्चित राशि गो सेवा से जुड़े कार्यों हेतु खर्च करने की अनिवार्यता लागू हो, (4) पशु मेले के नाम पर हो रही अवैध गो तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु केंद्रीय कानून बने।

उन्होंने गौशाला संबंधी मुख्य आग्रह की जानकारी देते हुए कहा कि (1) भारत के प्रत्येक प्रांत में कम से कम एक गो अभ्यारण्य उपयुक्त वन भूमि या गोचर भूमि पर खोला जाए, (2) प्रत्येक ग्राम पंचायत पर निराश्रित नर गोवंश के लिए नंदीशाला की स्थापना हो, (3) गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ा जाए, ताकि गौशाला में काम करने वाले लोगों को 100 दिन का ग्वाल वेतन मनरेगा से प्राप्त हो एवं मनरेगा योजना के तहत गौशालाओं में निर्माण कार्य हों, (4) सम्पूर्ण देश में गोवंश संख्या के आधार पर गौशालाओं को एक निश्चित बिजली यूनिट निःशुल्क आवंटित हो अथवा बिजली बिल में एक निश्चित छूट मिले, (5) अधिक दान प्राप्त करने वाले सरकारी नियंत्रण में चल रहे मंदिरों के साथ गौशाला संचालन अनिवार्य किया जाए।

स्वामी कमलेश महाराज ने कहा कि आज पूरा देश माननीय मोदी जी की ओर उसी विश्वास से देख रहा है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपके सशक्त नेतृत्व में गोवंश की रक्षा के साथ-साथ एक ऐसे भारत की स्थापना हो जहाँ गोमाता का सम्मान सुरक्षित हो। महोदय, गो सम्मान आह्वान अभियान के माध्यम से राष्ट्र का प्रत्येक स्वर आज एक ही आह्वान कर रहा है ˉ अब गोमाता को न्याय और संवैधानिक गौरव मिलना ही चाहिए।

स्वामीजी ने आगे कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार आपने देश की जटिलतम समस्याओं का समाधान किया है, उसी प्रकार गोमाता को यह ऐतिहासिक न्याय प्रदान कर आप करोड़ों सनातनी भारतीयों की इस चिर-प्रतीक्षित आकांक्षा को सिद्ध करेंगे।मुकेश चौहान ने कहा कि गोवंश संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि कृषि, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास से जुड़ा एक राष्ट्रीय विषय है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक नीतिगत एवं विधिक निर्णय शीघ्र लेने की कृपा करें। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके सक्षम नेतृत्व में इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा का दिव्यांगजनों के लिए सेवा भाव से भरा लंच सेवा आयोजन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा, मलकपेट शाखा एवं युवा मोर्चा शाखा द्वारा सिकंदराबाद स्थित दिव्यांगजनों के निवास (होम फॉर डिसेबल्ड) में सेवा-भाव से परिपूर्ण लंच सेवा (भोजन प्रसाद) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज सेवा और मानवता के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया। डॉ. मीता बजाज की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस पुण्य अवसर पर लगभग 450 सदस्यों एवं उपस्थित जनों ने प्रेमपूर्वक भोजन प्रसाद ग्रहण किया। सभी ने इस सेवा कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने जरूरतमंद दिव्यांगजनों के साथ समय बिताकर उन्हें आत्मीयता का अनुभव कराया। इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता, करुणा और सेवा के मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर मलकपेट महिला शाखा की अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, उपाध्यक्ष स्वाति अग्रवाल, मंत्री डॉ. मीता बजाज, सह मंत्री वनिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राखी सुरेखा, केंद्रीय समिति सदस्य शीतल रूंगटा, सरोज अग्रवाल, उषा मोदी, मीरा अग्रवाल, अरुणा, मधु एवं अमिता सहित मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी तथा सलाहकार महावीर अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी के सहयोग, समर्पण और सेवा भाव के चलते यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा। उपस्थित जनों ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

हैदराबाद में 'महाश्रमणोत्सव' का भव्य आयोजन

स्व और पर कल्याण में रत हैं 0 आचार्य महाश्रमण : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार 26 अप्रैल को रामकोट स्थित जैन सेवा संघ के विशाल हॉल में आचार्य महाश्मण के 65वें जन्मदिवस एवं 17वें पदाभिषेक दिवस के उपलक्ष्य में महाश्मणोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा आचार्यश्री के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी (ठाणा-2) के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में हॉल खचाखच भरा रहा और बाहर तक श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। मुनि श्री दीप कुमारजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य महाश्मण स्व और पर कल्याण में निरंतर रत रहते हैं। वे स्वयं आत्मकल्याण की उत्कृष्ट साधना करते हुए दूसरों को भी उसी दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री धर्मसंघ के शासक होने के साथ-साथ उच्च कोटि के साधक भी हैं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साधना की ऊंचाइयों को प्राप्त किया है।

उन्होंने आचार्यश्री को कीर्तिमान पुरुष बताते हुए उनकी व्यापक यात्राओं, आगम प्रवचनों एवं साधु-साध्वियों को स्वाध्याय के लिए प्रेरित करने की विशेषताओं को रेखांकित किया। मुनि श्री काव्य कुमारजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि आचार्यश्री अनंत ऊर्जा के अक्षय स्रोत हैं और पूरे संघ के लिए पावर हाउस के समान हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत हैदराबाद कन्यामंडल की कन्याओं द्वारा मंगलाचरण से हुई। तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशील संचेती, ते.यु.प. अध्यक्ष राहुल गोलछा, ते.म.म. मंत्री निशा सेठिया, टी.पी.एफ. मंत्री अणुव्रत सुर-ाणा, जैन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष सुरेश सुर-ाणा तथा महासभा से लक्ष्मीपत बैद एवं लक्ष्मीपत डूंगरवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।तेरापंथ किशोर मंडल एवं अन्य प्रतिभागियों द्वारा गीत एवं गीतिकाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें शांताजी बैद, निर्मला बैद और हर्षलता दूधोडिया की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। ते.म.म. और ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं द्वारा 65 बहनों की सामूहिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भव्य बना दिया।कार्यक्रम के दौरान तेरापंथी सभा द्वारा जैन सेवा संघ के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। सभा मंत्री हेमंत संचेती ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का समापन संघ-गान के साथ हुआ।आयोजन को सफल बनाने में संयोजक बाबूलाल बेंगाणी, हुकमीचंद कोटचा, कनकमल बैद एवं दीपक सांखला का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने सभी व्यवस्थाओं का कुशल संचालन किया।

नागारम डिवीजन में गो संरक्षण को लेकर सौंपे गए ज्ञापन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने तथा गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर आज नागारम डिवीजन क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों और अनेक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में कीसरा एमआरओ महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान गो संरक्षण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कीसरा एमआरओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इस विषय पर सख्त कानून बनाने और प्रभावी अमल सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान हिंदुओं की आराध्य देवी गौमाता की हत्याओं की कड़ी निंदा की गई। साथ ही रामपल्ली चौक पर अवैध रूप से संचालित बीफ शॉप को हटाने की मांग करते हुए कीसरा सर्किल इंस्पेक्टर को एक अलग ज्ञापन भी सौंपा गया।

इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सिंगिरेड्डी वेंकट रेड्डी, नागारम डिवीजन अध्यक्ष कोंडाबोयिन नागराज यादव, पूर्व काउंसिलर बिज्जा श्रीनिवास गौड़, पूर्व अध्यक्ष बुधवरम वेणुगोपाल, डिवीजन महासचिव मामिडी जंगारेड्डी, पोतंसेट्टी वेंकटेश्वर राव, सूर्य शेखर रेड्डी, सुरेंद्र रेड्डी, सतीश रेड्डी, गोंगुलूरी शशांक शर्मा, मधु गौड़, आशीष रेड्डी, सुब्बैया, सारंगम गौड़, लक्ष्मा रेड्डी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामचंद्र राव के जन्मदिन पर मरीजों में फल वितरित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को सेवा और मानवता की मिसाल पेश की गई। इस खास दिन को मनाने के लिए गुरु नानक डायलिसिस सेंटर और गुरु नानक मेडिकल सेंटर में फल वितरण सेवा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य मरीजों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और समर्थन प्रकट करना था।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह के नेतृत्व में आयोजित यह पहल पार्टी के सेवा, मानवता और सामुदायिक कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आयोजकों ने बताया कि यह विनम्र प्रयास उन मूल्यों का प्रतिबिंब है जो समाज की सेवा करने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। अस्पताल में फल वितरण के दौरान मरीजों के साथ समय बिताकर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए जगमोहन सिंह ने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने इस नेक कार्य को सार्थक और प्रभावशाली बनाने में योगदान देने वाले सभी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सेवा और नाम जप से मिलती है सच्ची शांति : नीलम विजयवर्गीय

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर नीलम विजयवर्गीय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा के साथ-साथ भगवान के नाम का जप करने से जीवन में विशेष शांति और संतोष प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि जब सेवा और भक्ति दोनों साथ-साथ चलते हैं, तो मन को एक अलग ही आनंद की अनुभूति होती है। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एक-दूसरे की सहायता करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा एवं राजेश सर (योगा) सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे इस प्रकार के अन्नदान और सेवा कार्य समाज में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़कर मानव सेवा के इस पुण्य कार्य में भागीदारी निभा रहे हैं।

सुशीला देवी लखोटिया की स्मृति में शोक सभा आयोजित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी समाज के निस्वार्थ सेवाभावी, कर्मठ एवं धार्मिक कार्यकर्ता श्री सीतारामजी लखोटिया के बोवनपल्ली स्थित निवास पर आज उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय सुशीलादेवी लखोटिया की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

परम श्रद्धेय श्रीमती स्व. सुशीलादेवी लखोटिया का 15 अप्रैल 2026 को ऋषिकेश में निधन हो गया था। तीर्थस्थल पर ही उनके अंतिम संस्कार एवं समस्त क्रियाकर्म संपन्न किए गए। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि तीर्थस्थल पर देह त्यागना अत्यंत सौभाग्य की बात मानी जाती है।

शोक सभा में सिखवाल ब्राह्मण समाज के रामदेव नागला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्व. सुशीलादेवी लखोटिया एक विनम्र, हसमुख, मिलनसार एवं सेवा भाव से परिपूर्ण नारी थीं, जो हर किसी के सुख-दुख में साथ खड़ी रहती थीं। उनके निधन से समाज में शोक की लहर है और नारी शक्ति को अपूरणीय क्षति हुई है।

सभा के अंत में सभी उपस्थितजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर रामदेव नागला, जगदीश कोलरीया, सीताराम लखोटिया, नंदलाल तापड़िया, शिवकुमार कोठारी, विमल लखोटिया, शुभकरण लखोटिया, तरुण काबरा, रोहित माहेश्वरी एवं नीरज लखोटिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

करियापट्टी के पास सिंचाई टैंक पर सौर पैनल लगाने का ग्रामीणों ने किया विरोध

कोविलंगुलम, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

करियापट्टी तालुक के कोविलंगुलम सिंचाई टैंक के जल भराव क्षेत्र के ऊपर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के कदम का किसानों ने एक बार फिर कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। कोविलंगुलम के निवासियों के एक समूह ने इस स्थापना कार्य के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दावा किया कि टैंक के ऊपर पैनल लगाने से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने इस परियोजना को दी गई अनुमति को तत्काल रद्द करने की मांग की है।

दक्षिणी जिला किसान संघ के साथ कोविलंगुलम, उडुप्पुकुलम और अवारमपट्टी के लोगों ने कुछ सप्ताह पहले इस परियोजना के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी। उस समय, करियापट्टी तहसीलदार ने ग्रामीणों को यह कहकर शांत किया था कि इस मुद्दे पर विधानसभा चुनाव के बाद चर्चा की जाएगी। तहसीलदार के इस वादे पर कि तब तक कोई काम नहीं होगा, ग्रामीणों ने अपना विरोध टाल दिया था। हालांकि, विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होते ही सौर संयंत्र का काम फिर से शुरू कर दिया गया, जिससे नाराज लोगों ने शनिवार को कार्यस्थल का घेराव किया।

ग्रामीणों का दावा है कि जिस स्थान पर काम किया जा रहा है, उसमें सरकारी 'पोरमबोक' भूमि और खेत मजदूरों के लिए आवंटित पट्टा भूमि शामिल है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि टैंक को पानी की आपूर्ति करने वाली मुख्य नहर भी इसी स्थान पर है, जिसे इस परियोजना से नुकसान पहुँच सकता है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि जल भराव क्षेत्र के ऊपर सौर पैनल लगाने की अनुमति दी गई, तो इससे न केवल खेती के संचालन पर असर पड़ेगा, बल्कि पानी की आपूर्ति भी बाधित हो जाएगी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया गया।

इस बीच, दक्षिणी जिला किसान संघ के विरुधुनगर जिला अध्यक्ष आर. रामपांडियन ने जिला कलेक्टर से अपील की है कि वे इस परियोजना को तुरंत वापस लें। उन्होंने चेतावनी दी कि सिंचाई टैंक पर सौर पैनल लगाने के इस कदम से स्थानीय स्तर पर अशांति पैदा हो रही है, जो भविष्य में कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। किसानों ने स्पष्ट किया है कि वे अपनी आजीविका के मुख्य स्रोत यानी सिंचाई टैंक के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को केबीआर पार्क स्थित इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों द्वारा जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को श्रद्धा और सेवा भाव से भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना गया है और इससे न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटती है, बल्कि समाज में सहयोग, करुणा और मानवता की भावना भी मजबूत होती है। राधे-राधे ग्रुप पिछले लंबे समय से निरंतर इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, तेजप्रकाश अग्रवाल, संजय गोयल, जयप्रकाश सारडा, हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

कोनापुर में बीआरएस पार्टी का स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया

बांसवाड़ा, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल के कोनापुर गांव में सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बीआरएस पार्टी के गांव के अध्यक्ष चकली साईराम ने तेलंगाना थल्ली की फोटो पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की तथा पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पार्टी के संस्थापक के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में बीआरएस के नेताओं ने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए अपना सर्वस्व दांव पर लगा दिया था।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और पार्टी की उपलब्धियों को याद किया। वक्ताओं ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया।

इस आयोजन में बीआरएस पार्टी के गांव के अध्यक्ष चकली साईराम, वसंत राव, लक्ष्मण, भुजंगम राव, अमीरिद्दीन, गंगाराम, नारायण राव, साधक, गौस, सैलू, रामुलु सहित अनेक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक अभिवादन और पार्टी के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

उप्पल बस स्टॉप नल्ला चेरुवू कट्टा पर स्थानांतरित एलिवेटेड कॉरिडोर का काम शुरू

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

उप्पल जंक्शन से वारंगल, हनुमकोंडा और यादगिरीगुट्टा की ओर जाने वाली बस सेवाओं के स्टॉप को अस्थायी रूप से स्थानांतरित कर दिया गया है। मलकाजगिरी नगर निगम (एमएमसी) ने एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण कार्य के मद्देनजर इस बस स्टॉप को अब नल्ला चेरुवू कट्टा के पास स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।

उप्पल जोन की क्षेत्रीय आयुक्त राधिका गुप्ता ने बताया कि पहले यह बस स्टॉप उप्पल क्षेत्रीय कार्यालय के बगल में स्थित था। कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए इसे अस्थायी रूप से नल्ला चेरुवू कट्टा के पास भेज दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, अब वारंगल, हनुमकोंडा और यादगिरीगुट्टा की ओर जाने वाले यात्रियों को अपनी संबंधित बसें इसी नए अस्थायी स्टॉप से पकड़नी होंगी। क्षेत्रीय आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि बस स्टॉप में यह बदलाव रविवार से प्रभावी हो गया है।

इसके साथ ही, उप्पल रिंग रोड से वारंगल की ओर जाने वाली सड़क को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में यातायात डायवर्जन की संभावना है, इसलिए वाहन चालकों और यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे असुविधा से बचने के लिए पहले से ही वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

नगर निगम (एमएमसी) के अधिकारियों ने आम जनता और यात्रियों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों का सहयोग करें। प्रशासन का कहना है कि यह कदम सार्वजनिक सुविधा और बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए उठाया गया है। निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों का सहयोग अनिवार्य है ताकि कार्य समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके।

तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए तेलंगाना भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सहसंयोजक अविनाश देवड़ा एवं शिक्षक प्रकोष्ठ के कोंजरला श्रीनिवास।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत सौंपा गया ज्ञापन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत आज तेलंगाना राज्य पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक बी. सुब्बारायुडु को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस पहल का उद्देश्य गौ संरक्षण और संवर्धन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना रहा।

प्रतिनिधिमंडल ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर गौ संरक्षण, देखभाल और संबंधित व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में टीटीडी बोर्ड के पूर्व सदस्य और युग तुलसी फाउंडेशन के अध्यक्ष के. शिवकुमार, श्री शंकर विद्या भारती गौ संरक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कुप्प श्रीनिवास प्रसाद, चंद्र स्वामी, डनी कुमार आजाद, नागराज, अरुण, पूर्णा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने गौ सेवा और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा भविष्य में भी इस तरह के जन-जागरूकता अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया।

बांसवाड़ा में गोभक्तों का प्रदर्शन

गोरक्षा कानून और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उठी मांग

बांसवाड़ा, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोरक्षा और गोहत्या के खिलाफ सख्त कानून बनाने तथा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर सोमवार को बांसवाड़ा शहर में शहर और मंडल के अलग-अलग गांवों से आए गोभक्तों ने सब-कलेक्टर कार्यालय में एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया।

गोभक्तों ने गोरक्षा और गोहत्या के खिलाफ कड़े कानून बनाने की मांग करते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन के माध्यम से अपनी आवाज उच्च स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान गोप्रेमियों द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेजों के साथ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्य के गवर्नर और मुख्यमंत्री को संबोधित पिटीशन सौंपी गईं। इन पिटीशनों के माध्यम से अनुरोध किया गया कि उनकी मांगों को संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाए। इस कार्यक्रम के आयोजक नंदला शंकर, सर्वश्री लेंड्याला राजू, लक्ष्मीनारायण, रघुवीर, महेश, आनंद, सिद्धार्थ, फणींद्र, सुनील, रविकुमार, शंकर गौड़ और राजसिंह मोल ने एक बयान जारी कर इस आयोजन में शामिल होने और इसे सफल बनाने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

'सेवा परमो धर्म' संस्था का अमृत धारा अभियान 3,500 लोगों को पिलाई शीतल छाछ

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते हुए सेवा परमो धर्म संस्था द्वारा आज मुंडा मार्केट में अमृत धारा अभियान के तहत छाछ वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा कार्य में कुल 3,500 गिलास शीतल छाछ का वितरण किया गया।

दोपहर की तेज गर्मी के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राहगीरों और आमजन ने ठंडी छाछ का लाभ उठाया। छाछ पीकर लोगों के चेहरों पर राहत और मुस्कान साफ दिखाई दी, जिससे आयोजन का उद्देश्य सफल होता नजर आया।

इस पुनीत कार्य में प्रतीभा कोठारी, बबीता शर्मा, हंसा खतरी, कांता वैष्णव और वर्षा शर्मा ने मुख्य सहयोगी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान से कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने में सहायता मिली।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों और राहगीरों ने संस्था के इस मानवीय प्रयास की खुलकर सराहना की और पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना था कि इस भीषण तपिश में ऐसी निस्वार्थ सेवा किसी वरदान से कम नहीं है।

कार्यक्रम के सफल समापन पर संस्था सदस्य माया सेन ने सभी लाभार्थियों, सक्रिय कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

संगारेड्डी जिले में विदेशी नागरिकों के लिए नया डिटेंशन सेंटर शुरू

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद सिटी पुलिस ने संगारेड्डी जिले के जोगीपेट में विदेशी नागरिकों के लिए एक नए डिटेंशन सेंटर (हिरासत केंद्र) को सफलतापूर्वक स्थानांतरित और संचालित कर दिया है। सोमवार को यहाँ जारी एक विज्ञप्ति में हैदराबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) एम. श्रीनिवास ने बताया कि यह सुविधा तेलंगाना सरकार के निर्देशों के अनुसार संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य अवैध प्रवासन, वीजा नियमों का उल्लंघन, अवैध प्रवास, मानव तस्करी और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में शामिल विदेशी बंदियों को रखना है।साल 2018 में बशीरबाग स्थित पुरानी सीसीएस बिल्डिंग में पहला डिटेंशन सेंटर स्थापित होने के बाद से अब तक कुल 196 विदेशी नागरिकों को वहां रखा जा चुका है। वर्तमान में, सूडान, नाइजीरिया, युगांडा और कैमरून के 12 बंदी (नौ पुरुष और तीन महिलाएं) इस केंद्र में रखे गए हैं, जिनके निर्वासन की प्रक्रिया चल रही है।

आगापुरा, केसरबाग स्थित श्री महावीर भवन में (सरिता-राजेश सारडा) के सुपुत्र चि. कृष्णकांत एवं (कीर्ति-सचिन गोदा) की सुपुत्री सौ.कां. आरती के विवाह समारोह में दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सरिता - राजेश सारडा, किरन - वेणुगोपाल करवा, भारती - राजेश करवा, रमेश कुमार बंग (पुर्व : चेयरमैन महेश बैंक), देवेंद्र झंवर,अमित लड्डा, कनु सर ,रमेश सारडा, अनुराग भुतडा, घनश्याम बंग, दिनेश बंग, शंकर राठी, नवल किशोर बंग, किरन - वेणुगोपाल करवा, भारती - राजेश करवा, टाटा राजा, रमेश शर्मा (मार्शल) एवं अन्य ।

शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में गीता-गोविंद नावंदर के सुपुत्र चि. नितिन संग सुनीता-पंकज नावंदर की सुपुत्री सौ.कां. रिद्धी के विवाह समारोह में दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए गोविंद नावंदर, पंकज मणियार, रमेश कुमार बंग, श्रीगोपाल बंग, नवल नावंदर, राजेश करवा-अत्तापुर, कमल नावंदर, सुनील नावंदर, जग मोहन नावंदर, जगदीश नावंदर एवं अन्य ।

ड्रग्स और अपराध के खिलाफ सीएम रेवंत रेड्डी का कड़ा रुख, स्पंदन टीमों का शुभारंभ

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): प्रभावशाली और विशिष्ट वर्ग को कड़ी चेतावनी देते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) की नीति अपनाएगी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा चाहे वह कोई सेलिब्रिटी हो, राजनेता हो या उच्च पदस्थ अधिकारी।

एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र में स्पंदन टीमों के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने बढ़ते नशीली दवाओं के खतरे को महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों से जोड़ा। उन्होंने पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे स्कूलों के पास नशीले पदार्थों की बेरोकटोक बिक्री ने एक पूरी पीढ़ी को तबाह कर दिया, और उन्होंने संकल्प लिया कि तेलंगाना में ऐसा कभी नहीं होने दिया जाएगा।

सख्त प्रवर्तन और ईगल फोर्स का गठन

नशीली दवाओं के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने ईगल फोर्स की शुरुआत पर प्रकाश डाला, जो तस्करी को रोकने के लिए समर्पित एक विशेष इकाई है। इसके साथ ही सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं: स्व-घोषणा पत्र: युवाओं को शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब छात्रों को स्कूल में प्रवेश के समय नशीली दवाओं से दूर रहने का शपथ पत्र (स्व-घोषणा) जमा करना होगा।

पुनर्वास: सरकार की योजना पूरे राज्य में नशामुक्ति केंद्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करने की है।

सामाजिक सतर्कता: शांति समितियों से आग्रह किया गया है कि वे सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपनी पारंपरिक भूमिका के साथ-साथ नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ अभियान चलाने पर ध्यान केंद्रित करें।

महिला सुरक्षा से महिला शक्ति तक का सफर

मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि महिलाओं की सुरक्षा तेलंगाना के विकास की आधारशिला है। मौजूदा शी टीम्स के साथ, नव-लॉन्च की गई 'स्पंदन' इकाइयां संकट में फंसी महिलाओं को तत्काल मनोवैज्ञानिक सहायता और शारीरिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 24/7 काम करेंगी। हमारी सरकार का दृढ़ विश्वास है कि राज्य के विकास के लिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा अनिवार्य है, मुख्यमंत्री ने कहा। उन्होंने विकसित राष्ट्रों का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे सुरक्षा का आर्थिक विकास के साथ सीधा संबंध होता है।आर्थिक सशक्तिकरण की पहल: मुख्यमंत्री ने महिलाओं को राज्य का वित्तीय स्तंभ बनाने के लिए कई ऐतिहासिक योजनाओं को सूचीबद्ध किया:

वित्तीय सहायता: स्वयं सहायता समूहों की 67 लाख महिलाओं को बैंक ऋण के रूप में 60,000 करोड़ का आवंटन।

गतिशीलता और उद्यम: मुफ्त बस यात्रा पर 10,000 करोड़ का खर्च और आरटीसी को 1,000 बसें पट्टे पर देना, जिनका प्रबंधन महिला समूहों द्वारा किया जाएगा।

औद्योगिक उपस्थिति: हाईटेक सिटी में महिला शक्ति स्टालों के लिए 1,000 करोड़ की जमीन का आवंटन और महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों को बेचने के लिए के साथ समझौता।

बुनियादी ढांचा: 26,000 सरकारी स्कूलों, इंदिरम्मा कैंटीन और यहाँ तक कि सौर ऊर्जा संयंत्रों (1,000 मेगावाट) का प्रबंधन भी डक्रा को सौंपा गया है।

3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

रेवंत रेड्डी ने इन सामाजिक और सुरक्षा उपायों को एक बड़े आर्थिक दृष्टिकोण से जोड़ा। उन्होंने 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के राज्य के लक्ष्य को दोहराया।

अजहरुद्दीन, कोदंडराम ने राज्यपाल कोटे से एमएलसी के रूप में शपथ ली

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और प्रोफेसर एम. कोदंडराम ने सोमवार को राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली।

विधान परिषद अध्यक्ष गुट्टा सुखेन्द्र रेड्डी ने परिषद भवन में उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस नियुक्ति को राज्य में कांग्रेस सरकार को मजबूती देने और मंत्री अजहरुद्दीन के कार्यकाल की निरंतरता सुनिश्चित करने के रूप में देखा जा रहा है। रविवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने प्रोफेसर कोदंडराम और अजहरुद्दीन को विधान परिषद के लिए मनोनीत किया जो राज्यपाल के कोटे के तहत लंबे समय से प्रतीक्षित राजनीतिक नियुक्ति प्रक्रिया की परिणति का प्रतीक है। संविधान के अनुच्छेद 171(3)(ई) के अंतर्गत नामांकन पूर्व सदस्यों डी. राजेश्वर राव और फारूक हुसैन के कार्यकाल की समाप्ति के बाद 27 मई, 2023 को उत्पन्न रिक्तियों को भरने के लिए किया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, विधानसभा उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश मुदिराज, पीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़, मंत्री डी. श्रीधर बाबू और जी. विवेक वेंकटस्वामी, सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी के साथ-साथ सरकारी सचेतक, एमएलसी और विधायक भी उपस्थित थे।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और वर्तमान में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के लिए 30 अप्रैल तक का समय बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि मंत्री पद ग्रहण करने के छह महीने के भीतर विधायिका का सदस्य बनने की संवैधानिक आवश्यकता का अनुपालन करना आवश्यक था।

तेजस्वी मूर्ख, लोकसभा में भाजपा-कांग्रेस की चुप्पी पर केसीआर ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस शासन के तहत तेलंगाना की स्थिति पर दुख व्यक्त किया और कहा कि किसानों सहित लोगों के कई वर्ग कठिन समय का सामना कर रहे हैं।

सोमवार को तेलंगाना भवन में पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए, जो बीआरएस की रजत जयंती वर्ष समारोह के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बीआरएस नेताओं को पार्टी को सत्ता में वापस लाने की चुनौती के लिए तैयार रहना होगा।

पार्टी पुनर्गठन का बड़ा फैसला, सदस्यता अभियान की घोषणा

पार्टी के पुनर्गठन की दिशा में एक बड़े फैसले में, चंद्रशेखर राव ने राज्य समिति को छोड़कर सभी बीआरएस समितियों की तत्काल समाप्ति और सदस्यता अभियान शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने गुणात्मक सदस्यता पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि संख्या बढ़ाने से मकसद पूरा नहीं होगा। मायने यह था कि पार्टी में मौजूद लोग और जो शामिल होंगे, तेलंगाना और उसकी जनता के लिए काम करने में कितने ईमानदार होंगे, उन्होंने कहा।

बीआरएस अध्यक्ष ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या पर निशाना साधा, जिन्होंने तेलंगाना के गठन की तुलना भारत के विभाजन से की, उन्हें मूर्ख कहा। यदि बीआरएस सदस्य लोकसभा में होते, तो वे तुरंत उन्हें जवाबदेह ठहराते, लेकिन कांग्रेस और भाजपा के सांसदों ने इस टिप्पणी पर आपत्ति तक नहीं जताई। क्या दोनों दलों के 16 सांसद तेलंगाना में पैदा नहीं हुए? वे चुप क्यों रहे, चंद्रशेखर राव ने पूछा।

कांग्रेस सरकार को सस्ती और पूर्ण विफल बताया, किसानों के साथ खड़े होने का संकल्प

राज्य में कांग्रेस सरकार के बारे में, चंद्रशेखर राव, जिन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का उल्लेख तक नहीं किया, ने मौजूदा सरकार को सस्ती और यहां तक कि बुनियादी प्रशासन में पूर्ण विफलता करार दिया। कांग्रेस नेताओं ने राज्य को कूड़े का ढेर बना दिया है। किसानों को उनकी हालत पर छोड़ दिया गया है। हमें किसानों के साथ खड़े होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर फसल की एक-एक दाना सरकार द्वारा खरीदा जाए, उन्होंने कहा।

यह भी पता चला है कि बीआरएस कांग्रेस सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए एक एक्शन प्लान तैयार करेगी और एक शृंखला में जनसभाएं आयोजित करेगी, प्रत्येक कांग्रेस के चुनाव पूर्व घोषणाओं में से एक पर केंद्रित, उन्हीं स्थानों पर जहां से वादे किए गए थे। मंशा यह थी कि कांग्रेस सरकार कैसे अपने वादों को पूरा करने में विफल रही, इसे उजागर किया जाए।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने बाद में पत्रकारों को बताया कि बैठक में लिए गए अन्य निर्णयों में तेलंगाना में जल्द शुरू होने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश शामिल है। हमने देखा कि कैसे पश्चिम बंगाल में 95 लाख और बिहार में 65 लाख मतदाताओं को सूची से हटाया गया। केसीआर ने हमें निर्देश दिया कि एसआईआर प्रक्रिया में एक भी योग्य मतदाता न खोया जाए, उन्होंने कहा।

कविता की नई पार्टी को लेकर बीआरएस का उपेक्षापूर्ण रवैया

बीआरएस ने अपनी पूर्व एमएलसी के. कविता द्वारा लॉन्च की गई पार्टी के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाया, जिसमें बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने पत्रकारों को बताया कि यह विकास तो ध्यान देने योग्य भी नहीं है।

यहां तक कि बीआरएस अध्यक्ष और कविता के पिता के. चंद्रशेखर राव, जिन्होंने दो दिन पहले अपनी तेलंगाना राष्ट्र सेना एसोसिएशन पार्टी के लॉन्च के दौरान हमला किया था, ने सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने दो घंटे के संबोधन के दौरान नई पार्टी का कोई अप्रत्यक्ष उल्लेख या संदर्भ तक देने से बचा। रामा राव, जिनसे नई पार्टी के बारे में पूछा गया, ने एक समाचार सम्मेलन में कहा: कई पार्टियां आईं और गईं। लेकिन बहुत कम हैं जो 25 वर्षों से लोगों की सेवा करती आ रही हैं और बीआरएस ऐसी दुर्लभ पार्टियों में से एक है। आप जिस विकास के बारे में पूछ रहे हैं, वह ध्यान देने योग्य नहीं है।

तेलंगाना पुलिसकर्मियों को जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर मिलेगी छुट्टी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस बल के मनोबल और व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ाने, पुलिसिंग के कठिन स्वरूप और कर्तव्यों के निर्वहन में कर्मियों द्वारा किए गए अत्यधिक व्यक्तिगत बलिदानों को स्वीकार करते हुए, एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहल के तहत यह निर्णय लिया गया है कि सभी पुलिस कर्मियों को निम्नलिखित अवसरों पर अवकाश (छुट्टी) प्रदान की जाएगी: व्यक्ति का जन्मदिन, व्यक्ति की विवाह वर्षगांठ (शादी की सालगिरह) । यह कदम बल द्वारा दिखाए गए निरंतर समर्पण की सराहना के रूप में लाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तेलंगाना पुलिस का प्रत्येक सदस्य, पद या रैंक की परवाह किए बिना, अपने परिवार की संगति में इन महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मील के पत्थरों को मनाने का अवसर प्राप्त करे, जिससे एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन (वर्क-लाइफ बैलेंस) को बढ़ावा मिलेगा।सभी यूनिट अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर, जब भी पुलिस अधिकारी और कर्मी उपरोक्त दो अवसरों पर छुट्टी का अनुरोध करें, निम्नलिखित शर्तों का पालन करते हुए बिना किसी असफलता के अवकाश प्रदान करें:

1.इसे एक अधिकार के रूप में नहीं माना जाएगा। स्वीकृति प्राधिकारी अवकाश स्वीकृत करेगा, जब तक कि इसे अस्वीकार करना बहुत महत्वपूर्ण न हो।

2.यह अवकाश केवल सेवा रजिस्टर के अनुसार वैध प्रमाण के आधार पर ही स्वीकृत किया जाएगा।

3.यह अवकाश केवल व्यक्तियों के पूर्व लिखित अनुरोध पर ही स्वीकृत किया जाएगा।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA
गृह मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-1)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

क्या स्व-गणना अनिवार्य है?
नहीं, यह अतिरिक्त सुविधा है, यदि आप स्व-गणना नहीं करते तो प्रगणक आपके घर आकर जानकारी दर्ज करेगा

क्या मैं किसी भी भाषा में स्व-गणना कर सकता / सकती हूँ?
यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी और 14 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है

क्या स्व-गणना के लिए इंटरनेट जरूरी है?
हाँ, पोर्टल तक पहुँचने और जानकारी भरने के लिए इंटरनेट आवश्यक है

क्या मेरी जानकारी सुरक्षित है?
हाँ, सभी डेटा सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और सरकारी सर्वरों में संरक्षित है

SE ID क्या है और इसका उपयोग क्या है?
सबमिशन के बाद आपको एक विशिष्ट 11 अंकों की SE ID मिलेगी (SMS / email से), जिसे प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना आवश्यक होगा

यदि SE ID भूल जाएँ तो क्या करें?
पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से SE ID पुनः प्राप्त की जा सकती है

क्या स्व-गणना के बाद भी प्रगणक आएगा?
हाँ, प्रगणक आपके घर आएगा और SE ID के आधार पर जानकारी की पुष्टि करेगा

क्या मुझे कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता है?
नहीं, किसी भी दस्तावेज़ को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है

क्या पोर्टल पर सहायता उपलब्ध है?
हाँ, पोर्टल पर, यूज़र गाइड, फ्लोचार्ट, ट्यूटोरियल वीडियो, FAQs और टूलटिप्स के रूप में सहायता उपलब्ध है

CBC 19108/13/0043/2627
टोल फ्री - 1855
चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
CensusIndia2027

तेलंगाना में जल्द शुरू होगा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण: चुनाव आयोग

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग जल्द ही राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू करेगा। इस संबंध में आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस पुनरीक्षण अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न रहे।

यह कदम बार-बार होने वाले प्रवासन मतदाता पंजीकरण के दोहराव और मतदाता सूची से मृत मतदाताओं के नाम न हटाए जाने जैसी समस्याओं को देखते हुए उठाया गया है। अधिकारी वर्तमान में मौजूदा मतदाता रिकॉर्ड का मिलान और लिंकिंग उन आंकड़ों के साथ कर रहे हैं जो 2002 में आयोजित पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान एकत्र किए गए थे। मतदाताओं को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से या बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) से संपर्क करके अपने विवरण या अपने माता-पिता और दादा-दादी के विवरण का सत्यापन कर लें।

सीईओ ने कहा कि मतदाता 2002 की नामावली का विवरण तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट या मतदाता सेवा पोर्टल पर सर्च सुविधा का उपयोग करके प्राप्त कर सकते हैं। संदर्भ के लिए 2002 की सूची की हार्ड कॉपी बीएलओ के पास भी उपलब्ध है। गणना चरण के दौरान, शुरुआत में किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, उन लोगों को नोटिस जारी किए जाएंगे जिनके विवरण का मिलान नहीं हो पाएगा, और उन्हें अपनी पात्रता स्थापित करने के लिए सहायक दस्तावेज जमा करने के लिए कहा जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने संकेत दिया है कि सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और अन्य आधिकारिक रिकॉर्ड को प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.